THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 262 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.14 2079 मंगलवार, 6 दिसंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीआरपीएफ को मिली बड़ी सफलता, 5 नक्सली गिरफ्तार-7 ने किया आत्मसमर्पण

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को बड़ी सफलता हाथ लगी है। 3 राज्यों में सुरक्षाबलों ने अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान 5 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 7 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

सीआरपीएफ की तरफ से ये जानकारी दी गई है। सीआरपीएफ के प्रवक्ता ने बताया कि रविवार को 5 नक्सलियों को पकड़ा गया और 7 ने 3 राज्यों में सुरक्षा बलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। >14

एग्जिट पोल में दावा, गुजरात में फिर भाजपा

हिमाचल प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस में कांटे की टक्कर, आप नहीं कर पाई कमाल

गुजरात महापोल-2022

182 सीट | 92 बहुमत

एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस+	अन्य
न्यूज एक्स	117-140	34-51	6-13
टीवी9 गुजराती	125-130	40-50	3-5
जन की बात	117-140	34-51	6-13

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा के दूसरे फेज की वोटिंग सोमवार को खत्म हो गई। अब 8 दिसंबर को गुजरात के साथ ही हिमाचल प्रदेश के चुनावी नतीजों का इंतजार है। अगले 72 घंटे में यह तय हो जाएगा कि इस बार दोनों राज्यों में भाजपा वापसी करेगी या फिर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) बाजी मार ले जाएगी।

हालांकि, उससे पहले सोमवार को आए एग्जिट पोल में गुजरात में भाजपा रिकॉर्ड 7वीं बार सरकार बनाती दिख रही है। वहीं हिमाचल प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर नजर आ रही है। तीन एग्जिट पोल के मुताबिक, गुजरात में भाजपा की रिकॉर्ड 7वीं बार बहुमत की सरकार बन सकती है।

वहीं, अगर 2017 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा को 99 सीटें मिली थीं। यानी भाजपा अपने पिछले प्रदर्शन को बेहतर करती नजर आ रही है। इधर कांग्रेस को एक बार फिर झटका लगने का अनुमान है।

कांग्रेस को तीन सर्वे में 30 से 50 सीट मिल सकता है। वहीं इस बार आप गुजरात में खाता खोलती दिख रही है। यहां पार्टी को 3 से 13 सीट मिलने का अनुमान जताया गया है।

हिमाचल प्रदेश महापोल-2022

68 सीट | 35 बहुमत

एजेंसी	भाजपा	कांग्रेस+	अन्य
न्यूज एक्स	32-40	27-34	00
रिपब्लिक टीवी पी- मार्क्यू	34-39	28-33	0-1
टाइम्स नाउ- ईटीजी	38	28	00
जन की बात	32-40	27-34	1-2

श्रद्धा से भी खतरनाक मर्डर

विशाखापट्टणम में पत्नी के टुकड़े कर ड्रम में भरे

हैदराबाद, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। अपनी लिव-इन गर्लफ्रेंड श्रद्धा वाकर की कथित रूप से हत्या करने और उसके शरीर को 35 हिस्सों में काटने के आरोप में पिछले महीने दिल्ली में आफताब अमीन पूनावाला की गिरफ्तारी के बाद से, देश भर से इसी तरह के कई मामले सामने आए हैं। ताजा घटना में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टणम में एक बंद किराए के घर में रखे ड्रम में एक महिला के शरीर के अंग के कई टुकड़े मिले हैं। पुलिस को संदेह है कि शव एक साल से अधिक समय से वहां पड़ा हुआ है। किराएदार द्वारा किराया नहीं दिए जाने पर घर के मालिक ने दरवाजा तोड़ा तो महिला के शरीर के अंग मिले।

विशाखापट्टणम शहर के पुलिस आयुक्त श्रीकांत ने कहा कि उक्त मामला आज विशाखापट्टणम के मदुरवदा से सामने आया है जब मकान मालिक घर से फरार किरायेदार के सामान को हटाने के लिए जबरदस्ती घर में घुसा। जून 2021 में किराएदार ने पत्नी के गर्भवती होने का हवाला देकर बकाया चुकाए बिना मकान खाली कर दिया। लेकिन कहा जाता है कि वह एक बार पिछले दरवाजे से घर आया था, लेकिन अभी तक मालिक को भुगतान नहीं किया था। एक साल से अधिक समय तक इंतजार करने के बाद, मालिक आज जबरदस्ती किरायेदार का सामान हटाने के लिए घर में घुस गया। एक महिला के शरीर के एक ड्रम के हिस्से बरामद किए गए हैं। पुलिस ने कहा कि शुरूआती सबूतों से पता चलता है कि शव को एक साल पहले टुकड़ों में काट दिया गया था, जिसे अब खोजा गया है।

दिल्ली शराब घोटाला : कविता ने सीबीआई के सामने पेश होने में जताई असमर्थता

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिल्ली के शराब घोटाले को लेकर तेलंगाना के सीएम के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता को सीबीआई ने आज मंगलवार को तलब किया है। इसका जवाब देते हुए कविता ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि इस दिन वह पेश नहीं हो सकेंगी।

कविता तेलंगाना में सत्तारूढ़ टीआरएस की एमएलसी हैं। सीबीआई उनसे दिल्ली के शराब घोटाले में पूछताछ करना चाहती है। कविता का कहना है कि उसका घोटाले से जुड़ी किसी एफआईआर में नाम शामिल नहीं है। वह पूछताछ के लिए 6 दिसंबर को पेश नहीं हो सकेंगी। पहले से कार्यक्रम तय हैं। इसके लिए कोई और

तारीख तय कर दें। सीबीआई को लिखे पत्र में कविता ने कहा, मैं कानून का पालन करने वाली नागरिक हूं और जांच में सहयोग करूंगीं। मैं 11, 12, 14 या 15 दिसंबर में से किसी दिन पूछताछ के लिए पेश हो सकती हूं।

सीबीआई ने कविता चंद्रशेखर को गवाह के तौर पर तलब किया था। समन मिलने के तुरंत बाद कविता ने सीबीआई को पत्र लिखकर पहले मामले के दस्तावेज मांगे हैं। कविता ने पत्र में सीबीआई से अनुरोध किया कि मुझे मामले के दस्तावेज जल्द से जल्द प्रदान किए जाएं ताकि मैं खुद मामले से वाकिफ हो सकूं और उचित समय पर जवाब दे सकूं। मुझे दस्तावेज मिलने के बाद हैदराबाद में मैं पेश हो सकती हूं।

हैदराबाद या दिल्ली में पेश होने का निर्देश :

सीबीआई ने दो दिसंबर को भेजे समन में कहा है कि शराब घोटाले की जांच में कुछ तथ्य उभरकर आए हैं, उनके बारे में कविता को अवगत कराना व उनका परीक्षण करना जरूरी है। नोटिस में सीबीआई ने कविता को हैदराबाद या दिल्ली स्थित दफ्तर में से कही पेश होने को कहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया, जबरन धर्मांतरण संविधान के खिलाफ

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। जबरन धर्मांतरण मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस बार भी जबरन धर्मांतरण को गंभीर समस्या बताया और कहा कि जबरन धर्मांतरण भारत के संविधान के खिलाफ है। 14 नवंबर को हुई पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार से इसे रोकने का प्लान पूछा था और हलफनामा दाखिल करने को कहा था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस एमआर शाह और सीटी रविवकुमार की बेंच को बताया कि वे सभी राज्यों से जबरन धर्मांतरण का डेटा इकट्ठा कर रहा है। इसके लिए उन्होंने कोर्ट से एक हफ्ते का समय मांगा है। मामले में अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी।जबरन धर्म परिवर्तन को लेकर एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने याचिका दायर की थी। याचिका में मांग की गई थी कि धर्म परिवर्तनों के ऐसे मामलों को रोकने के लिए अलग से कानून बनाया जाए या फिर इस अपराध को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में शामिल किया जाए। याचिका में यह भी कहा गया है कि यह मुद्दा किसी एक जगह से जुड़ा नहीं है, बल्कि पूरे देश की समस्या है जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। एक वकील की तरफ से इस याचिका की मान्यता पर सवाल उठाए जाने पर बेंच ने कहा कि इतना टेक्निकल होने की जरूरत नहीं है। हम यहां पर उपाय ढूंढने के लिए बैठे हैं।

एलन मस्क को जान का डर

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। ट्विटर के नए मालिक और दुनिया के सबसे आमीर आदमी एलन मस्क को जान जाने का डर सता रहा है। मस्क ने दावा किया कि उनके साथ कुछ बुरा होने या यहां तक कि गोली मारने तक का जोखिम है। ट्विटर स्पेस पर दो घंटे की लंबी ऑडियो चैट में मस्क ने कहा कि वह निश्चित रूप से अब किसी भी कोई खुली कार में यात्रा नहीं करेंगे।

एलन मस्क ने कहा, सच कहूं तो मेरे साथ कुछ बुरा होने या यहां तक कि सचमुच गोली मारे जाने का बड़ा जोखिम है। उन्होंने कहा यदि आप किसी को मारना चाहते हैं तो ऐसा करना कठिन नहीं है।

जी-20 की अध्यक्षता गर्व की बात : मोदी

सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों तक पहुचें भाजपा नेता

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया की बीस प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के संगठन जी-20 की कमान हाल ही में भारत को मिली है। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि यह देश के सभी नागरिकों के लिए गर्व की बात है और यह विश्व स्तर पर भारतीयता और अपनी संस्कृति को स्थापित करने का अवसर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशभर के भाजपा नेताओं की एक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी के सदस्यों से सीमावर्ती ग्रामीणों से सीधा संपर्क बनाए रखने को कहा। उन्होंने कहा कि सीमांत ग्रामीण क्षेत्रों को ऐसे स्थानों के रूप में विविकसित जाना चाहिए जहां पर्यटक आएं। मोदी के साथ बंद कमरे में बैठक के बाद छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह ने

संवाददाताओं को जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक का उद्घाटन किया और कहा कि यूक्रेन युद्ध और कोविड महामारी जैसी वैश्विक चुनौतियों के बीच देश के आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने की दुनियाभर में स्वीकार्यता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में महीने भर चलने वाले 'काशी तमिल संगमम' की भी सराहना की, जो दो स्थानों के बीच प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों का जश्न मनाता है। मोदी ने कहा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए 'स्नेह मिलन' कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। वहीं, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि दो दिवसीय बैठक में विभिन्न समसामयिक मुद्दों और आगामी राज्य विधानसभा चुनावों पर भी चर्चा होगी।

क्या एनसीपी में शामिल होंगे शशि थरूर

नाराजगी की खबरों के बीच कांग्रेस से कर सकते हैं किनारा!

तिरुवनंतपुरम, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर जल्द ही पार्टी से किनारा कर सकते हैं। इसको लेकर कयास भी लगाए जाने लगे हैं। खबर है कि शशि थरूर जल्द ही एनसीपी में शामिल हो सकते हैं। एनसीपी केरल अध्यक्ष पीसी चाको ने इस ओर इशारा भी किया है। कन्नूर में उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस सांसद शशि थरूर एनसीपी में आते हैं तो हम गर्मजोशी से उनका स्वागत करेंगे। अगर कांग्रेस पार्टी उन्हें बाहर भी करती है तो भी वह तिरुवनंतपुरम से सांसद बने रहेंगे। पीसी चाको ने कहा, मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि थरूर को कांग्रेस को नजरअंदाज किया जा रहा है।

अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद से लगाए जा रहे कयास

कांग्रेस में अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी में शशि थरूर को नजरअंदाज किया जा रहा है। मल्लिकार्जुन खरगे के अध्यक्ष बनने के बाद थरूर को बड़ी भूमिकाओं से दूर रखा जा रहा है, जिससे थरूर नाराज चल रहे हैं। बात दें, कि अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए थरूर ने भी नामांकन भरा था। हालांकि, वह खरगे से बड़े अंतर से चुनाव हार गए। इसके बाद उन्हें कांग्रेस की उच्चस्तरीय कमेटियों में भी जगह नहीं मिली।

थरूर ने अटकलों को किया खारिज

इस बीच शशि थरूर ने उनके एनसीपी में शामिल होने की अटकलों को खारिज किया है। पीसी चाको के बयान के बाद थरूर ने कहा है कि मैं एनसीपी में नहीं जा रहा हूं। पीसी चाको से इस मामले पर मेरी कोई चर्चा भी नहीं हुई है। इससे पहले नाराजगी की खबरों को लेकर भी थरूर सफाई भी दे चुके हैं। बीते दिनों उन्होंने कहा था कि उन्होंने पार्टी में किसी के खिलाफ बात नहीं की है और न ही निर्देशों के खिलाफ काम किया है। अगर किसी को ऐसा लगता है तो सबूत पेश करें। इस तरह का विवाद क्यों खड़ा किया गया है। मैंने किसी के ऊपर दोष या आरोप नहीं लगाया है। मेरी ओर से कोई शिकायत या समस्या नहीं है। मुझे सभी को एक साथ देखने में कोई समस्या नहीं है और न ही मुझे किसी से बात करने में कोई आपत्ति है।

कड़कड़डूमा के एक होटल की तीसरी मंजिल पर लगी आग

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की कड़कड़डूमा के एक होटल की तीसरी मंजिल पर आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की 10 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार स्थित होटल जिंजर में तीसरी मंजिल पर लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल की 10 गाड़ियां

आग पर काबू पाने के लिए मौके पर पहुंची। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं।

केरल विधानसभा की नई पहल

स्पीकर व डिप्टी स्पीकर की गैर हाजिरी में महिलाएं करेंगी कार्यवाही संचालित

तिरुवनंतपुरम, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल विधानसभा में नई व ऐतिहासिक पहल की जा रही है। सदन के इतिहास में पहली बार अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की गैर हाजिरी में महिला विधायक सदन की अध्यक्षता करते हुए कार्यवाही संचालित करेंगी। इसके लिए महिला विधायकों की एक समिति बनाई गई है। यह ऐतिहासिक फैसला स्पीकर ए. एन. शमशीर की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद लिया गया। शमशीर ने एमबी राजेश की जगह स्पीकर का पदभार ग्रहण किया है। शमशीर ने महिला अध्यक्षों की समिति बनाने का प्रस्ताव रखा। इसके बाद सत्तारूढ़ वामपंथी गठबंधन ने दो और विपक्षी यूडीएफ ने एक महिला विधायक का नाम सुझाया। महिला विधायकों की तीन सदस्यीय समिति में भाकपा की आशा सीके, माकपा की यू प्रतिभा और रिवोल्यूशनरी मार्क्सिस्ट पाटी की केके रीमा को शामिल किया गया है। ये तीनों यूडीएफ के घटक दलों की विधायक हैं।

विश्वास ने कहा हिंदू धर्म पर राहुल से बहस करने को तैयार

गोविंद सिंह बोले सारंग की इतनी हैसियत नहीं

भोपाल, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कमलनाथ की वीएचपी और आरएसएस के पदाधिकारियों को राहुल गांधी से धर्म पर बहस करने की चुनौती के बाद राजनीति गरमा गई है। मंत्री विश्वास सारंग ने कमलनाथ की चुनौती स्वीकार करते हुए बहस को तैयार करने की बात कही है। इस पर विधानसभा में विपक्ष के नेता गोविंद सिंह ने कहा कि सारंग की इतनी हैसियत नहीं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की राहुल गांधी से हिंदू धर्म पर बहस की चुनौती को मंत्री विश्वास सारंग ने स्वीकार किया है। सारंग ने कहा कि जिस यात्रा में क्रूर हिंदू की बात की जाती है। वह हिंदू धर्म पर बहस की चुनौती देते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म को बदनाम करना कांग्रेस की आदत है। मंत्री ने कहा कि मैं राहुल गांधी को चुनौती देता हूं कि वो आकर हिन्दू धर्म को लेकर मुझसे बहस करें। मैं धर्म का बहुत बड़ा ज्ञानी नही हूं, लेकिन कमलनाथ की इस चुनौती को स्वीकार करता हूं। मंत्री विश्वास सारंग के बयान पर नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी के पास इतना समय नहीं है कि वह विश्वास सारंग जैसे नेता के साथ बैठकर बातचीत करें।

गिरने वाली है पश्चिम बंगाल में ममता की सरकार!

भाजपा नेता का सनसनीखेज दावा

कोलकाता, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। क्या पश्चिम बंगाल की सरकार के दिन पूरे हो चुके हैं, क्या ममता बनर्जी की मुख्यमंत्री की कुर्सी अब जाने वाली है?...आखिर क्यों भाजपा नेता ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के गिरने का दावा करके सबको हैरान कर दिया है। भाजपा नेता के इस दावे से सत्ता के गलियारे में भूचाल आ गया है। भाजपा नेता ने यह भी कहा है कि अब पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार को अब न तो महासचिव अभिषेक बनर्जी बचा पाएंगे और न ही उनकी पार्टी का कोई दूसरा नेता। आइए जानते हैं कि भाजपा नेता ने आखिरकार टीएमसी को इस

तरह से क्यों ललकार दिया है? भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने रविवार को कहा कि अब ममता सरकार को गिरने से कोई नहीं बचा सकता है। पश्चिम बंगाल की इस सरकार का जाना अब सुनिश्चित हो गया है। उन्होंने ललकारने के अंदाज में कहा कि न तो तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव अभिषेक बनर्जी और न ही पार्टी का कोई अन्य शीर्ष नेता राज्य में ''भ्रष्टाचार में लिपटी टीएमसी सरकार को गिरने'' से रोक सकता है। उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार में पार्टी कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मजूमदार ने कहा कि लोग विभिन्न परियोजनाओं के लिए केंद्रीय निधि के इस्तेमाल को लेकर टीएमसी नेताओं से जल्द ही ऑडिट की मांग करेंगे।

भ्रष्टाचार और घोटालों की सरकार अब नहीं चलेगी

मजूमदार ने कहा कि यह सरकार घोटालों और भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी हुई है, लेकिन अब यह और दिन नहीं चलेगी। उन्होंने कहाकि, ''अभिषेक बनर्जी अब लोगों के घर जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें कुछ बुरा होता दिख रहा है। टीएमसी के पंचायत सदस्यों द्वारा सरकारी कल्याणकारी परियोजनाओं के लाभ से वंचित रखे गए गरीब लोगों ने घोटालों से घिरी इस भ्रष्ट सरकार से मुंह मोड़ लिया है। कई नेता भ्रष्टाचार के आरोपों पर पहले ही जेल में हैं। न तो अभिषेक बनर्जी और न ही कोई और टीएमसी नेता सरकार को गिरने से बचा पाएगा।'' बलूरघाट से भाजपा के सांसद मजूमदार शनिवार को एक रैली से पहले अभिषेक बनर्जी द्वारा पूर्व मेदिनीपुर में मरिश्दा गांव के घरों का दौरा किए जाने का जिक्र कर रहे थे। भाजपा नेता के इस दावे से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी परेशान हो गई हैं।

मुंबई में नाबालिग लड़के की साइकिल से टक्कर के बाद दो समुदायों में झड़प

पुलिस ने दर्ज किया मामला

मुंबई, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई के सांताक्रूज इलाके में एक साइकिल सवार 45 वर्षीय व्यक्ति को एक नाबालिग लड़के ने टक्कर मार दी, जिसके बाद दो समूह आपस में भिड़ गए। पुलिस ने सोमवार को इस घटना की जानकारी दी। घटना रविवार रात को हुई जब शख्स एक मस्जिद के सामने खड़ा था। वकोला पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि टक्कर लगने के बाद शख्स ने कथित तौर पर लड़के को थप्पड़ मारा और साइकिल को अपने कब्जे में ले लिया। लड़के ने घर जाकर अपने पिता को घटना की जानकारी दी, जो अन्य लोगों के साथ मौके पर गए और उस व्यक्ति पर कथित रूप से हमला किया, जिसने उनके बेटे को थप्पड़ मारा था।

दोनों समूहों के बीच मारपीट

अधिकारी ने कहा कि 45 वर्षीय व्यक्ति और उसके समर्थकों ने दूसरे समूह के सदस्यों की भी पिटाई की और उन पर पथराव किया। उन्होंने कहा कि स्थिति तनावपूर्ण हो गई और इलाके की दुकानें कुछ देर के लिए बंद हो गईं। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में किया और दोनों समूहों के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया। अधिकारी ने बताया कि लड़के को थप्पड़ मारने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि लड़के का पिता फरार है और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

राहुल गांधी को संघ की पूरी जानकारी नहीं

जय सियाराम विवाद के बीच बोम्मई का पलटवार

बेंगलुरु, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 'जय सियाराम' नारे को लेकर संघ व भाजपा पर आरोप का कर्नाटक के सीएम बसवराज बोम्मई ने जवाब दिया है। राहुल पर पलटवार करते हुए बोम्मई ने कहा कि राहुल गांधी को आरएसएस के बारे में पूरी जानकारी नहीं है। बोम्मई ने कहा कि आरएसएस में 'दुर्गा सेना' महिला शाखा भी है। हम कोई भी कार्यक्रम 'भारत माता की जय' के जयकारे से करते हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपाई 'सियाराम' नहीं कहते हैं, वे सिर्फ 'जय श्रीराम' कहते हैं और आरएसएस व भाजपा की कोई महिला शाखा नहीं है।

राहुल ने कहा था-संघ वाले इसलिए नहीं बोलते जय सियाराम

राहुल गांधी ने मध्यप्रदेश के आगर मालवा में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कहा था कि संघ वाले जय श्री राम बोलते हैं, न कि जय सियाराम। वहां कोई 'सीता' नहीं है। उन्होंने सीता को बाहर रखा है, क्योंकि वे सीता की पूजा नहीं करते हैं। राहुल ने जय सियाराम और जय श्री राम में फर्क भी बताया था। राहुल ने कहा कि जय सियाराम का अर्थ है कि सीता जी और राम जी एक ही हैं। जब आरएसएस में कोई महिला शाखा नहीं है तो वे यह नारा कैसे दे सकते हैं। यह सियाराम का संगठन नहीं है। वहां कोई सीता नहीं है। उन्होंने सीता को बाहर रखा है। मेरा आरएसएस के दोस्तों से अनुरोध है कि जय श्री राम के साथ-साथ जय सियाराम और हे राम का भी जाप किया करें। सीताजी का अपमान न करें।

जालंधर के मंसूरपुर के गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी की घटना, आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। जालंधर के मंसूरपुर गांव के गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी की घटना के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस घटना के बारे में ट्वीट किया था और स्थिति को चिंताजनक बताया था। उन्होंने राज्य में आम आदमी पार्टी सरकार पर भी निशाना साधा। सिरसा ने एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें कथित तौर पर उस गुरुद्वारे के अंदर के दृश्य दिखाए गए थे जहां घटना हुई थी। सिरसा ने ट्वीट किया कि गोराया के पास मंसूरपुर गांव में श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी को देखकर बहुत दुख हुआ।

अंडरगारमेंट्स में छुपाकर ले जा रहे थे सोना

मुंबई एयरपोर्ट पर हुए गिरफ्तार, 2.5 करोड़ का गोल्ड बरामद

मुंबई, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सोने के स्मगलिंग के मामले लगातार पकड़ में आ रहे हैं। तस्कर अनोखे तरीके से सोना तस्करी करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कस्टम विभाग के आगे उनके इरादे नाकाम हो रहे हैं। मुंबई एयरपोर्ट से लगभग हर हफ्ते बड़ी मात्रा में करोड़ों का सोना बरामद किया जा रहा है। मीडिया में आई खबर के अनुसार, मुमाबी एयरपोर्ट पर सीमा शुल्क के अधिकारियों ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए अंडरगारमेंट्स में सोना छुपाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना 2 व 3 दिसंबर की दरम्यानी रात को हुई। एक सीमा शुल्क अधिकारी ने बताया, तीन यात्रियों को 1,872 ग्राम सोने के पाउडर को विशेष रूप से डिजाइन किए गए अंडरगारमेंट्स में छुपाकर ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया, जबकि 2,840 ग्राम सोना विमान के शौचालय में तलाशी के दौरान बरामद किया गया।

एमपी हज कमेटी की पहली मीटिंग आज :सदस्य चुनेंगे अध्यक्ष कमेटी में भोपाल विधायक आरिफ मसूद भी शामिल

भोपाल, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। नवगठित मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी की पहली मीटिंग मंगलवार को होगी। इसी में अध्यक्ष के लिए चुनाव होगा। सुबह 11 बजे से चुनावी प्रोसेस शुरू होगी, जो दोपहर 2 बजे तक चलेगी। कमेटी के कुल 12 सदस्यों में भोपाल से विधायक आरिफ मसूद भी शामिल हैं। वे भी अध्यक्ष का चुनाव लड़ सकते हैं। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने उप संचालक डॉ. नीलेश देसाई को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया है। मीटिंग और चुनावी प्रक्रिया हज हाउस ग्राम सिंगारचोली गुलमोहर गार्डन के पीछे एयरपोर्ट रोड स्थित हज हाउस में होगी।

बीरभूम हत्याकांड

दस लोगों को जिंदा जलाने का मुख्य आरोपी आठ माह बाद गिरफ्तार

कोलकाता, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में घरों में आग लगाकर 10 लोगों को जिंदा जला देने के मामले में मुख्य आरोपी ललन शेख को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ललन शेख मृतक भादू शेख का करीबी सहयोगी था। बीआई ने उसे शनिवार देर रात गिरफ्तार कर सुबह अदालत में पेश किया। बीरभूम हत्याकांड 21 मार्च, 2022 को हुआ था। बोगतुई गांव का भादू शेख बरशाल ग्राम पंचायत का उप प्रधान था। एनएच-60 पर बोगतुई मोड़ पर हुए विस्फोट में घायल होने के बाद उसकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद भड़की हिंसा में बोगतुई गांव में भादू के प्रतिद्वंद्वी गुट के लोगों के घरों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी गई थी।

सुप्रीम कोर्ट: परिसर में दिव्यांगों को आ रही परेशानी का होगा ऑडिट, जज की अध्यक्षता में बनी कमेटी

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने परिसर में दिव्यांग लोगों को पेश आने वाली हर तरह की कठिनाइयों को समझने और न्याय प्रणाली तक उनकी बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक व्यापक एक्सेसिबिलिटी ऑडिट कराने का फैसला लिया है. हर साल 3 दिसंबर को मनाए जाने वाले विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक जज की अध्यक्षता में इस बारे में सुप्रीम कोर्ट की एक कमेटी का गठन किया. सुप्रीम कोर्ट से जारी एक एक बयान में कहा गया कि इस समिति की अध्यक्षता न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट करेंगे. उनको भौतिक और साथ ही तकनीकी पहुंच की भी एक्सेसिबिलिटी ऑडिट करने के लिए कहा गया है. इस समिति को विकलांग व्यक्तियों के लिए एक प्रश्नावली तैयार करने और उसे जारी करने का भी काम सौंपा गया है. जो सुप्रीम कोर्ट परिसर में आने वाली समस्याओं की प्रकृति और मात्रा का पता लगाने के लिए बनाई जाएगी. सुप्रीम कोर्ट के बयान में कहा गया है कि समिति सुप्रीम कोर्ट के वकीलों, मुवक्किलों और प्रशिक्षुओं से भी इनपुट देने के लिए कहेगी. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस समिति में बेंगलुरु की नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर भी शामिल होंगे. यह समिति एक रिपोर्ट तैयार करेगी. जिसमें ऑडिट और सर्वे के नतीजे शामिल होंगे और ये विकलांग लोगों को काम करने में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए प्रस्तावों की सिफारिश करेगी. सुप्रीम कोर्ट से जारी बयान में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट में कार्यरत एक विकलांग व्यक्ति, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा नामित एक विकलांग वकील और नालसर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में सेंटर फॉर डिसएबिलिटी स्टडीज से नामित किया गया एक व्यक्ति इस समिति के अन्य सदस्य होंगे. सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री का एक अधिकारी इस समिति का सदस्य सचिव होगा.

लिवर कैंसर को खत्म कर सकता है रातरानी के पत्तों का काढ़ा

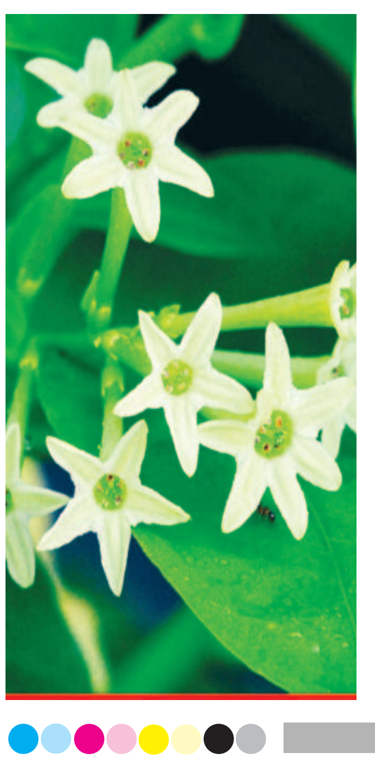

रिसर्च में हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कैंसर एक ऐसा नाम है जिसे सुनते ही लोगों को तनाव होने लगता है। हाल ही डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि लिवर कैंसर ऐसी बीमारी है जिससे हर साल पूरी दुनिया में 7.88 करोड़ लोगों की जान चली जाती है। ऐसे में इस बीमारी को बढ़ने से रोकने और इसे ठीक करने के लिए आइआइटी बीएचयू, बीएचयू, रूस और रोमानिया के वैज्ञानिकों ने एक उपलब्धि पाई है। क्योंकि इस वैज्ञानिकों की टीम ने एक रिसर्च की है जिसमें पाया गया है कि रातरानी (सिस्ट्रम नाकनर्टनम) के पत्ते का काढ़ा इस बीमारी को ना सिर्फ बढ़ने से रोकता बल्कि पूरे से ठीक भी कर सकने में सक्षम है।

लैब में तैयार हुआ पौधा

इस वैज्ञानिकों की टीम ने लैब में 5 जीन के बारे में पता लगाया है, जो कैंसर सेल्स के बढ़ने की वजह हैं। इन पांचों जीन पर रातरानी के काढ़े का प्रभाव देखा गया है। जिससे यह पता लगा है कि रातरानी से ये 5 कोशिकांए निष्क्रिय हो रही हैं। इस प्रयोग में जिस रातरानी के पत्ते के काढ़े का इस्तेमाल किया गया वह टिश्यू कल्चर से तैयार किया गया था। यह बीएचयू के आयुर्वेदिक विभाग के हर्बल गार्डन में तैयार किया गया था। इस रिसर्च को अमेरिका के एक साइंटिफिक जर्नल में प्रकाशित किया गया था।

रातरानी के पत्तों के 33 तत्वों पर बड़ा खुलासा

इस रिसर्च टीम में शामिल बीएचयू के प्रदीप कुमार और अमित कुमार सिंह ने जानकारी दी है कि रिसर्च किया जाने वाला रातरानी का पौधा उनके वनस्पति विभाग में कल्चर विधि से विकसित किया गया था। इसके पत्तों का काढ़ा बनाकर इसमें पाए जाने वाले 33 तत्वों को खोजकर यह प्रयोग आगे बढ़ाया गया। खोज में यह पता लगा है कि कैंसर की कोशिकाओं पर इन तत्त्वों का असर हो रहा है। आपको बता दें कि इन दोनों के साथ इस रिसर्च में एकडमी ऑफ बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, साउथर्न फेडरल यूनिवर्सिटी रूस और फैकल्टी ऑफ मेडिसिन एंड फॉर्मेसी यूनिर्वसिटी ऑफ रोमानिया से विष्णु डी राजपूत, तातिना मिकिना, सिमोना कावालू व ओविडियू पाप शामिल हैं।

1800 कारक हैं लिवर कैंसर के लिए जिम्मेदार

आपाके जानकार हैरानी होगी कि इस रिसर्च में यह बात भी सामने आई है कि लिवर कैंसर के लिए तकरीबन 1800 कारक जिम्मेदार हैं। इसमें से 5 सबसे बड़े कारक हैं टीपी 53, एकेटी 1, ईएसआरआई, सीएएसपी 3 और जेनएन। इस पांच कारकों को कंट्रोल करने वाला तत्व है एपीजेनिन जो इस पत्ते में मौजूद है। अब हम यह उम्मीद कर सकते हैं कि जल्द ही इस रिसर्च के कुछ सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे और जल्द ही लिवर कैंसर के मरीजों को आयुर्वेदिक दवाएं मिलेंगी।

सूदखोर महिला से तंग आकर की थी सुसाइड

8 हजार रुपए का कर्ज नहीं चुकाने पर सफाई कर्मचारी को इतना तंग किया कि जान देनी पड़ी

भोपाल, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पिपलानी इलाके में सूदखार महिला से तंग आकर नगर निगम के सफाई कर्मचारी ने सुसाइड किया था। जांच के बाद पुलिस ने महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस की जांच में सामने आया कि सफाई कर्मचारी महिला से 5 हजार रुपए ब्याज में पैसा लिया था। इसका वह 8 हजार रुपए मांग रही थी। समय पर पैसा नहीं मिलने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देती थी। अभी महिला की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। टीआई अजय नायर ने बताया कि अयोध्या नगर एक्सटेंशन निवासी राजेश करोसिया (32) नगर निगम में ठेका कर्मचारी था। 10 नंवबर को पिपलानी इलाके में अपनी बहन के घर सगाई में आया था। इसी दौरान राजकुमारी नाम की महिला का फोन आया। वह पैसे का दबाव बनाने लगी। जिसके बाद राजेश घबरा गया। थोड़ी देर बाद उसने एसिड पीकर सुसाइड कर लिया। तबियत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल में एडमिट कराया। दो दिन तक चले उपचार के बाद बाद 12 नंवबर को राजेश ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

8 हजार देने का बना रही थी दबाव

पुलिस ने बताया कि राजेश नगर निगम में सफाईकर्मी का काम करता था। यहीं उसके साथ जितेंद्र दांगुर निवासी शाहजहांबाद भी काम करता था। दो-तीन महीने पहले राजेश को पैसे की जरुरत पड़ी और उसने जितेंद्र से पैसे उधार मांगे, साथ उसने राजेश को व्यक्ति ने उसे पैसे दे भी दिए, लेकिन उसकी बीवी राजकुमारी जल्द ही उस पर पैसे वापस करने का दबाव बनाने लगी थी। यही नहीं, आरोपी महिला ने उससे 5 हजार की जगह 8 हजार रुपए मांगे। आर्थिक स्थित ठीक नहीं होने पर राजेश पैसा नहीं दे पाया।

पुलिस ने 306 के तहत दर्ज किया मामला

जानकारी के मुताबिक राजेश करोसिया की कॉल्स डिटेल्स और परिजनों के बयान के आधार पर आरोपी महिला के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 ऋणियों के अधिनियम 2015 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही पुलिस का कहना है कि महिला अभी फरार है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सुविचार: मान सम्मान तभी हैं, जब तक किसी के सामने मदद के लिए हाथ न फैलाया जाए।

उम्मीदवारों को निर्देशों का पालन करना चाहिए : महेश

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त महेश भागवत ने सोमवार को पुलिस भर्ती अधिसूचना 2022 के शारीरिक दक्षता परीक्षण की व्यवस्था की समीक्षा की, जो 8 दिसंबर से सरूरनगर स्टेडियम में शुरू होने वाली हैं। निरीक्षण के दौरान सीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शारीरिक दक्षता परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि उम्मीदवारों को परीक्षा के लिए उपस्थित होते समय प्रवेश पत्र में उल्लिखित निर्देशों का पालन करना चाहिए। उन्होंने उम्मीदवारों को दलालों से दूर रहने के लिए भी आगाह किया, जो अनुकूल परिणामों के लिए उनसे पैसे वसूलते हैं। सीपी ने कहा कि परीक्षा प्रणाली पूरी तरह से पारदर्शी है और ऐसे दलालों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। इस तरह की प्रथाओं में शामिल होने के मामले में, उम्मीदवार पुलिस अधिकारियों को डायल 100 या व्हाट्सएप कंट्रोल नंबर 9490617111 पर सूचित कर सकते हैं।

निरीक्षण के दौरान सनप्रीत सिंह, आईपीएस, डीसीपी, एलबी नगर, एडिशनल डीसीपी शमीर, सीएआर, एडिशनल डीसीपी एडमिन नर्मदा, एसीपी, एलबी नगर श्रीधर रेड्डी, इंस्पेक्टर, आईटी सेल श्रीधर रेड्डी और राचकोंडा के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

भाकपा ने 29 को 'संघवाद रक्षा दिवस' के रूप में मनाने का आह्वान किया

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव डी राजा ने आज कहा कि पूरे देश में पार्टी इकाइयां 29 दिसंबर को 'रक्षा संघवाद दिवस' के रूप में मनाएगी। 3 और 4 दिसंबर को हुई दो दिवसीय पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के निर्णयों के बारे में 5 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी में मीडिया को जानकारी देते हुए, राजा ने बिनॉय विस्वाम की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में रिपोर्ट पेश की। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय परिषद सचिव डॉ के नारायण और बिनॉय विश्वम सांसद थे। बैठक में 24वीं पार्टी कांग्रेस की समीक्षा की गई, जो अक्टूबर 2022 में विजयवाड़ा में सफलतापूर्वक आयोजित की गई और नवनिर्वाचित राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। राजा ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में देश के संघीय ढांचे की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक ताकतों को एकजुट होने का आह्वान किया गया है।

पैसेंजर और फ्रेट दोनों सेगमेंट में एससीआर ने नवंबर माह में सर्वाधिक राजस्व दर्ज किया

यात्री राजस्व 435.66 करोड़ रुपये और माल ढुलाई राजस्व 1083.63 करोड़ रुपये रहा

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने नवंबर, 2022 के महीने में यात्री और माल ढुलाई दोनों क्षेत्रों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है। इस ज़ोन ने नवंबर, 2022 के दौरान 435.66 करोड़ रुपये का मूल यात्री राजस्व और 1083.63 करोड़ रुपये का माल राजस्व दर्ज किया है, जो कि किसी भी वित्तीय वर्ष में नवंबर माह में अब तक का सर्वाधिक राजस्व है। जोन यात्रियों के रुझान की लगातार समीक्षा कर रहा है ताकि जहां भी संभव हो वहां विशेष ट्रेनें चलाई जा सकें और उनका संचालन किया जा सके। दमरे ने 93 विशेष ट्रेनों (460 फेरे) का संचालन किया है, जिसमें नवंबर, 2022 में इन ट्रेनों के माध्यम से 2.82 लाख यात्रियों को ले जाया गया। अधिक संख्या में यात्रियों को ले जाया जा रहा है। नवंबर, 2022 के महीने के दौरान 625 अतिरिक्त डिब्बे जोड़कर कुल 42,757 यात्रियों को ढोया गया। इन सभी के परिणामस्वरूप जोन ने नवंबर महीने के लिए अब तक का सबसे अधिक राजस्व दर्ज किया है। इसके साथ ही, जोन मौजूदा यातायात को मजबूत करते हुए यातायात की नई धाराओं और नए गंतव्यों को जोड़कर अपनी माल ढुलाई की टोकरी को चौड़ा करने को महत्व दे रहा है। इस दिशा में निरंतर प्रयास के परिणामस्वरूप जोन ने नवंबर महीने के लिए अपना अब तक का सबसे अच्छा माल ढुलाई राजस्व 1,083.63 करोड़ अर्जित किया है। इस जोन ने चालू वित्त वर्ष के नवंबर माह में 10.481 मिलियन टन यातायात को विभिन्न गंतव्यों तक पहुँचाया है। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि में माल लदान (9.111 मीट्रिक टन) से 157 अधिक है। कोयले के अलावा, लौह अयस्क का लदान नवंबर महीने के दौरान बढ़ा है और 0.271 मीट्रिक टन के रूप में दर्ज किया गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1187 अधिक है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने चालू वित्त वर्ष में इस प्रभावशाली आय को प्राप्त करने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की परिचालन और वाणिज्यिक टीम दोनों को बधाई दी है। उन्होंने सभी मंडलों और मुख्यालयों के कर्मचारियों और अधिकारियों को सलाह दी कि वे यात्रियों और माल ग्राहकों दोनों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक ही गतिशीलता बनाए रखें।

रेवंत ने सीएम केसीआर पर किसानों को मजदूर बनाने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर कड़ा प्रहार करते हुए आज आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री राज्य में किसान विरोधी नीतियां अपना रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम ने न केवल उन्हें वर्ष 2015 में गिरफ्तार करवाया, बल्कि अपनी बेटी की शादी की तैयारियों में भी शामिल नहीं होने दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा उनके खिलाफ किए गए पाप अब उनकी बेटी और टीआरएस एमएलसी के कविता को सीबीआई नोटिस के रूप में वापस आ गए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी कविता को सीबीआई का नोटिस मिलने के बाद मुख्यमंत्री को अब उनके द्वारा अनुभव की गई पीड़ा के बारे में पता चल जाएगा। विकाराबाद जिला समाहरणालय के सामने आयोजित अपनी पार्टी के नेताओं के एक विरोध प्रदर्शन में बोलते हुए, टीपीसीसी प्रमुख ने आरोप लगाया कि सीएम तेलंगाना राज्य के गठन के बाद कृषि क्षेत्र और किसानों पर हमला कर रहे थे और कहा कि सीएम कृषि क्षेत्र को सौंपने की योजना बना रहे थे। सीएम के "लंबे" दावों का जिक्र करते हुए कि वे किसानों को रायथू भीम योजना लागू कर रहे थे, उन्होंने सीएम से पूछा कि वह राज्य में फसल बीमा योजना को लागू क्यों नहीं कर रहे हैं? राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए, रेड्डी ने कहा कि टीआरएस पार्टी के पिछले आठ वर्षों के शासन में लगभग 8000 किसानों ने आत्महत्या की और कहा कि राज्य के आंकड़ों के अनुसार किसानों की मौत की संख्या 80,000 थी।

टीपीसीसी प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री जन कल्याण की अनदेखी कर रहे हैं और कहा कि उनके शासन में किसानों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा पर निशाना साधते हुए, रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि टीआरएस और भाजपा दोनों राज्य में शराब घोटाले, एमएलए पोच गेट घोटाले के नाम पर जनता की समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए राजनीतिक नाटक कर रहे थे और कहा कि लोग देख रहे थे। उन्होंने विवादित धरणी पोर्टल का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सत्ता में आने के बाद पोर्टल को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वे किसानों को 2 लाख रुपये का फसल ऋण माफ करेंगे। उन्होंने राज्य में किसी भी समय मध्यावधि चुनाव होने की भविष्यवाणी करते हुए पार्टी नेताओं से अगले विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

मणिकम ने मर्री शशिधर रेड्डी को कानूनी नोटिस भेजा

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद और पार्टी के तेलंगाना राज्य प्रभारी मणिकम टैगोर ने पार्टी के पूर्व नेता मर्री शशिधर रेड्डी को कानूनी नोटिस भेजा है, जो हाल ही में भाजपा में शामिल हुए थे। कानूनी नोटिस मदुरै के रहने वाले वकील आर अरविंदन ने भेजा था। अपने पत्र में, टैगोर के वकील ने रेड्डी से कहा कि उन्होंने टैगोर के खिलाफ अत्यधिक आपत्तिजनक और अपमानजनक बयान दिए थे और आरोप लगाया था कि एआईसीसी महासचिव प्रभारी (संगठन) केसी वेणुगोपाल के साथ टैगोर ने पार्टी सांसद ए रेवंत की नियुक्ति में मौद्रिक लाभ प्राप्त किया था। रेड्डी को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया। नोटिस में यह भी कहा गया है कि रेड्डी ने बिना किसी आधार के टैगोर और पार्टी के अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ निराधार आरोप लगाए थे।

प्रतिष्ठित बेलुगा सुपर ट्रांसपोर्टर आरजीआईए, हैदराबाद में उतरा

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) में कल रात एक अनोखा आगंतुक देखा गया। दुनिया के सबसे बड़े मालवाहक विमानों में से एक, एयरबस बेलुगा हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। आरजीआईए के अधिकारियों ने इसकी लैंडिंग, पार्किंग और टेकऑफ़ की व्यवस्था की है और सुपर ट्रांसपोर्टर के 5 दिसंबर शाम तक हैदराबाद में रहने की उम्मीद है। इस विमान को पहली बार 20 नवंबर को कोलकाता एयरपोर्ट पर देखा गया था। बेलुगा व्हेल के आकार का जानवर 22 नवंबर को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट में भी देखा गया था। इसे एयरबस A300-600ST भी कहा जाता है, यह विमान कोलकाता में पहली बार देखे जाने के बाद से ही लोगों का ध्यान खींच रहा है। यह बड़े आकार के कार्गो के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए अर्ध-स्वचालित मुख्य डेक कार्गो लोडिंग सिस्टम से लैस है। अक्टूबर 2022 में 13 जी उपग्रह को वितरित करने के लिए फ्लोरिडा के केप कैनावेरल में कैनेडी स्पेस सेंटर में विमान का उपयोग किया गया था।

मई 2016 में, सोवियत संघ में एंटोनोव डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन और निर्मित दुनिया के सबसे बड़े कार्गो विमान एंटोनोव एएन-225 ने हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत में अपनी पहली लैंडिंग की। यह 116 टन वजनी जेनरेटर ले जाने के दौरान तकनीकी समस्या के कारण हैदराबाद हवाईअड्डे पर उतरा।

दिव्यांग कल्याण अधिकारियों की नियुक्ति शीघ्र : हरीश

सिद्दीपेट, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार जल्द ही सभी 33 जिलों में विकलांगों के कल्याण की देखभाल के लिए विशेष अधिकारियों की नियुक्ति करेगी। राज्य में शारीरिक रूप से विकलांगों की बेहतर सेवा करने के उद्देश्य से सरकार ने विकलांग कल्याण विभाग को पहले ही अन्य कल्याण विभागों से अलग कर दिया था।सिद्दीपेट में विकलांग व्यक्तियों के अंतर्राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम के दौरान शारीरिक चुनौतियों वाले व्यक्तियों को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि नियोक्ताओं को कर्मचारी की क्षमता को देखना चाहिए, उनकी विकलांगता को नहीं। यह कहते हुए कि कुछ नियोक्ता शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को काम पर रखने के इच्छुक नहीं थे, राव ने कहा कि शारीरिक रूप से अक्षम लोगों में भी अद्भुत प्रतिभा है। राज्य सरकार द्वारा वर्ग की बेहतरी के लिए शुरू की गई विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि टीआरएस सरकार ने पेंशन राशि को 500 रुपये से बढ़ाकर 3,016 रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य भर में 5.70 लाख लाभार्थियों की विकलांग पेंशन के लिए प्रति माह 1,700 करोड़ रुपये का भुगतान कर रही है, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सरकारी नौकरियों और शिक्षा में विकलांगों के लिए आरक्षण को 4 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए भी काम कर रही है। तेलंगाना सरकार विकलांग व्यक्तियों के विवाह के लिए 2.25 लाख रुपये का भुगतान भी कर रही थी जिसमें कल्याण लक्ष्मी योजना के तहत लाभ और विकलांग विवाह प्रोत्साहन शामिल है। राव ने जिले में शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए एक विशेष कौशल विकास केंद्र स्थापित करने का आश्वासन दिया। यह कहते हुए कि जिले में 14,500 विकलांग व्यक्ति थे, राव ने सिद्दीपेट जिले में उनके कल्याण के लिए 1 करोड़ रुपये के विशेष अनुदान की घोषणा की। जिला परिषद अध्यक्ष वी रोजा शर्मा, अपर कलेक्टर मुजम्मिल खान, विकलांग कल्याण निदेशक शैलजा, जिला कल्याण अधिकारी रामगोपाल रेड्डी, डीआरडीओ पीडी च गोपाल राव सहित अन्य उपस्थित थे।

मंत्री इंद्रकरण ने बीजेपी नेताओं पर साधा निशाना

निर्मल, हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बंदोबस्ती मंत्री इंद्रकरण रेड्डी ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की आलोचना की। सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री इंद्रकरन रेड्डी ने मुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के लिए भाजपा नेताओं को दोष दिया और उन्हें चेतावनी दी कि अगर उनकी जुबान पर नियंत्रण नहीं किया गया तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा कि "मैं 35 साल से अधिक समय से राजनीति में हूं। लेकिन, मैंने कभी किसी नेता के खिलाफ व्यक्तिगत दुर्व्यवहार का सहारा नहीं लिया। दुर्भाग्य से, तेलंगाना राज्य इकाई के अध्यक्ष बंदी संजय सहित भाजपा नेता व्यक्तिगत गाली दे रहे हैं और लक्ष्यहीन बोल रहे हैं जो उन्हें पसंद है।" उनके पास कोई सामान्य ज्ञान नहीं है कि मुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों की कुर्सी को सम्मान दिया जाना चाहिए।

प्रजा संग्राम यात्रा के दौरान निर्मल में आयोजित एक जनसभा में एमएलसी कविता के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के लिए बंदी संजय की कड़ी निंदा करते हुए, मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा अध्यक्ष ने निचले स्तर की राजनीति को बंद कर दिया है और कहा कि वह व्यक्तिगत टिप्पणी का सहारा ले रहे हैं क्योंकि केंद्र की बीजेपी सरकार ने देश के लिए कुछ नहीं किया। निर्मल में, रेलवे लाइन, विज्ञान केंद्र और तारामंडल, बसारा मंदिर के विकास और सीआईआई के पुनरुद्धार सहित कई लंबित मांगें हैं। इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार को कई अभ्यावेदन देने के बावजूद मांगों का कभी समाधान नहीं किया गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं व टीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच विवाद

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी जिले के अदोल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं व टीआरएस कार्यकर्ताओं के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के बाद कांग्रेस नेताओं ने टीआरएस कार्यकर्ता की बाइक में आग लगा दी। पहले दिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनसे कहासुनी की और उन पर हमला कर दिया। हमले के बारे में पता चलने के बाद, क्रांति किरण के भाई राहुल के नेतृत्व में टीआरएस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और जोगीपेट पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी कर रहे हैं। इस बीच, विधायक क्रांति किरण ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इस तरह के कृत्यों का सहारा ले रही है क्योंकि उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में लोकप्रियता खो दी है।

बालिका विद्यालय को मिली स्वच्छ जल मशीन

भैंसा, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केंद्रीय कर एवं जीएसटी चिकित्सा विभाग के निर्देशन में सोमवार को भैंसा कस्बे के किसान गली स्थित सरकारी बालिका विद्यालय को जल मशीन दान की गई। इस मौके पर सहायक आयुक्त अनुराग सिंह ने कहा कि हर साल विभाग की ओर से किसी न किसी स्कूल को मशीन दान में दिए जाते हैं और अगर लड़कियां पढ़ना चाहती हैं तो पहले उन्हें स्वस्थ होना चाहिए। इस कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी पीवीबी चलम, कर सहायक नामू जाधव, चंद्रशेखर, पीआरटीयू के जिला महासचिव रमना राव, शिक्षक व अन्य शामिल हुए।

मुधोल के पूर्व विधायक भोसले नारायण राव पटेल लड़ेंगे चुनाव

भैंसा, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुधोल के पूर्व विधायक भोसले नारायण राव पटेल ने कहा कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में मुधोल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। वे सोमवार को अपने आवास पर आयोजित पत्रकार बैठकको संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने विधायक के रूप में दो बार जीत हासिल की है और मुधोल निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2014 के चुनावों में मुधोल विधायक के रूप में विठ्ठल रेड्डी की जीत के लिए कड़ी मेहनत की थी, जैसा कि कांग्रेस नेतृत्व ने सुझाव दिया था और 2018 के चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने टिकट के मुद्दे पर धोखा दिया था। यही वजह है कि मुधोल एनसीपी के उम्मीदवार के तौर पर खड़े हुए। भाजपा और कांग्रेस जैसी कुछ पार्टियों ने उन्हें अपनी पार्टियों में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह भाजपा में शामिल नहीं होंगे क्योंकि उनकी धर्मनिरपेक्ष विचारधारा है। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस पार्टी से हाथ नहीं मिलाएंगे जिसने उन्हें टिकट के मामले में धोखा दिया है। उन्होंने साफ किया कि उन्होंने एनसीपी पार्टी से इस्तीफा देकर नेतृत्व को भेजा है और वह जल्द ही निर्वाचन क्षेत्र के अनुयायियों, प्रशंसकों और कार्यकर्ताओं के साथ विशेष बैठक करेंगे और उनके सुझावों और सलाह पर विचार करेंगे और राजनीतिक भविष्य की कार्रवाई की घोषणा करेंगे। उन्होंने ऐलान किया कि वह अगला चुनाव हर हाल में लड़ेंगे।

योगी सरकार ने पेश किया 33 हजार 769 करोड़ का अनुपूरक बजट

नई योजनाओं पर खर्च होंगे 14 हजार करोड़

लखनऊ, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी विधानमंडल सत्र के पहले दिन वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 33 हजार 769.54 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। बजट में नई योजनाओं के लिए 14000 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। विधान परिषद में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। बजट में शहरों के समुचित व समग्र विकास के लिए 4000 करोड़, निजी औद्योगिक पार्कों में अवस्थापना सुविधाएं विकसित करने को 300 करोड़ रुपए आवंटित किए गए। स्टार्ट अप व इन्क्यूबेटर के लिए 100 करोड़, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन के लिए 296 करोड़ रुपए दिए गए। सबसे ज्यादा 8000 करोड़ रुपए की राशि का आवंटन औद्योगिक विकास प्राधिकरणों को निजी इंडस्ट्रियल पार्क व हब विकसित करने के लिए दिए गए हैं। प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के लिए 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके पहले, सपा नेता मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन को देश व प्रदेश की बड़ी क्षति बताया। अनुपूरक बजट पेश करने को लेकर सोमवार सुबह मुख्यमंत्री आवास पर कैबिनेट बैठक हुई। जिसमें बजट को मंजूरी दे दी गई। अनुपूरक बजट में फरवरी में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए धन का विशेष प्रबंध होगा। नगर विकास विभाग की स्वच्छ भारत मिशन, अमृत योजना, स्मार्ट सिटी व प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए राज्यांश संबंधी मांगें भी इससे ही पूरी होंगी।

पीडब्ल्यूडी ने सड़कों के लिए मांग दो हजार करोड़

पीडब्ल्यूडी ने सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए करीब 2000 करोड़ रुपये मांगे हैं। वहीं सिंचाई विभाग के कंप्यूटराइजेशन के लिए भी राशि मिलने की उम्मीद है। सरकार की घोषणा के तहत युवाओं के लिए निशुल्क टैबलेट व स्मार्ट फोन के लिए भी बजट प्रस्तावित होगा। इसके अलावा अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट व अन्य सुविधाओं के लिए भी अनुपूरक बजट के माध्यम से धन की व्यवस्था की जाएगी।

वहीं कानपुर समेत सभी मेट्रो परियोजनाओं, ग्रेटर नोएडा फिल्म सिटी, जेवर एयरपोर्ट और अन्य बड़े प्रोजेक्ट के लिए भी अतिरिक्त बजट आवंटन किया जा सकता है। स्वास्थ्य और शिक्षा की पहले से चल रहीं योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए संबंधित विभागों को अतिरिक्त बजट का कुछ हिस्सा दिया जाएगा। इसके अलावा पूर्व में पारित वित्त वर्ष 2022-23 का आम बजट 6,15,518.97 लाख करोड़ रुपये का था। अनुपूरक बजट मिलाकर यह लगभग 6 लाख 70 हजार करोड़ के आसपास का हो जाएगा, जोकि अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड होगा। आम बजट प्रस्तुत करते समय सदन में वित्त मंत्री ने कहा था कि कुल राजस्व प्राप्तियां 590951 करोड़ रुपये अनुमानित हैं।

यूपी उपचुनाव में आरोप-प्रत्यारोप

अखिलेश ने कहा-प्रशासन दे रहा बीजेपी का साथ

भाजपा बोली-सपा करा रही फर्जी वोटिंग

इटावा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और डिंपल यादव ने सैफई स्थित अभिनव विद्यालय में वोट डाला। शिवपाल सिंह यादव और पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव ने भी मतदान किया। अखिलेश यादव ने मतदान के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की। वोट डालने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने प्रशासन पर बड़ा आरोप लगाया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि मतदान शुरू होने के दिन से ही प्रशासन किसके इशारे पर काम कर रहा है, मुझे नहीं पता। उसे क्या ब्रीफिंग दी गई है? सुबह से लगातार शिकायतें आ रही हैं। पुलिस लोगों को वोट नहीं डालने दे रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि रामपुर में प्रशासन भाजपा को समर्थन कर रहा है। रामपुर में मतदाताओं पर पुलिस लाठियां बरसा रही है। कई सपा नेताओं पर लाठीचार्ज किया गया। रामपुर में ऐसी कई तस्वीरें सामने आई हैं। कई दिन से पुलिस कार्यकर्ताओं को परेशान कर रही है। लोगों को वोट नहीं डालने दिया जा रहा है।

तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। रामपुर में फोर्स मांगनी पड़ी है। चुनाव आयोग हर बात को नजरअंदाज कर रहा है। प्रशासनिक अधिकारी बात करने के लिए तैयार नहीं है। मैनपुरी प्रशासन पर भी अखिलेश यादव ने गंभीर आरोप लगाए। अखिलेश यादव ने कहा कि अब हमें 2024 की अच्छी तैयारी करनी पड़ेगी। निष्पक्ष फैसला नहीं लिया जा रहा है। विरोध करने पर केस दर्ज कराए जाते हैं। चुनाव आयोग आंखें बंद करके बैठा है। अखिलेश ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा वाले पाकिस्तान को फॉलो कर रहे हैं क्या? पुलिस वाले भाजपा के पक्ष में वोट डलवा रहे हैं।

भाजपा ने सपा पर फर्जी मतदान कराने का लगाया आरोप

उधर, प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर के नेतृत्व में भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय शुक्ला से मुलाकात की और सपा पर रामपुर व मैनपुरी मे फर्जी मतदान कराने का आरोप लगाया। भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इस संबंध में ज्ञापन भी सौंपा। भाजपा ने आरोप लगाया कि मैनपुरी लोकसभा सीट और रामपुर विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता फर्जी मतदान कर रहे हैं।

ट्रक से टकराई यात्रियों से भरी बस, दो युवकों की मौत, 23 घायल

फिरोजाबाद, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। फिरोजाबाद के शिकोहाबाद क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सोमवार की सुबह निजी बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस के अगले का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि 23 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिन घायलों की हालत गंभीर थी, उन्हें सैफई रेफर किया गया।

यात्रियों से भरी निजी बस कानपुर से दिल्ली जा रही थी। शिकोहाबाद में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के भदान पुल पर तेज रफ्तार बस की टक्कर ट्रक से हो गई। घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बाहर निकाला। हादसे में गौरव शुक्ला निवासी मनीपुर रायबरेली और एक अन्य युवक की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एके-47 मामले में तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार

समस्तीपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। वैशाली जिला के पुलिस टीम पर हमला कर एके-47 लूटे जाने के मामले में मुफस्सिल पुलिस ने मूसापुर गांव में छापेमारी कर एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मूसापुर गांव के राजू राय का पुत्र टुनटुन कुमार उर्फ भंडारी बताया गया है। मुफस्सिल थाना के प्रभारी केसी भारती ने बताया कि टुनटुन लूट के मामले में प्राथमिकी अभियुक्त है। इस मामले में पूर्व में गिरफ्तार आरोपितों ने टुनटुन का नाम लिया था।

संवाददाता सम्मेलन के दौरान डीएसपी ने जानकारी दी। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया है। गौरतलब है कि इस मामले में वैशाली डीईआईयू टीम के प्रभारी विनय प्रताप सिंह के बयान पर मुफस्सिल थाने में 8 नामजद समेत 30 40 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

'पापा ये टीवी मांग रहे हैं...नहीं तो मार देंगे'

भोजपुर में स्मार्ट टीवी के लिए पत्नी की हत्या

भोजपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भोजपुर में एक स्मार्ट टीवी के लिए पति ने पिता और भाई के साथ मिलकर पत्नी की हत्या कर दी। हत्या के बाद वो शव को एक प्लास्टिक से बांधकर छिपाने की तैयारी में थे। तभी लड़की का परिवार पहुंच गया। लड़की के पिता ने बताया कि 4 दिन पहले उसका फोन आया था। बोले रही थी पिताजी इस बार ये लोग स्मार्ट टीवी मांग रहे हैं...दे दीजिए हो जाए तो नहीं को ये मुझे मार देंगे। मैंने कुछ दिन का टाइम मांगा था।

अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के मोतीडीह गांव में एक नवविवाहिता की लाश मिली है। मायके वालों का आरोप है कि ससुराल वालों ने स्मार्ट टीवी के लिए उसने फांसी के फंदे से लटका कर मार डाला। ससुराल वाले शादी के दो महीने बाद से ही टीवी, कूलर आदि सामान की डिमांड कर रहे थे। नहीं देने पर बार-बार प्रताड़ित करते थे।

लालू यादव का सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट सफल, बेटी रोहणी ने की डोनेट

पटना, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व रेल मंत्री, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट कराने के लिए भर्ती हुए थे। लालू का किडनी ट्रांसप्लांट का ऑपरेशन सफल रहा। उनका ऑपरेशन करीब एक घंटे तक चला। जिसके बाद उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। सिंगापुर के समय अनुसार सोमवार सुबह करीब 9 बजे किडनी दे रही बेटी रोहिणी आचार्य के साथ वह प्रोसिड्योर वेटिंग रूम में पहुंच गए। प्रोसिड्योर वेटिंग रूम से रोहिणी ने सोशल मीडिया पर पिता के साथ तस्वीर शेयर कर 'Ready to rock and roll...Wish me a good luck' लिखा। इसके पहले रोहिणी ने नाती-नातिन और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के साथ वाली तस्वीरें भी शेयर की थीं और रविवार रात लालू प्रसाद के लिए लोगों से दुआ की भी अपील की थी।

लालू के चाहने वाले मांग रहे दुआएं

सोशल मीडिया पर लालू प्रसाद के समर्थकों ने पिता को किडनी दे रही बेटी रोहिणी को भी दुआएं दीं। इधर, पटना में राजद दफ्तर समेत कई प्रमुख नेताओं ने लालू और रोहिणी के सफल ऑपरेशन के साथ दोनों की जल्दी रिकवरी के लिए दुआएं मांगी। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने बताया कि सुबह जागने के बाद से सभी नेताओं समेत राजद के तमाम समर्थकों और लालू प्रसाद के चाहने वालों का ध्यान सिंगापुर पर ही है। सिंगापुर का समय भारत से करीब ढाई घंटे आगे है। यहां के हिसाब से शाम होने तक ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया पूरी हो जानी चाहिए। डॉक्टरों ने सबकुछ नियंत्रण में और अच्छा बताया है।

साधु, संत राजनीति में आने की बात न करें

निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर बोले-आफताब जैसों को फांसी से बढ़कर सजा मिले

श्रद्धा के मर्डर पर नाराजगी जताई, धर्मांतरण पर कानून की मांग

कानपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि ने श्रद्धा मर्डर केस को लेकर खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की बातचीत में उन्होंने कहा कि श्रद्धा के 35 टुकड़े कर देना, उसके वहीं टुकड़े करना और भोजन करना ये बेहद घिनौना अपराध है। कोई भी धर्म इस तरह के कार्य करने की इजाजत नहीं देता है। आफताब जैसों को फांसी से भी क्रूर सजा देनी चाहिए। उसको बहुत बड़ी सजा भी बहुत छोटी होगी।

कैलाशानंद महाराज ने गीता जयंती के मौके पर आयोजित गीता पाठ करने के लिए कानपुर पहुंचे थे। उन्होंने साधु-संतों को लेकर भी बड़ी बात कही। कहा कि साधु-संतों को राजनीति में आने की भी बात नहीं करनी चाहिए। साधुओं के स्वभाव का त्याग न करें। धर्म की राजनीति करने वालों को ही अपना आशीर्वाद और सपोर्ट देना चाहिए। देश में धर्मांतरण के मामलों में बेहद सख्त कानून बनना चाहिए। कुछ धर्मों के लोग साजिशन सनातनी भाई-बहनों का धर्म परिवर्तन करते हैं, जो बेहद गलत है। इस पर पूरी तरह लगाम लग सके, इसके लिए योगी और मोदी को मिलकर जल्द सख्त कानून लाना चाहिए।

मंदिरों में पुजारियों को मिले भत्ता

कैलाशानंद सरस्वती ने मांग की कि देश में और यूपी में मंदिरों के पुजारियों को भी सरकार की तरफ से भत्ता दिया जाना चाहिए। अब वक्त आ गया है कि सरकार इस पर फैसला ले।

छोटे-छोटे मंदिरों के पुजारियों को अपना जीवन यापन करने के लिए बेहद कष्टों का सामना करना पड़ता है। अब वक्त आ गया है कि योगी सरकार को इस पर फैसला लेना चाहिए।

आज धर्म को बल मिल रहा है

यूपी अपराधियों का गढ़ था, आज यूपी में धर्म का प्रचार-प्रसार तेजी से बढ़ रहा है। धर्म को बल मिल रहा है। भय पूरी तरह खत्म हो चुका है। अपराध के कारण जो लोग डरते थे आज वह अपराध से मुक्त होकर धर्मयुक्त होते जा रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा पर चलेगा मुकदमा

लखीमपुर खीरी केस से नाम हटाने की अपील खारिज

लखीमपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में कथित रूप से किसानों को कुचलने के आरोप में मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। एक कोर्ट ने सोमवार को केस से नाम हटाने की उनकी अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि आरोप मंगलवार को तय किए जाएंगे। घटना इस साल फरवरी में हुई थी जिसमें 4 किसानों की मौत हो गई थी।

छत्तीसगढ़ के अस्पताल में बिजली गुल होने से 4 शिशुओं की मौत

अंबिकापुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू वार्ड में 4 घंटे तक बिजली गुल रहने से 4 शिशुओं की मौत हो गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रविवार रात ये घटना हुई। राज्य स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य सचिव को जांच के लिए कमेटी बनाने के निर्देश दिए हैं। घटना की जानकारी के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं परिजनों का कहना है कि अस्पताल की लापरवाही के कारण बच्चों की जान गई है।

कैमूर के धर्मेंद्र सिंह ने सिर से फोड़े 21 बेल

1 मिनट में ही किया यह हैरतअंगेज काम, बना दिया वर्ल्ड रिकार्ड भी

कैमूर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। अभी तक आपने किसी भी व्यक्ति द्वारा एक या दो विश्व रिकॉर्ड बनाने के बारे सुना होगा या जानते होंगे। लेकिन हमारे देश के एक जवान ने एक, दो नहीं, बल्कि खतरनाक स्टंट गेम में 7 विश्व रिकॉर्ड बना दिए हैं। 6 विश्व रिकॉर्ड उनके नाम पहले से दर्ज थे। रविवार को 7वां वर्ल्ड रिकॉर्ड त्रिपुरा की राजधानी अगरतल्ला में बनाया। नेताजी वर्ल्ड रिकॉर्ड फाउंडेशन द्वारा ऑनलाइन आयोजित सिर से कच्चे बेल फोड़ने के गेम में इन्होंने एक मिनट में सिर से 21 कच्चे बेल फोड़े। इस प्रतियोगिता के दौरान 32 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी को पछाड़ कर उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाया। अब इनके नाम पर 7 वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज हो गए हैं। इस प्रतियोगीता में 32 देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। दूसरे नंबर पर चीन के खिलाड़ी रहे। उसने 17 बेल फोड़े। तीसरे नंबर पर रहे पाकिस्तान के खिलाड़ी ने 15 बेल फोड़े।

हैमर हेडमैन की उपाधि से किया गया सम्मानित

इस जवान का नाम धर्मेंद्र सिंह है। ये कैमूर के रामगढ़ के निवासी हैं। वर्तमान में त्रिपुरा स्टेट राइफल्स में जवान हैं। हैरतगेंज कारनामों से अपना नाम गिनीज बुक में दर्ज करा चुके हैं। इन्हें इंडिया के हैमर हेडमैन की उपाधि से सम्मानित किया गया है। सिर से नारियल तोड़ने, कच्चे बेल तोड़ने, दांत से सरिया मोड़ने, सिर से सरिया मोड़ने, स्किपिंग, बैक साइड से सरिया मोड़ने आदि 7 वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज हैं। इसमें चार गिनीज बुक में भी दर्ज हैं। एक और रिकॉर्ड में धर्मेंद्र का नाम दर्ज होते ही त्रिपुरा स्टेट राइफल्स के अधिकारियों ने हैमर हेडमैन धर्मेंद्र सिंह को बधाई देते हुए गर्व जताया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजनीतिक दलों से पूछा

जातीय रैलियों पर क्यों न लगा दी जाए पूर्ण पाबंदी

प्रयागराज, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश के चार प्रमुख राजनीतिक दलों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है कि राज्य में जाति आधारित रैलियों पर हमेशा के लिए पूर्ण प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए और उल्लंघन के मामले में चुनाव आयोग को उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं करनी चाहिए। नौ साल पहले पारित अपने अंतरिम आदेश पर कोई कार्रवाई नहीं होने के बाद अदालत ने नए नोटिस जारी किए।

मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की पीठ ने वकील मोतीलाल यादव द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर आदेश पारित किया, जिसमें उत्तर प्रदेश में जाति आधारित रैलियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। बेंच ने अपने आदेश में सुनवाई की अगली तारीख 15 दिसंबर तय करते हुए इस मुद्दे पर जवाब देने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त को नोटिस भी जारी किया है। इसी जनहित याचिका पर 11 जुलाई 2013 को सुनवाई करते हुए पीठ ने राज्य में जाति आधारित रैलियों के आयोजन पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हालांकि, नौ साल बाद भी न तो चारों पक्षों में से किसी ने और न ही सीईसी के कार्यालय ने उन्हें जारी किए गए उच्च न्यायालय के नोटिसों पर अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत की। इस पर चिंता व्यक्त करते हुए पीठ ने राजनीतिक दलों और मुख्य चुनाव आयुक्त को 15 दिसंबर तक अपना जवाब दाखिल करने के लिए नए नोटिस जारी किए हैं।

सीएस पर भड़के सीएम, इतनी देर से फोन उठा रहे हैं

बोले-बगल में बैठे हैं, फिर भी; जनता दरबार में आमिर सुबहानी की लगाई क्लास

पटना, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार आज जनता दरबार में लोगों की समस्याएं को सुन रहे थे। इसी बीच भागलपुर जिले से आए एक फरियादी ने कहा कि मेरी जमीन पर कब्जा कर लिया गया साथ ही मुझे जान से मारने की धमकी भी दी जाती है। बस इतना सुनते ही सीएम नीतीश कुमार ने गृह विभाग के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी को फोन लगा दिया लेकिन उनके तरफ से फोन उठाने में देरी हुई। बस फिर क्या था इतना ही देखते सीएम नीतीश कुमार आमिर सुबहानी पर भड़क गए और उनकी क्लास लगा दी।

सीएम ने कहा कि क्या बात है ? बड़ा देर से फोन उठा रहे हैं यही सामने बगल में बैठे हैं और इतना देर से फोन उठा रहे हैं। इसके बाद सीएम ने कहा कि देख लीजिए भागलपुर से एक शख्स आए हैं, उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया गया है और वह लगातार इससे परेशान हैं देखकर इनकी समस्या का समाधान जल्द से जल्द करिए। ने कहा कि एक सिपाही द्वारा मेरी जमीन को कब्जा कर लिया गया है। इस पर सीएम नीतीश कुमार ने तुरंत एक्शन लेते हुए राजस्व विभाग के अधिकारी को फोन लगाकर कहा कि देख लीजिए सिपाही नहीं जमीन को कब्जा कर लिया है इस पर तुरंत एक्शन लीजिए। गोपालगंज से आए एक दूसरे फरियादी ने कहा कि उसके जमीन को ब्रोकर द्वारा हड़प लिया गया और उसके पिता की हत्या कर दी गई। आगे उसने कहा कि वह ब्रोकर अभी भी खुलेआम घूम रहा है और लगातार मुझे धमकी दे रहा है कि जो आपके पिताजी के साथ हुआ है। वह आपके साथ भी होगा इससे अच्छा आप इस केस को वापस ले लीजिए।

आगे उसने कहा कि 6:00 बजे के बाद घर से निकलना मुश्किल हो गया। इस पर सीएम नीतीश कुमार ने तुरंत एक्शन लेते हुए अफसर को फोन लगाया और उन्होंने कहा कि गोपालगंज से एक युवक आया इसे लगातार धमकी मिल रही है, जरा इसको देख लीजिए।

प्रार्थना में खड़े टीचर की मौत

बरेली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। 'सर, मुझे सीने में तेज दर्द हो रहा है। मेरी आंखों के आगे अंधेरा छा रहा है।' ये आखिरी शब्द हैं, एक 25 साल के टीचर के। जिन्होंने बरेली के प्राइवेट स्कूल में प्रार्थना के दौरान दम तोड़ दिया। उन्हें स्टाफ और स्टूडेंट मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। मगर उनकी सांस थम चुकी थी। इतनी कम उम्र पर यूं टीचर की मौत ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। ये पूरा वाकया शाही कस्बे का है। यहां जेके स्कूल एकेडमी में गोविंद देवल पढ़ाते थे। वो शनिवार को अपने घर से स्कूल ड्यूटी पर गए थे। स्कूल में प्रार्थना हो रही थी। वो वहीं पर खड़े थे। प्रार्थना खत्म होने से पहले उन्होंने अपना सीना पकड़ लिया। पास खड़े दूसरे टीचर ने पूछा, तो सिर्फ इतना बोले मैं खड़ा नहीं हो पाऊंगा। सीने में तेज दर्द है।

अब वेस्ट यूपी में 'भारत जोड़ो यात्रा'

14 दिन का शेड्यूल जारी, गौतमबुद्धनगर से शुरू होकर यात्रा रामपुर तक जाएगी

गाजियाबाद, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर से कन्याकुमारी तक निकल रही 'भारत जोड़ो यात्रा' की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस जनपदवार ऐसी यात्राएं निकालेगी। पूर्वांचल के बाद उप्र कांग्रेस कमेटी ने रविवार देर शाम पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यात्रा का शेड्यूल जारी कर दिया। पश्चिमी यूपी में ये यात्रा 9 दिसंबर को नोएडा से शुरू होगी और 21 जिलों में रात्रि प्रवास करते हुए 22 दिसंबर को रामपुर में पहुंचकर संपन्न होगी। पश्चिम में इसका नेतृत्व पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष नसीमुद्दीन सिद्दीकी करेंगे।

मेरठ से चलकर गाजियाबाद में यात्रा 12 दिसंबर की रात्रि पहुंचकर प्रवास करेगी। 13 दिसंबर को गाजियाबाद जिले में भारत जोड़ो यात्रा निकाली जाएगी और उसी शाम को ये यात्रा बागपत जिले की सीमा में पहुंचकर रात्रि प्रवास करेगी। उप्र कांग्रेस कमेटी के प्रशासन प्रभारी दिनेश कुमार सिंह ने कहा, राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा जनवरी-2023 के पहले हफ्ते में यूपी में प्रवेश करेगी। इसका प्रचार-प्रसार करने के लिए सभी प्रांतीय अध्यक्ष अपने-अपने प्रभारी जिलों में ऐसी यात्रा निकालेंगे। इसमें राहुल गांधी शामिल नहीं होंगे। शेड्यूल के मुताबिक, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 24 दिसंबर को दिल्ली के रास्ते उत्तर प्रदेश में एंट्री करेगी। ये यात्रा गाजियाबाद या नोएडा के रास्ते यूपी में आएगी। सूत्रों ने बताया कि मथुरा से सहारनपुर तक करीब 16 दिन का रूट उप्र कांग्रेस कमेटी ने तय किया है। यूपी कांग्रेस चाहती है कि राहुल गांधी यूपी में ज्यादा से ज्यादा दिन इस यात्रा के दौरान रहें, ताकि माहौल बन सके। हालांकि इस रूट और यात्रा के दिनों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। भारत जोड़ो यात्रा की वेबसाइट के अनुसार, 24 दिसंबर को ये यात्रा यूपी में बुलंदशहर जिले के नजदीक पहुंचेगी।

हरियाणा में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें

पीएम मोदी ने सीएम से पूछा- क्या वह खुश हैं?; इसे माना जा रहा मुख्यमंत्री बदलने का संकेत

चंडीगढ़, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में इन दिनों नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें जोर पकड़ रही है। हाल में पीएम नरेंद्र मोदी की सीएम मनोहर लाल से हुई मुलाकात के बाद इसके संकेत मिले हैं। सूत्रों की मानें तो इस मुलाकात के दौरान पीएम ने सीएम से सिर्फ इतना पूछा कि 'क्या वह खुश हैं?'। प्रदेश में सीएम चेहरा बदलने के पीछे की एक वजह हरियाणा में हाल ही में हुए जिला परिषद चुनाव के रिजल्ट में बीजेपी का खराब प्रदर्शन भी माना जा रहा है। वर्ष 2024 में लोकसभा के चुनाव होने हैं और उसके लगभग 6 महीने बाद हरियाणा में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में बीजेपी हरियाणा में भी कई दूसरे राज्यों की तरह चेहरा बदल सकती है। हरियाणा में बीजेपी सरकार का यह दूसरा कार्यकाल है।

ऐसे मिले संकेत

सीएम मनोहर लाल खट्टर के पुराने साथी रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हाल में उनकी मुलाकात हुई। इसी मुलाकात के दौरान मोदी ने मनोहर लाल से पूछा कि क्या वह खुश हैं? इस मुलाकात में खट्टर ने पीएम से कहा कि उन्हें इतना जबरदस्त अवसर देने के लिए वह हमेशा उनके आभारी रहेंगे। खट्टर मोदी को अच्छी तरह जानते हैं और इसी वजह से उन्हें लगता है कि मोदी ने उन्हें गूढ़ तरीके से संकेत दे दिया है कि पार्टी नेतृत्व जल्द ही राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की ओर जा सकता है।

खट्टर और आरएसएस प्रचारकों की मीटिंग

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आरएसएस के प्रचारक रह चुके हरियाणा के सीएम मनोहर लाल ने पिछले महीने संघ के कई पदाधिकारियों को चाय पर अपने घर बुलाया था। इस मुलाकात के दौरान उनके मित्र रहे एक प्रचारक ने कहा कि वह बतौर सीएम 8 साल का कार्यकाल पूरा करने जा रहे हैं और हरियाणा के तीन दिग्गज लाल यानी चौधरी भजन लाल, चौधरी बंसी लाल और चौधरी देवी लाल का रिकॉर्ड तोड़ने जा रहे हैं। इस पर सीएम ने इसे नकारते हुए कहा कि उनका ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है। यह भी हो सकता है कि उन्हें सीएम की कुर्सी ही छोड़नी पड़ जाए। हालांकि औपचारिक तौर पर सीएम ने इस पर कुछ नहीं कहा।

हरियाणा बीजेपी में सबकुछ ठीक नहीं

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व को यह आभास हो गया है कि उसकी हरियाणा इकाई में सबकुछ ठीक नहीं है। इसकी पुष्टि हाल ही में हुए जिला परिषद चुनाव के नतीजों से भी हो गई। इन चुनाव में बीजेपी का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। बीजेपी सिर्फ 7 जिलों में पार्टी सिंबल पर ये चुनाव लड़ने की हिम्मत दिखा पाई। बीजेपी को पार्टी सिंबल पर सिर्फ 22 सीटों पर जीत मिली। हालांकि पार्टी को यह प्रदेश नेतृत्व दावा कर रहा है कि वह राज्यों के सभी जिलों में जिला परिषदों का चेयरमैन पद हासिल कर लेगी।

मंत्रियों की परफार्मेंस भी उम्मीद मुताबिक नहीं

हरियाणा में मंत्रियों की पुअर परफार्मेंस भी नेतृत्व परिवर्तन की ताजा अटकलों की वजह में शामिल है। मनोहर कैबिनेट में कई मंत्री ऐसे हैं जिनकी हाल में बनाई गई रिपोर्ट में परफार्मेंस पुअर आई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार इन मंत्रियों के कारण पूरी सरकार की छवि खराब हो रही है। इसको लेकर भी सीएम मनोहर के नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं

भारत में इंटरनेट उपयोग में महिलाएं काफी पीछे

किस राज्य में सबसे अधिक यूजर और कौन फिसड्डी?

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। एनजीओ ऑक्सफैम इंडिया द्वारा किए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि भारत में इंटरनेट उपयोग करने में महिलाएं अभी भी काफी पीछे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में इंटरनेट उपयोग करने वाली महिलाएं केवल एक तिहाई हैं। एनजीओ द्वारा रविवार को जारी 'इंडिया इनइक्वलिटी रिपोर्ट 2022: डिजिटल डिवाइड' के अनुसार, भारतीय महिलाओं के पास मोबाइल फोन होने की संभावना 15 फीसदी कम है और पुरुषों की तुलना में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का उपयोग करने की संभावना 33 फीसदी कम है।

भारत 40.4 फीसदी के व्यापक लिंग अंतर के साथ सबसे खराब स्थिति में

अध्ययन में कहा गया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में, भारत 40.4 फीसदी के व्यापक लिंग अंतर के साथ सबसे खराब स्थिति में है। रिपोर्ट ग्रामीण-शहरी डिजिटल विभाजन की ओर भी इशारा करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक वर्ष में 13 फीसदी की महत्वपूर्ण (डिजिटल) वृद्धि दर दर्ज करने के बावजूद, केवल 31 फीसदी ग्रामीण आबादी अपने शहरी समकक्षों के 67 फीसदी की तुलना में इंटरनेट का उपयोग करती है। रिपोर्ट जनवरी 2018 से दिसंबर 2021 तक आयोजित सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के घरेलू सर्वेक्षण के प्राथमिक आंकड़ों का विश्लेषण करती है।

महाराष्ट्र में इंटरनेट की पहुंच सबसे अधिक तो बिहार फिसड्डी

रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्यों में, महाराष्ट्र में इंटरनेट की पहुंच सबसे अधिक है, इसके बाद गोवा और केरल का स्थान है, जबकि बिहार में सबसे कम, इसके बाद छत्तीसगढ़ और झारखंड का स्थान है। एनएसएस (2017-18) के अनुसार, किसी भी पाठ्यक्रम में नामांकित छात्रों में से केवल नौ फीसदी के पास इंटरनेट के साथ कंप्यूटर तक पहुंच थी और नामांकित छात्रों में से 25 प्रतिशत के पास किसी भी तरह के उपकरणों के माध्यम से इंटरनेट तक पहुंच थी।

बोलेरो वाहन दुर्घटनाग्रस्त, हादसे में दो सवारियों की मौत, तीन घायल

चमोली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। चमोली जिले के गोपेश्वर में घिंघराण सड़क पर बोलेरो वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में दो सवारियों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हुए हैं। रविवार को देर रात पुलिस को घटना की सूचना मिली। मिली जानकारी के अनुसार वाहन में पांच लोग सवार थे। जिसमें से रोहित पुत्र पान सिंह (32) निवासी नेल कुड़ाव की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य चार घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय गोपेश्वर लाया गया। हायर सेंटर ले जाते वक्त एक गंभीर घायल संतोष पुत्र विजय सिंह (32) निवासी नेल कुड़ाव ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

प्यार प्यार करते करते तुम पे मरते-मरते

महाकाल मंदिर में नाचीं महिला गार्ड्स, वीडियो हो गया वायरल

उज्जैन, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल मंदिर में फिर भक्त अपनी सीमा पार कर गए. लेकिन इस बार ये हदें मंदिर की ही सुरक्षा कर्मियों ने पार कीं. फिल्मी गाने पर वो मस्ती में मटकीं-थिरकीं और अपना वीडियो बनाया. महाकाल मंदिर के विश्रामधाम कैम्पस में सुरक्षाकर्मी वर्षा नवरंग और पूनम सेन फिल्मी सॉन्ग्स पर डांस करती दिखाई दे रही हैं. वीडियो सामने आते ही मंदिर प्रशासन हरकत में आया और मंदिर की शांति और मर्यादा भंग करने वाले दोनों महिला सुरक्षाकर्मियों को तत्काल निकाल बाहर कर दिया गया. महाकाल मंदिर में एक बार फिर फिल्मी गीत पर नाच गाना हुआ. इस बार ये काम किसी श्रद्धालु ने नहीं, मंदिर की सुरक्षाकर्मियों ने ही किया है. वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसी ने दोनों महिला कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है. मंदिर में तैनात सुरक्षा कर्मचारियों के एंड्रॉयड मोबाइल रखने पर भी बैन लगा दिया गया है.

मंदिर में बार बार फूहड़ता

महाकाल मंदिर में इस तरह की फूहड़ता का ये पहला किस्सा नहीं है. इससे पहले भी कई बार मंदिर की मान-प्रतिष्ठा और शांति में खलल डाला गया. महाकाल मंदिर में इस तरह के वीडियो कई बार बनाए गए. लेकिन यह पहला मामला है जब सुरक्षाकर्मियों ने ही यहां के प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर दिया हो.

नाची गायीं और वीडियो बनाया

इससे पहले मंदिर में फिल्मी गीतों पर वीडियो शूट की ऐसी ही पांच घटनाएं हुई थीं. तब हर बार मंदिर प्रशासन ने कार्रवाई के लिए पुलिस में शिकायत की थी. लेकिन इस बार उसके सुरक्षा स्टाफ ने ही नियम तोड़ दिया. मंदिर की सुरक्षा का जिम्मा केएसएस कंपनी का है. दोनों महिला गार्ड उसी कंपनी की हैं. दोनों ने अपने अपने दो वीडियो बनाए. महाकाल मंदिर के विश्रामधाम कैम्पस में सुरक्षाकर्मी वर्षा नवरंग और पूनम सेन फिल्मी सॉन्ग्स पर डांस करती दिखाई दे रही हैं. सिर्फ इतना ही नहीं दोनों ने अपना वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया. यहां पहुंचते ही वीडियो सबके सामने आ गया. मंदिर प्रशासन ने फौरन इसकी जानकारी सुरक्षा एजेंसी केएसएस को दी. इस पर एजेंसी ने दोनों कर्मचारियों को हटा दिया है. श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंदिर और महाकाल लोक में सुरक्षा एजेंसी के 390 कर्मचारी तैनात हैं. मंदिर परिसर में तीन शिफ्ट में करीब 75 महिला और पुरुष कर्मचारी तैनात रहते हैं

अंबाला में कहासुनी के बाद युवती लापता

दादी और चाचा-चाची से झगड़ा हुआ; रात 8 बजे निकली, मोबाइल भी स्विच ऑफ

अंबाला, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में घर पर कहासुनी होने के बाद 23 वर्षीय युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजन युवती की तलाश में जुटे हैं, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा है। पंजोखरा थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रंगियां मंडी नन्हेड़ा रोड निवासी शुभम ने बताया कि 3 दिसंबर की रात को उसकी छोटी बहन शेफाली का दादी और चाचा-चाची के साथ झगड़ा हो गया था। इसी से खफा होकर उसकी बहन रात करीब 8 बजे घर से लापता हो गई।

2 दिन से खाना-पीना छोड़ तलाश में जुटे

शुभम ने बताया कि वे पिछले 2 दिन से खाना-पीना छोड़ तलाश में जुटे हैं। ढूंढने में दिन-रात एक की हुई है, लेकिन उसकी बहन का कहीं कोई सुराग नहीं लगा है। उन्होंने पुलिस को गुमशुदगी की रिपोर्ट सौंपी है।

बंद आ रहा मोबाइल नंबर

शुभम ने बताया कि उसी दिन से उसकी बहन का मोबाइल भी बंद आ रहा है। उन्हें नहीं पता कि उसकी बहन सुरक्षित है भी या नहीं। उधर, पंजोखरा थाना पुलिस ने भी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने युवती का मोबाइल नंबर ट्रेसिंग पर लगाया हुआ है।

एमपी में सुरक्षित नहीं लाडली

घर के अंदर घुसकर बच्ची से छेड़छाड़

ग्वालियर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में बेटियां अब के बाहर तो क्या घर के अंदर भी सुरक्षित नहीं है, मनचलों के हौसले इस कदर बुलंद है कि वे बेखौफ घर में घुसकर बेटियों से अश्लील हरकत करने से बाज नहीं आ रहे हैं। हाल ही में ग्वालियर से छेड़छाड़ का एक डराने वाला वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर किसी भी बेटी के माता-पिता डर जाएंगे। ताजा मामला प्रदेश के ग्वालियर का है। यहां एक बच्ची से छेड़छाड़ का हैरान करने वाला वीडियो सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में बच्ची घर के सामने सड़क पर अपनी सहेली के साथ बैडमिंटन खेलती नजर आ रही है। इसी दौरान एक स्कूटी सवार युवक वहां पहुंचता है। युवक के चेहरे पर रुमाल बंधा है जिसके चलते उसका चेहरा साफ नजर नहीं आ रहा है। स्कूटी सवार बीच सड़क पर घर के बाहर गाड़ी खड़ी करता है, फिर कुछ समय बाद गाड़ी से उतरकर गेट से अंदर जाकर घर में झांकता है। उसके पीछे-पीछे सड़क से बच्ची घर में दाखिल होती है। इसी दौरान मनचला बच्ची को गलत इरादे से बुरी तरह से पकड़ता है और फिर बच्ची की चीख सुनकर वहां से भाग जाता है। मनचले की पूरी हरकत सीसीटीवी में कैद हो गई है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। बताया जा रहा है कि शहर के थाना गोला का मंदिर पर स्थित महावीर कॉलोनी में बनी टी एंड डी रेजिडेंस में दो नाबालिक बच्चियां बाहर शाम के वक्त बैडमिंटन खेल रही थी और सभी घरवाले मकान के अंदर थे। उसी दौरान एक सिरफिरा बदमाश एक्टिवा से अपने मुंह को ढंककर उनके पास आया और बगल में एक्टिवा को खड़ा कर बच्चियों से पता पूछने लगा और उसके बाद वह सीधे घर के अंदर आया। जब उसने देखा कि वहां पर कोई नहीं है तो उस सिरफिरे ने गलत इरादे से बच्ची को पकड़ लिया। जब इस युवक ने एक बच्ची को पकड़ा तो दोनों बच्चियां चिल्लाने लगी और उसके बाद यह युवक अपनी एक्टिवा को चालू कर मौके से फरार हो गया। इस युवक की करतूत सीसीटीवी में कैद हो गई है इस मामले में परिजनों ने पुलिस से शिकायत की है पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर आरोपी की तलाश में जुट गई है। सीसीटीवी वीडियो में यह सिरफिरा बदमाश इन लड़कियों के साथ छेड़छाड़ करते हुए दिख रहा है। बताया जा रहा है कि मुंह पर कपड़ा बांधकर आया यह बदमाश मंशा के साथ यहां पर आया था। फिलहाल बच्चियों के परिजन समझ पा रहे है कि बच्ची पर झपट्टा मारने वाले की मंशा क्या थी। वह छोड़छाड़ के लिए आया था या अपहरण का प्रयास कर रहा था। फिलहाल गोला का मंदिर थाना प्रभारी धर्मेंद्र यादव का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी वीडियो के माध्यम से आरोपी की तलाश की जा रही है।

अंबाला में नहीं बनाया ट्रांसजेंडर सर्टिफिकेट:लतिका बोली-टालमटोल कर रहे अधिकारी; कोर्ट का करेंगी रुख

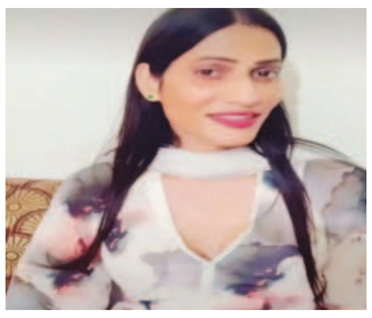

अंबाला, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला में ट्रांसजेंडर सर्टिफिकेट बनवाने के लिए किन्नरों को भटकना पड़ रहा है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के समक्ष गुहार लगाने के बावजूद ट्रांसजेंडर सर्टिफिकेट जारी नहीं किए जा रहे। अंबाला सिटी की ट्रांसजेंडर लतिका का कहना है कि उन्होंने खुद का सर्टिफिकेट जारी कराने के लिए धक्के खाने पड़ रहे हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से भी मुलाकात की है। वह अपना मेडिकल कराने को तैयार है, लेकिन बावजूद अधिकारी टालमटोल कर रहे हैं। लतिका ने बताया कि 26 नवंबर, 2019 को ट्रांसजेंडर एक्ट पारित किया गया था। यह एक्ट व्यक्ति को अपने जेंडर की पहचान स्वयं करने की अनुमति देता है। एक्ट में ट्रांसजेंडर की आइडेंटिफिकेशन का प्रावधान है। यही नहीं, ट्रांसजेंडर को उनके अधिकार दिए गए हैं। लतिका ने कहा कि अगर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग उसका सर्टिफिकेट जारी नहीं करता तो वह कोर्ट का रुख करेंगी।

लतिका ने कहा कि वर्ष 2014 में सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात को मान्यता दी थी कि ट्रांसजेंडर लोगों को अपने जेंडर को पुरुष, स्त्री या थर्ड जेंडर के रूप में खुद पहचानने का अधिकार है। कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश भी दिया था कि वे ट्रांसजेंडर को कानूनी रूप से मान्यता दें, उनके खिलाफ सामाजिक लांछन और भेदभाव को खत्म करें और उनके लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाएं। वहीं, ट्रांसजेंडर लतिका ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में अर्जी दायर की है, जिसमें हरियाणा में ट्रांसजेंडर्स वेलफेयर बोर्ड के गठन करने की मांग की है। लतिका ने कहा कि प्रदेश में अभी तक कोई ट्रांसजेंडर्स वेलफेयर बोर्ड नहीं है। ट्रांसजेंडर्स भीख मांगने को मजबूर हैं। इसलिए उनके हितों को देखते हुए बोर्ड का गठन किया जाए।

फारूक अब्दुल्ला फिर बने नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष, क्या बोले उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। सांसद एवं जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला एक बार फिर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष बन गए हैं। अध्यक्ष पद के लिए किसी भी अन्य उम्मीदवार के नामांकन दाखिल नहीं किया था। ऐसे में आज पार्टी के प्रतिनिधियों ने ध्वनि मत से डॉ. फारूक अब्दुल्ला को फिर से पार्टी अध्यक्ष चुना। इसके लिए पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला एवं पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सांसद फारूक को बधाई दी है। जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री शेख मोहम्मद अब्दुल्ला के 117वीं जयंती के अवसर पर पार्टी ने 5 साल बाद चुनाव कराया। पिछला पार्टी चुनाव 2017 में हुआ था, लेकिन तब कोविड-19 के कारण अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं हो सका था। इस बार अध्यक्ष पद के लिए डॉ फारूक अब्दुल्ला के अलावा किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। ऐसे में पार्टी के प्रतिनिधियों ने ध्वनि मत से उन्हें अध्यक्ष चुना। पार्टी के अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 16 नवंबर 2022 को शुरू हुई थी। नामांकन दर्ज कराने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर थी। कश्मीर के 183, जम्मू के 396 और लद्दाख 45 प्रतिनिधियों ने डॉ फारूक अब्दुल्ला को फिर से अध्यक्ष बनाए जाने का समर्थन किया। इस तरह सर्वसम्मति से वह पार्टी अध्यक्ष चुने गए हैं। उमर अब्दुल्ला ने डॉ. फारूक को फिर से अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी है। उन्होंने कहा, 'फारूक साहब ने हम सबको झटका दे दिया था जब एक मीटिंग के दौरान उन्होंने अध्यक्ष पद छोड़ने की घोषणा की थी, लेकिन पार्टी उन्हें पार्टी नेतृत्व छोड़ने की अनुमति नहीं दे सकती है। मैंने उन्हें इस पद को स्वीकार करने के लिए राजी किया, अन्यथा पार्टी अध्यक्ष नहीं होगा। और हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि अब आपके दोबारा चुने जाने के बाद हम आपके मिशन को आगे बढ़ाएंगे।'

प्रेमी संग फरार चार बच्चों की मां

मंगलौर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। बेटी की शादी के लिए रखे जेवर और एक लाख रुपये लेकर चार बच्चों की मां प्रेमी संग फरार हो गई। 10 दिन बाद उसकी बेटी की शादी होनी थी। महिला के परिजनों ने पुलिस में तहरीर दी है। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला के पति की एक वर्ष पूर्व मृत्यु हो गई थी। महिला की तीन बेटियां और एक बेटा है। महिला की बड़ी बेटी की शादी 14 दिसंबर को होनी है। लड़की की शादी के लिए घर में सोने, चांदी के जेवर और एक लाख रुपये रखे हुए थे। घर में रखे रुपये और जेवर लेकर महिला शनिवार रात प्रेमी के साथ फरार हो गई। रातभर महिला के घर नहीं आने पर परिजनों ने तलाश की। महिला के नहीं मिलने के बाद रविवार को पुलिस में तहरीर दी गई। पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन कर रही है। कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि महिला की तलाश की जा रही है।

नहीं भरे केवाईसी फार्म

हिमाचल में 2.75 लाख किसानों की अटकी सम्मान निधि

शिमला, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। केवाईसी (नो योर कस्टमर) फार्म न भरने पर हिमाचल प्रदेश के 2.75 लाख किसानों की सम्मान निधि अटक गई है। केंद्र सरकार ने इन किसानों और बागवानों के खातों में 12वीं किस्त जारी नहीं की है। इन्हें फार्म भरने के लिए 15 दिसंबर तक की मोहलत दी गई है। फार्म भरने के बाद ही बैंकों को इन किसानों का पैसा जारी किया जाएगा। प्रदेश में नौ लाख किसानों-बागवानों को इस योजना का लाभ मिल रहा है। कृषि भूमि संबंधी जानकारी अभी तक सिर्फ 73 फीसदी किसानों ने ही दी है। राज्य सरकार ने सभी जिला उपायुक्तों को पत्र जारी किया है। पत्र में कहा है कि प्रधानमंत्री सम्मान निधि योजना के तहत 2 दिसंबर 2022 को किसान सम्मान निधि की 2,000-2,000 रुपये की 12वीं किस्त उन किसानों की रोक दी गई है, जिन्होंने केवाईसी और लैंड सीडिंग की औपचारिकता पूरी नहीं की है। यह औपचारिकता 15 दिसंबर तक पूरी करने का समय दिया गया है। औपचारिकता तय समय के भीतर पूरी नहीं की गई तो किसान 12वीं किस्त से वंचित रह जाएंगे। किसान इस औपचारिकता को ऑनलाइन भी पूरी कर सकते हैं या फिर संबंधित तहसीलदार के पास जाकर दस्तावेज जमा करवा सकते हैं। लैंड सीडिंग कॉलम के लिए, जरूरी जानकारी में भूमि संबंधित जानकारी और दस्तावेज जमा करने होंगे। लैंड सीडिंग कॉलम की जानकारी देने के बाद कॉलम में येस करना अनिवार्य किया गया है।

एमपी में बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामले

इंदौर में दूध बांट रहे, कटनी में पूजा कर रहे शख्स की मौत

इंदौर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में इन दिनों हार्ट अटैक से मौत के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में 2 दिसंबर को जबलपुर में एक मेट्रो बस चालक को चलती बस में दिल का दौरा पड़ा और उसकी मौत हो गई, अब ऐसे ही दो हार्ट अटैक के मामले इंदौर और कटनी शहर में सामने आये हैं। अचानक आ रहे हार्ट अटैक की खबरों से लोग दहशत में हैं। इंदौर में सोमवार सुबह एक युवक की दूध बांटते-बांटते मौत हो गई। द्वारकाधीश कालोनी में रहने वाले नीरज पुरोहित रोज की तरह सुबह दूध बांटने निकले थे। नीलकंठ कालोनी में वह पहुंचे और बंदी बांट रहे थे, तभी उनके सीने में तेज दर्द उठा। वह कुछ समझ नहीं पाए। कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। लोगों ने फोन कर परिजनों को इसकी सूचना दी। नीरज नीलकंठ कालोनी में सुबह पहुंचे थे। तभी उनको सीने में दर्द उठा और बाइक का बैलेंस भी बिगड़ गया। नीरज बाइक सहित सड़क पर गिर पड़े। लोगों को लगा कि सड़क हादसा हुआ। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए। वहां डाक्टरों ने बताया कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई। नीरज की उम्र 40 साल थी। उनके दोस्तों ने बताया कि नीरज काफी फिट थे और कोई बीमारी भी नहीं था। कटनी में हार्ट अटैक का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स को साईंबाबा की पूजा करने के दौरान हार्ट अटैक आया और मंदिर में ही उसकी मौत हो गई।

राम रहीम को उपलब्ध करवाए जाएं बेअदबी केस से जुड़े दस्तावेज, हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को दिया आदेश

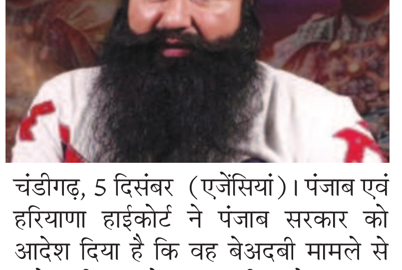

चंडीगढ़, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को आदेश दिया है कि वह बेअदबी मामले से जुड़े सभी दस्तावेज राम रहीम को उपलब्ध करवाए। हाईकोर्ट ने यह आदेश डेरा मुखी गुरमीत राम रहीम की तरफ से डाली गई याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। राम रहीम के वकील की तरफ से कहा गया था कि राम रहीम को पंजाब सरकार की तरफ से काफी दस्तावेज नहीं दिए जा रहे हैं। इन दस्तावेजों के अभाव में राम रहीम के लिए केस में अपना पक्ष रखने में दिक्कत आ रही है। आरोपी को केस के दौरान बचाव करने का कानूनी रूप से अधिकार होता है।

केस का ट्रायल फरीदकोट की जिला अदालत में चल रहा है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि पंजाब सरकार सारे दस्तावेज राम रहीम को मुहैया करवाए और साथ ही इन दस्तावेजों को पेन ड्राइव में भी डालकर राम रहीम के वकील को दिया जाए। बेअदबी के मामले में राम रहीम ने पंजाब पुलिस की एसआईटी के स्थान पर सीबीआई से जांच करवाने की मांग की है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 6 दिसंबर, 2022

भ्रष्टाचारियों पर नकेल

आजकल जिस भी अफसर को जरा सा पावर मिल जाता है तो वहीं अपनी कलम का गलत इस्तेमाल करने पर उतारू हो जाता है। नतीजतन देखते ही देखते वह करोडों में खेलने लगता है। इस तरह के करोडपति अधिकारी आए दिन विभिन्न राज्यों में पकडे जा रहे हैं फिर भी लोग सबक लेने की बजाय उसे और बढ़ावा दे रहे हैं। ऊपर से जब किसी को राजनीतिक संरक्षण मिल जाए तो फिर क्या कहने? लेकिन नेताओं व अफसरों की ऐसी कारगुजारियों का खमियाजा आखिरकार आम जनता को ही उठाना पड़ता है। विश्वास न हो तो छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री की उपसचिव सौम्या चौरसिया को ही देख लें। सुपर सीएम के नाम से कुख्यात रही सौम्या चौरसिया को जब करोडों के वारे-न्यारे करने के आरोप में ईडी ने गिरफ्तार किया है तो एक बार फिर यह बहस छिड़ गई है कि नौकरशाही में काम करते हुए कोई अधिकारी कैसे सत्ता का केंद्र बन जाता है। यही नहीं उसे अपने कामकाज से लेकर अन्य मामलों में पूरी मनमानी करने की छूट कैसे मिल जाती है। अक्सर देखा गया है कि ऐसे अधिकारियों को सत्ता का प्रत्यक्ष या परोक्ष संरक्षण मिल जाता है, जिसके चलते वे अपनी मंशा मनमानी का ऊटपटांग कुछ भी करने की हिम्मत कर बैठते हैं। विचित्र है कि जनता तो अपने नेताओं को इस उम्मीद से सत्ता में भेजती है कि वे अपने पद का उपयोग आम लोगों के हित और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं पर काबू पाने में करेंगे, लेकिन कोफ्त तब होती है जब वही नेता भ्रष्टाचारियों का बचाव करने की कोशिश करते दिखने लगते हैं। बता दें कि छत्तीसगढ़ सरकार में उप सचिव सौम्या चौरसिया को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कथित अवैध वसूली और जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। आखिर इतने उच्च स्तर की अधिकारी को अवैध वसूली या भ्रष्टाचार के अन्य मामलों में मनमानी करने की छूट किससे और कैसे मिल जाती है। हालांकि इस मामले में अब जांच प्रक्रिया और आरोप साबित होने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है, लेकिन उपसचिव सौम्या चौरसिया की गिरफ्तारी के जो आधार बताए गए हैं, वे निश्चित रूप से भारत में पहले से मौजूद भ्रष्टाचार की व्यापक समस्या की जडों में हर जगह मौजूद रहे हैं। ऐसे में जब तक जांच एजेंसियां सक्रिय होकर जांच नहीं करतीं, तब तक जाहिर है ऐसे अपराध बेरोकटोक चलते रहते हैं। खासकर जब नौकरशाही को राजनीतिक शह मिल जाए तो भ्रष्टाचार से कमाई को कोई रोक ही नहीं सकता। छत्तीसगढ़ में ईडी के फंदे में आई सौम्या चौरसिया के पद-कद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्हें राज्य में न केवल सबसे ताकतवर अफसर माना जाता था, बल्कि आम धारणा थी कि वे मुख्यमंत्री की बहुत करीबी हैं। बता दें कि कई मसलों पर सख्त मुख्यमंत्री माने जाने वाले भूपेश बघेल को वक्त रहते भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई सख्त कदम उठाना क्यों जरूरी नहीं लगा, इस पर भी विचार किए जाने की जरूरत है। नौकरशाही में ऊंचे पदों पर मौजूद किसी व्यक्ति पर भ्रष्टाचार के आरोपों का यह कोई पहला मामला नहीं है। कुछ समय पहले झारखंड में भी खान सचिव पूजा सिंघल को राज्य के खूंटी जिले में उनके उपायुक्त रहते राष्ट्रीय रोजगार गारंटी से संबंधित काम यानी मनरेगा के तहत किए गए करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। उनके यहां तो नोटों का पहाड़ जमा हो गया था। भ्रष्टाचार के ऐसे मामले कड़ियों में एक-दूसरे से जुड़े होते हैं, जिसमें भ्रष्ट नौकरशाहों से लेकर नेताओं, जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों तक के तार तलाशने पर मिल सकते हैं। मगर भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल फूंकने का दावा करने वाले अमूमन सभी राजनीतिक दल भी सत्ता में पहुंचने के बाद या तो उसमें शामिल हो जाते हैं या फिर उसे संरक्षण देने लगते हैं। यही वजह है कि आज राजनीति सबसे मुनाफे वाला धंधा बन चुका है। इसमें सबसे बडी समस्या यह है कि भ्रष्टाचार देश व देशवासियों को दीमक की तरह तेजी से चाट रहा है।

वो सत्तर साल...

डॉ. सुरेश मिश्रा

आज की तारीख में 'सत्तर मिनट' से ज्यादा 'वो सत्तर साल' वाले डायलाग ने जगह ले ली है। अब तो मैं घर में चूहों की उछल-कूद के लिए भी पिछले सत्तर सालों को कोसता हूँ। कोसूँ भी क्या न? सड़क पर कोई गिर जाए तो क्या वह पिछले सत्तर सालों की गलती नहीं है? किसी का हाजमा खराब हो जाए तो क्या वह पिछले सत्तर सालों की गलती नहीं है? किसी की प्रेमिका रूठ जाए तो क्या वह पिछले सत्तर सालों की गलती नहीं है? मैं तो कहता हूँ सत्तर साल तक हमारी लाचारी हमारी छाती पर मूँग दल रही है, मधुमेह की तरह फैलती ही जा रही है, पेट्रोल की कीमतों की तरह आसमान छू रही है और एक हम हैं जो ढोल बने इनके-उनके हाथों पिटे जा रहे हैं। तरह-तरह के एक सौ तीस करोड़ राग निकाल रहे हैं। इतने राग तो ससुरा संगीत के आचार्यों ने भी नहीं सुनेंगे। पूरे सत्तर सालों तक हमने मच्छर मारने का काम किया। दुर्भाग्य से वह काम भी ठीक से नहीं कर पाए। अच्छे से मच्छर मार लिए होते तो कम से कम मलेरिया तो नहीं होता। जो जमात मलेरिया को नहीं भगा सका, वह खाक ब्राइबेरिया, करेप्टरिया, रेपरिया, रिलेजनरिया, मॉबलीचिंगरिया, हाईटैक्सेरिया से देश को बचा पायेंगे। सच कहें तो यह सब ऑक्सीजन बनकर हमारे जीवन को चला रहे हैं। ससुरा अब तो ईमानदारी, वफादारी, विकास, नारी सम्मान जैसे शब्द सुनकर भी जुलाब हो जाता है। यहाँ इतिहास कोई और बनाता है, उसे कोई और लिखता है, शासन के सदनों में उसे कोई और गढ़ता है और उसका भुगतान हम करते हैं। सारे बिल हमारे नाम पर फाड़े जा रहे हैं। जब जन्म लिया है तो भुगतो। अच्छा हुआ चेगुवेरा भारत में पैदा नहीं हुआ। नहीं तो वह भी मच्छर मारते-मारते यहाँ से कूच कर जाता। ऐसा नहीं कि हम खुश नहीं हैं। बहुत खुश हैं। यकीन न हो तो सिनेमा, रेडियो, टीवी, बड़े-बड़े होर्डिंग्स, समाचार पत्रों के पन्ने, सरकारी बैठकें और सम्मेलन ही देख लें, कितने खुश हैं। हमारे खिलखिलाते चेहरों पर रंग बदलते गिरगिटों, शातिर भेड़ियों की तस्वीरों वाले नेताओं के विज्ञापन हमारी खुशी व्यक्त करते हैं। कागज पर हम सब खुश हैं। जमीन की हकीकत जमीन चाटने वाले ही जानते हैं। बेबसी हमारी आदत बन गई है। कभी न छूटने वाली बुरी लत। एक बार के लिए सिगरेट, शराब, काम वासना सब से पिंड छुड़ाया जा सकता है, लेकिन गुलामी करने की लत से कतई नहीं। लोकतंत्र का चौथा खंभा जिसे हमारे साथ खड़ा होना चाहिए, वह आकाओं की फेंकी चंद बोटियों के लिए हम से आँखें फेरे बैठा है। सत्ता पक्ष से नैन मटक्का कर रहा है। सच कहें तो हम सब दिल, दिमाग और जी जान से दायित्वों से आँख फेरते नपुंसक बनते जा रहे हैं। अब हम ऊपर वाले की बनाई डिफॉल्टियत से मरहूम होते जा रहे हैं। ऊपर वाले ने बदन में खून दिया, उसे हमने पानी कर दिया। मेरूदंड दिया है, हमने उसे मेरूविहीन कर दिया। एक जीभ दी थी, जिसका इस्तेमाल गलत को गलत और सही को सही बताने के लिए करना था, उसे भी थूके को चाटने के लिए विवश कर दिया। खेत में बैलों की आँखों पर जो पर्दा लगा होता है, वही अब पूरे देश की आँखों पर लगा है।

भारतीय महिलाओं का सामाजिक यथार्थ और चुनौतियां

गिरीश्वर मिश्र

इस तथ्य के बावजूद कि महिलाएं हमारे समाज का एक अभिन्न अंग हैं और कई महिलाएं घर और बाहर विविध जिम्मेदारियों को निभा रही हैं, उनकी स्थिति और अधिकारों को न तो ठीक से समझा जाता है और न ही उन पर ध्यान दिया जाता है। सतही तौर पर, महिलाओं के बारे में बहुत कुछ कहा जाता है और वादे अक्सर किए जाते हैं। वास्तव में महिलाओं का सम्मान एक पारंपरिक भारतीय आदर्श है और सैद्धांतिक रूप से इसे समाज में व्यापक स्वीकृति भी मिली है। उन्हें 'देवी' कहा जाता है। दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी के रूप में इनकी पूजा की जाती है और इनकी स्तुति भी धूमधाम से की जाती है। किसी भी शुभ कार्य या अनुष्ठान की शुरुआत गौरी और गणेश की पूजा से होती है। यह सब समृद्धि बढ़ाने और अधिक शक्ति प्राप्त करने की इच्छा को पूरा करने और अधिकतम क्षमता का एहसास करने के लिए किया जाता है। लेकिन आज जिस तरह से महिलाओं के खिलाफ हिंसा बढ़ रही है, वह महिलाओं के प्रति समाज की प्रतिबद्धता पर गंभीर सवालिया निशान खड़ा करती है। देश के किसी भी कोने से कोई भी किसी भी दिन अखबार उठा लें तो महिलाओं की उपेक्षा और अत्याचार की खबरें प्रमुख रूप से उपस्थित हो जाती हैं। महिलाओं के खिलाफ हर तरह के अपराध बढ़ रहे हैं। न केवल उनकी सुरक्षा और सम्मान बल्कि उनके मूल अधिकारों की भी अक्सर अनदेखी की जा रही है। यह परिदृश्य महिला सक्षम और सशक्त बनाने की संभावनाओं पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग करता है, विशेष रूप से ऐसे उपाय जो उन्हें समर्थ बनाने में मदद करते हैं। इसके लिए सामाजिक पारिस्थितिकी में सकारात्मक बदलाव ज़रूरी होगा जिसके भीतर महिलाओं का जीवन सन्निहित होता है। ऐतिहासिक रूप से देखें तो हम यह पाते हैं कि महात्मा गांधी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों के नेतृत्व में देश के स्वतंत्रता संग्राम में भारतीय महिलाओं ने बड़ी संख्या में और कई तरीकों से भाग लिया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद दृश्य बदल गया और उनकी स्थिति को गंभीरता से लेने के लिए बहुत कम प्रयास किए गए। महिलाओं की एक छोटी संख्या ऊपर की ओर बढ़ी, लेकिन उनकी संख्या नगण्य रही। लोकतंत्र की भावना से जीवन जीने की स्वतंत्रता आज भी भारतीय महिलाओं की आबादी के एक बड़े वर्ग के लिए एक सपना है। उन्हें वह सामाजिक दर्जा नहीं मिल सका जिसकी वे हकदार हैं । वे तरह-तरह की हिंसा का शिकार होती रहीं हैं। आज भी महिलाओं का जीवन पुरुष-केन्द्रित बना हुआ है। उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास गंभीरता से नहीं किए गए हैं। यहां तक कि उस महिला के अपने शरीर पर अधिकार की भी रक्षा नहीं हो रही है। आज न तो उसके श्रम का सम्मान हो रहा है और न ही उसे स्वाभिमान से जीवन का आनंद लेने का अवसर मिल रहा है। जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा होने के बावजूद, जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपस्थिति और भागीदारी सीमित बनी हुई है। महिलाओं की स्वास्थ्य, भोजन और सुरक्षा जैसी बुनियादी जरूरतों को ठीक तरह से पूरा करना भी मुश्किल होता जा रहा है। यह महिलाओं और लैंगिक दृष्टिकोण के बारे में हमारी मानसिकता और सोच के बारे में संदेह पैदा करता है। खासकर शहरों और महानगरों में, उच्च वर्गों में और शिक्षित समुदाय में महिलाओं के साथ जो हो रहा है, वह परेशान करने वाला है। अपराधी तो छोड़िए, लेकिन अगर समाज के पहरेदार और रक्षक शोषण के एजेंट बन जाएं तो क्या होगा? आज एक सरकारी अस्पताल का डॉक्टर महिला को मारने के लिए तैयार है, पुलिस उसे पीटने के लिए तैयार है, शिक्षक शोषण के लिए तैयार है, बाजार उसे नग्न करने के लिए तैयार है और कार्यालय में अधिकारी यौन शोषण के लिए तैयार है। स्थिति शर्मनाक और चिंताजनक होती जा रही है। संविधान समान काम के लिए समान वेतन को मान्यता देता है और अवसर की समानता सुनिश्चित करने का प्रयास करता है। लेकिन जीवन का सच यह है कि महिलाएं इन लक्ष्यों से कोसों दूर हैं। नागरिकों के मौलिक अधिकार उन्हें सही मायने में उपलब्ध नहीं हो पाए हैं और उन्हें वह आजादी नहीं मिली है जिसके वे हकदार हैं। उनके मानवाधिकारों की अक्सर उपेक्षा, उल्लंघन और शोषण किया जाता है। वे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से तरह-तरह के दर्द, हताशा और शोषण के शिकार हो रहे हैं। आदर्श और वास्तविकता के बीच एक बहुत बड़ी खाई है जिसे पाटा नहीं जा रहा है। सेक्स संबंधी अपराध में तेजी से इजाफा हुआ है। देश भर में चिंता व्यक्त की गई है। निर्भया की यादें ताजा हो गईं। लेकिन ऐसा नहीं लगता कि इस तरह के कारनामे कम हुए हैं। कानूनी प्रावधान पर्याप्त नहीं हैं। धार्मिक नेता और अखबार के संपादक यौन अपराधों के लिए जेल की सजा काट रहे हैं। वह घर और बाहर सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं। यह दुख की बात है कि समाज में हम महिलाओं की क्षमताओं और क्षमता का पूरा उपयोग नहीं करते हैं और न ही हम उन्हें पहचानते हैं। उन्हें अक्सर हाशिए पर रखा जाता है और 'कमजोर', 'अतिरिक्त बोझ' और 'अयोग्य' के रूप में चिह्नित (लेबल) किया जाता है। इस तरह की निराधार रूढ़ियां आम तौर पर प्रचलित हैं और महिलाओं के खिलाफ गहरे पूर्वाग्रह और भेदभाव को मजबूत करती रहती हैं। नीची जाति, दलित, अल्पसंख्यक, ग्रामीण और गरीब महिलाओं की स्थिति और भी दयनीय है। वे कठिन जीवन जीने के लिए अभिशप्त हैं। उनका जीने का अधिकार सपना बनता जा रहा है। उन्हें अपने तरीके से जीने की इजाजत नहीं है। जीने के लिए उन्हें हर तरह का समझौता करना होगा। एक महिला के पास स्वराज नहीं है क्योंकि उसे अनुशासन और दूसरों के नियंत्रण में रहना पड़ता है। उन्हें 'आश्रित' बनाकर आत्मत्याग का पाठ पढ़ाया जाता है। बेशक, कुछ अपवाद पाए जाते हैं। आज प्रशासन, स्वास्थ्य, समाज सेवा, संगीत, नृत्य, खेल, फिल्म, व्यवसाय, साहित्य, सैन्य, कला और संस्कृति की दुनिया में महिलाएं कुछ नाम हैं। वे देश के सार्वजनिक जीवन में सर्वोच्च पदों पर भी पहुंची हैं । हमें इन उपलब्धियों पर गर्व है लेकिन यह नहीं कह सकते कि इससे महिलाओं की जमीनी हकीकत में कोई क्रांतिकारी बदलाव आया है। यह स्थिति आधा सच ही बता सकती है। इससे अधिकांश महिलाओं के जीवन की उपेक्षा के कड़वे सच को नकारा नहीं जा सकता। उन्हें कमतर इंसान माना जाता है। सच तो यह है कि समाज के एजेंडे में उनकी जगह बहुत नीचे आती है। घर की चारदीवारी में कैद उनका योगदान अक्सर अनसुना कर दिया जाता है। असंगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं का बुरा हाल है। उनमें से अधिकांश वंचित स्थिति में रह रही हैं और उनकी शिक्षा की स्थिति में गिरावट आई है; आय और स्वास्थ्य की विषमता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है । महिलाओं को अक्सर जिस हिंसा और तनाव से गुजरना पड़ता है, वह सब कुछ अप्राकृतिक बना देता है और सब कुछ ठप हो जाता है। उनकी उम्मीदें और महत्वाकांक्षाएं खत्म हो जाती हैं। एक महिला का पूरा जीवन दुर्घटनाओं की संभावना से भरा होता है। यह दयनीय गाथा जन्म से पहले ही शुरू हो जाती है जब लड़के की चाह में कन्या भ्रूण को मार दिया जाता है। देश के कई क्षेत्रों में जनसंख्या में लिंग अनुपात में कमी आई है। जब यह जैविक रूप से असंभव होता है तो बच्चे के लिंग के लिए महिलाओं को दोषी ठहराया जाता है क्योंकि बच्चे के लिंग का रहस्य पुरुष के गुणसूत्र में छिपा होता है। लड़के की मां को अधिक सम्मान मिलता है और लड़की की मां का भाग्य और भी बुरा होता है। जन्म के बाद घर में बेटी के साथ भेदभाव होता है। अगर वह थोड़ी बड़ी हो जाती है तो सम्मान की रक्षा के लिए उसे मार भी दिया जाता है। दहेज-हत्या अभी भी जारी है। कामकाजी महिलाओं को दोहरा कर्तव्य निभाना पड़ता है जिससे तनाव और तनाव का स्तर बढ़ जाता है। परिवार की सहानुभूति और सहयोग के बिना उनका जीना मुश्किल हो जाता है। वृद्धावस्था में वह अपने पति और बच्चों पर निर्भर हो जाती है। एक महिला को सक्षम, आत्मनिर्भर, लचीला और उत्पादक बनाने का सपना आज भी सपना ही है। महिलाओं को न केवल हताशा का शिकार होना पड़ता है बल्कि उनके सामाजिक योगदान को अक्सर कम आंका जाता है। घर, नौकरी और बाजार के बीच संतुलन बनाना एक कठिन चुनौती है।

निवेश में अब यूपी दे रहा महाराष्ट्र को चुनौती

आर.के. सिन्हा

लखनऊ और मुंबई के बीच फासला भले ही 1350 किलोमीटर से कुछ अधिक ही हो, पर अब महाराष्ट्र के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी निवेशक झोली भरकर निवेश लाने में लगे हैं। महाराष्ट्र तो परंपरागत रूप से भारत का सबसे खास औद्योगिक राज्यों में से एक रहा है। उत्तर प्रदेश अब महाराष्ट्र का तेजी से निजी क्षेत्र के निवेश में मुकाबला कर रहा है। हालांकि आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य की छवि कभी महाराष्ट्र जैसी नहीं रही थी। केंद्र सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट देखें तो महाराष्ट्र में सर्वाधिक निजी क्षेत्र का निवेश आ रहा है। उसके बाद दिल्ली का स्थान है और फिर उत्तर प्रदेश का। उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि अप्रत्याशित ही मानी जाएगी। बेशक, उत्तर प्रदेश अपने को अब तेजी से बदल रहा है। राज्य सरकार को समझ आ गया है कि बिना निजी क्षेत्र के निवेश के राज्य का हरेक क्षेत्र में विकास मुमकिन नहीं होगा। देखिए महाराष्ट्र और दिल्ली में तो निवेशक आते ही रहे हैं। ये दोनों राज्य देशी-विदेशी निवेशकों को भी अपनी तरफ खींचते हैं। पर नोट करने लायक तथ्य यही है कि अब उत्तर प्रदेश भी निवेशकों को लुभा रहा है। उत्तर प्रदेश के विकास का एजेंडा तय करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए बड़ी छलांग लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये का औद्योगिक निवेश लाने की युद्ध स्तर पर कोशिशें चल रही है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं सक्रिय हैं। वे बड़े निवेशकों और उद्योगपतियों से मिल रहे हैं। उन्हें बता रहे हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश में निवेश करने से क्या लाभ होगा। याद नहीं आता कि उनसे पहले राज्य का कोई मुख्यमंत्री अपने राज्य में निवेश लाने को लेकर इतना एक्टिव रहा हो। आप जानते हैं कि कोरोना काल में सब तरफ आर्थिक गतिविधियां ठप सी पड़ गई थीं। पर उत्तर प्रदेश में उस दौर में भी निवेशकों ने 66,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दरअसल अगर आप भारत के निजी क्षेत्र के निवेश के लिहाज से सबसे पसंदीदा राज्यों की सूची में नजर डालेंगे तो आपको मोटा-मोटी महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली जैसे राज्य ही नजर आएंगे। इनमें हुई आर्थिक प्रगति ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। नब्बे के दशक में शुरू हुए आर्थिक उदारीकरण का लाभ उठाते हुए इन सब राज्यों ने अपनी जीडीपी को मजबूत बनाया और वर्तमान में जीडीपी के हिसाब से महाराष्ट्र देश का सबसे अग्रणी राज्य है। कर्नाटक तो देश की आई टी राजधानी बन चुका है और तमिलनाडु ऑटो सेक्टर का बडा हब। ये सब राज्य देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन की भूमिका निभा रहे हैं। इनमें आर्थिक प्रगति की रफ्तार लाजवाब रही है। महाराष्ट्र की जीडीपी का आकार पूरे पाकिस्तान की जीडीपी से भी अधिक है। अब इन राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश का आना सुखद है। राम और कृष्ण की जन्मभूमि उत्तर प्रदेश भारत की आत्मा है। करीब 22 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश के विकास को छोड़कर भारत की प्रगति की कल्पना करना असंभव होगा। एक बात तो समझनी ही होगी कि कोई भी देश और उसका राज्य अपने देश के निवेशकों पर ही निर्भर नहीं रह सकता है। उसे विदेशी निवेश भी तो खींचना ही होगा। अच्छी बात यह है ब्रिटेन, मारीशस, नीदरलैंड, डेनमार्क, सिंगापुर जैसे देशों के निवेशक भी उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर गंभीर हैं। हां, निवेश तो तब ही आएगा जब सरकारें अपने यहां निवेश का माहौल पैदा करेंगी। निवेशकों को सुरक्षित जीवन का भरोसा देंगी। उत्तर प्रदेश यह भरोसा देने में हाल के दिनों में कामयाब रहा है। निवेशकों को भी उत्तर प्रदेश में निवेश करना लाभ का सौदा नजर आ रहा है। जाहिर सी बात है कि कोई भी निवेशक घाटा खाने के लिए कहीं निवेश करेगा नहीं। उत्तर प्रदेश में गौतम अडानी, कुमार मंगलम बिड़ला, निरंजन हीरानंदानी, सज्जन जिंदल जैसे उद्योगपति निवेश लेकर आ रहे हैं। दरअसल लंबे समय तक अंधेरे में डूबा रहा उत्तर प्रदेश अपनी छवि तेजी से बदलना चाहता है। आपको आज के दिन सारे राज्य में स्तरीय सड़कें, साफ सुथरे चमकते बाजार, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल वगैरह देखने को मिलेंगी। सरकारी दफ्तरों में भी काहिली काफी हद तक खत्म हो गई है। इस बीच, आप गौर करें कि जिन राज्यों में विकास का पहिया काफी सालों- दशकों से घूम रहा है वहां के नौजवान भी अब आंत्रप्योनर बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश के नौजवानों को भी अब नौकरी की जगह अपना कोई काम-धंधा शुरू करने के संबंध में सोचना होगा। उनके सामने ओला के फाउंडर भाविश अग्रवाल, जोमैटो के दीपेन्द्र अग्रवाल, इंफोसिस के नंदन नीलकेणी जैसे सैकड़ों पहली पीढ़ी के आंत्रप्योनर की सफल कहानियां हैं। पहली पीढ़ी के उद्यमी सफल हो रहे हैं। ये रोजगार दे रहे हैं और नौजवानों को लगातार प्रेरित कर रहे हैं। देश के सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तो हजारों इस तरह के युवा एक्टिव हैं जिनके परिवारों में उनसे पहले कभी किसी ने कभी कोई बिजनेस नहीं किया था। यह समय अपना धंधा करने के लिहाज से सर्वोत्तम है। आपको बैंकों और वित्तीय संस्थानों से आसान शर्तों पर लोन भी मिल जाता है। यह स्थिति कुछ साल पहले तक नहीं थी। उस दौर में लोन के लिए बहुत धक्के खाने पड़ते थे। लेकिन, आज अगर आपके कोई बढ़िया आइडिया है तो आपकी सफलता तय है। एक तरफ उत्तर प्रदेश में निवेश और दूसरी तरफ राज्य के युवा अपने खुद के काम-काज शुरू करें तो फिर सोने पर सुहागा ही होगा। इससे राज्य विकास की दौड़ में तेजी से लंबी छलांग लगाने लगेगा। आप खुद देख लें कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु जैसे राज्यों के नौजवान नौकरी की तुलना में कारोबारी बनना पसंद करने लगे हैं। जिन राज्यों में निवेश नहीं आ रहा है, वहां के युवा नौकरी पाने की जुगाड़ में रहते हैं। नौकरी के लिए अपने घरों से सैकड़ों-हजारों मील दूर चले जाते हैं। मान कर चलिए कि उत्तर प्रदेश में निवेश आना जैसे-जैसे बढ़ता रहेगा, वैसे-वैसे राज्य के युवा भी बदलेंगे। वे भी कारोबारी बनने के संबंध में सोचेंगे। मतलब निवेश से राज्य का कई स्तरों पर कायाकल्प होगा।

दिल्ली मेट्रो में एक नयी तस्वीर

राखी सरोज

4 दिसंबर वैसे तो दिल्ली में एमसीडी के होने वाले चुनाव के कारण सुर्खियों में बना रहा दिन था। किन्तु इसी दिन एक घटना ओर घटी। दिल्ली मेट्रो में गलती से एक युवक के टिफिन बॉक्स से खाना गिर गया था। जिसे उसने बिना देरी किए अपने रूमाल से पूरी तरह से साफ कर दिया। युवक का ये अंदाज लोगों को खूब पसंद आया। फर्श की सफाई करते युवक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। जहां हमारे समाज में एक तरफ ऐसे लोगों की भरमार है जो गंदगी फैलाने का कोई मौका नहीं छोड़ते है वहीं दूसरी ओर इस तरह का एक युवक का कार्य लोगों को बहुत ही अलग अनुभव दे गया। जहां हम सभी हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी के स्वच्छ भारत अभियान के आरंभ होने के बाद सफाई के नाम पर दो अक्टूबर को बस तस्वीरों और भीड़ का हिस्सा बनने के लिए अपने आसपास सफाई करते हुए स्वयं को संतुष्टि देने का कार्य करते नजर आ जाते थे बहुत से भारतीय। वहीं इस समय में कुछ महान अनुभव वाले व्यक्तिगण साफ़ स्थान को गन्दा कर फिर साफ करने का अभिनय करते नजर आते थे। यह सब केवल समाचार और सोशल मीडिया के लिए किया जाता था। वहां एक ऐसा दृश्य जो किसी सोशल मीडिया के तस्वीर के लिए नहीं ना किसी योजना का हिस्सा बनने के लिए हो रही हो, केवल इसलिए हो रही है क्योंकि जिस देश और शहर में हम रहते है उसे साफ रखना हमारी जिम्मेदारी बनती है। जहां एक ओर एमसीडी का चुनाव का प्रचार करने वाले दिल्ली की सफाई का जिम्मा लेने के लिए जोर शोर से प्रचार करते हुए जिस गंदगी को साफ करने के लिए पांच साल की जिम्मेदारी दिल्ली वालों से लेने के लिए जगह-जगह पैम्फलेट और कागजों की बाहर कर के गंदगी बढ़ा रहे थे। वही दूसरी ओर एक युवक ने दिल्ली में अपने किए कार्य से समाज में अलग ही जागरूकता ला दी। क्या हमारे समाज के ऐसे युवकों को आगे ला कर ऐसे स्थान प्रदान नहीं करनी चाहिए जिससे देश की जनता को कुछ सीखने का मौका प्राप्त हो। क्यों हमारे देश में होने वाले चुनावों में अक्सर गलियां, शहर और देश को कूड़ेदान बना दिया जाता है। जगह-जगह पेपर फैलें क्यों नज़र आते है। क्या देश और शहर को साफ रखना चुनाव में खड़े अभिभावकों की जिम्मेदारी नहीं बनती क्यों वहां अपने साथ प्रचार करने वाले सभी व्यक्तियों को यह नहीं समझाते कि कल हम जिस देश के लिए कार्य करने की जिम्मेदारी अपने देश के लोगों से मांगा रहें है, उस देश को आज साफ रखने की जिम्मेदारी हमारी भी बनती है। हमारे देश में हर साल सभी शहरों द्वारा साफ़ सफाई के नाम पर करोड़ों का बजट सरकार द्वारा तैयार किया जाता है चाहे वह किसी नदी की सफाई हो या किसी सड़क या स्थान की करोड़ों का बजट पानी की तरह सफाई के नाम पर बर्बाद किया जाता है। फिर भी अंत में अधिकतर देखने को मिलता है कि करोड़ों के बजट के बावजूद भी स्थिति में कुछ फर्क नहीं आता है। जिसके कारण आज हमारे देश में कचड़ो के ढेर बढ़ते जा रहे हैं। जिसका नुकसान हमारे स्वास्थ्य को भी होता है। हम अपने देश की बुराई करते नजर आते हैं अक्सर हम बोलते हैं कि हमारे देश को बाकी देशों की तरह साफ सुथरा नहीं है किंतु हम उसे साफ रखने में अपनी कितनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं इस पर हम कभी विचार करना जरूरी नहीं समझते हैं सरकार को हमारे द्वारा फैलाई जाने वाली गंदगी से कितना नुकसान होता है यह हम कभी नहीं सोचते हैं।

भारतीय रेलवे हर साल गुटखा थूकने के बाद हुई गंदगी को साफ करने पर करीब 1200 करोड़ रुपये और लाखों लीटर पानी खर्च करता है। यह आंकड़ा किसी को भी चौंका सकता है लेकिन देश में रेलवे स्टेशन और ट्रेनों की संख्या के साथ-साथ यात्रियों की तादाद को देखते हुए यह रकम जायज नजर आती है। कोरोना काल में लोगों को साफ-सफाई का खास ध्यान रखने को कहा गया, बावजूद इसके लोगों ने अपने बर्ताव में जरा भी सुधार नहीं किया। जब हमारे देश के नागरिक अपनी सुविधा को बस ध्यान में रखते हुए कही भी गंदगी करने से बाज नहीं आते तो सरकार को करोड़ों रूपए खर्च कर सफाई रखने की कोशिश करनी पड़ती है। किंतु बड़ी जनसंख्या के चलते यह कार्य कई बार असफलता की ओर बढ़ जाता है। हम अपने देश के किसी भी वर्ग से संबंध रखते हो अपने देश को गंदा रखने में सहयोग देते हो ना हो किन्तु सफाई में हमारा कोई सहयोग नहीं रहता है। हम साफ सफाई रखने की बात करते हैं किंतु कितने लोग होते हैं जो सड़क पर फैला हुआ कचरा उठा उसे कूड़ेदान में डाल दें या किसी स्थान को गलती से उनके गंदा होने पर साफ कर दें।

सबके लिए एक-जैसा कानून क्यों नहीं ?

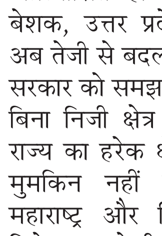

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भाजपा कई वर्षों से लगातार वादा कर रही है कि वह सारे देश में सबके लिए निजी कानून एक-जैसा बनाएगी। वह समान नागरिक संहिता लागू करने की बात अपने चुनावी घोषणा पत्रों में बराबर करती रही है। निजी मामलों में समान कानून का अर्थ यही है कि शादी, तलाक, उत्तराधिकार, दहेज आदि के कानून सभी मजहबों, जातियों और क्षेत्रों में एक-जैसे हों। भारत की दिक्कत यह है कि हमारे यहां अलग-अलग मजहब में निजी-कानून अलग-अलग तो हैं ही, जातियों और क्षेत्रों में अलग-अलग से भी ज्यादा परस्पर विरोधी परंपराएं बनी हुई हैं। जैसे हिंदू कोड बिल के अनुसार हिंदुओं में एक पत्नी विवाह को कानूनी माना जाता है लेकिन शरीयत के मुताबिक एक से ज्यादा बीवियां रखने की छूट है। भारत के कुछ उत्तरी हिस्से में एक औरत के कई पति हो सकते थे। भारत के दक्षिणी प्रांतों में मामा-भानजी की शादी भी प्रचलित रही है।

आदिवासी क्षेत्रों में बहु पत्नी प्रथा अभी भी प्रचलित है। इसी तरह से पति-पत्नी के तलाक संबंधी परंपराएं भी अलग-अलग हैं। यही बात पैतृक संपत्ति के उत्तराधिकार पर भी लागू होती है। इन सवालों पर संविधान सभा में काफी बहस हुई और नीति निदेशक सिद्धांतों में समान सिविल कोड की बात कही गई लेकिन आज तक किसी केंद्र या प्रादेशिक सरकार की हिम्मत नहीं पड़ी कि सबके लिए एक-जैसा निजी कानून बना दे। अब खुशी की बात है कि उ.प्र., गुजरात, असम और उत्तराखंड की सरकारों के साथ-साथ म.प्र. की सरकार भी समान आचार संहिता लागू करनी की तैयारी कर रही है। वैसे भारत में जन्मे धर्मों- हिंदू, जैन, सिख, बौद्ध आदि मतावंलबियों पर तो यह पहले से लागू है लेकिन ईसाई, मुसलमान, यहूदी आदि विदेशों में जन्मे धर्म के लोग अपने मजहबी कानूनों को ही लागू करने पर अड़े हुए हैं। इसे वे भाजपा की हिंदूकरण की रणनीति ही मानते हैं। ऐसे लोगों से मुझे यही पूछना है कि आप अपने धर्म का पालन करना चाहते हैं या विदेशियों की नकल करना चाहते हैं? क्या इस्लाम, ईसाइयत, यहूदी और पारसी धर्म का पालन तभी होगा, जब हमारे मुसलमान अरबों की, हमारे ईसाई यूरोपियों की, हमारे यहूदी इजरायलियों की और हमारे पारसी ईरानियों की नकल करें? जब हमारे हिंदुओं ने राजा दशरथ की तीन पत्नियों और द्रौपदी के पांच पतियों को परंपरा को त्याग दिया तो हमारे मुसलमानों को भी डेढ़ हजार साल पुरानी अरबों की पोंगापंथी परंपराओं के अंधानुकरण की क्या जरूरत है?

दत्तात्रेय जन्मोत्सव कल : मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर हुआ था अनुसुइया के पुत्र भगवान दत्तात्रेय का जन्म

दत्तात्रेय जयंती 2022 का शुभ मुहूर्त
पूर्णिमा तिथि आरंभ- 7 दिसंबर सुबह 8 बजकर 2 मिनट से शुरू
पूर्णिमा तिथि समाप्त- 8 दिसंबर सुबह 9 बजकर 38 मिनट तक
सिद्ध योग- 7 दिसंबर सुबह 2 बजकर 52 मिनट से 8 दिसंबर सुबह 2 बजकर 54 मिनट तक

ॐ द्रां दत्तात्रेयाय नमः
ॐ द्रां दत्तात्रेयाय स्वाहा
श्री दिगंबरा दिगंबरा श्रीपाद वल्लभ दिगंबरा
ॐ दिगंबराय विद्महे योगीश्रारय धीमही तन्नो दतः प्रचोदयात

दत्तात्रेय जयंती पर आप शुभ, लाभ और अमृत के चौघडिया में पूजा कर सकते हैं। उस दिन सुबह 7.01 बजे से 9.37 बजे तक क्रमशः लाभ व अमृत के चौघड़िया रहेंगे। इसके बाद सुबह 10.55 बजे से दोपहर 12.12 बजे तक शुभ का चौघड़िया रहेगा। दोपहर 4.06 बजे से सायं 5.24 बजे तक लाभ का चौघड़िया रहेगा।

इस सप्ताह बुधवार, 7 दिसंबर को मार्गशीर्ष (अगहन) महीने की पूर्णिमा है। इस दिन ये महीना खत्म होगा। अगहन पूर्णिमा पर भगवान दत्तात्रेय की का जन्मोत्सव मनाया जाता है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक श्रीमद् भगवद् पुराण में बताया गया है कि दत्तात्रेय भगवान विष्णु के अवतार हैं। उनका जन्म मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर प्रदोष काल में हुआ था। प्रदोष काल यानी सूर्यास्त के आसपास का समय। अनुसुइया और अत्रि मुनि की तपस्या से प्रसन्न होकर विष्णु जी ने उनके पुत्र के रूप में जन्म लिया था।

अत्रि मुनि के घर पुत्र रूप में आने से विष्णु जी दत्त और अत्रि पुत्र होने से आत्रेय कहलाए। दत्त और आत्रेय के संयोग से उनका नाम दत्तात्रेय पड़ा। इनकी माता अनुसुइया सती शिरोमणि हैं और वे अपनी पतिव्रत धर्म की वजह से संसार में प्रसिद्ध हैं।

भगवान दत्तात्रेय की कथा

एक बार महर्षि अत्रि मुनि की पत्नी अनसूया के पतिव्रत धर्म की परीक्षा लेने के लिए तीनों देव ब्रह्मा, विष्णु, महेश पृथ्वी लोक पहुंचे। तीनों देव साधु भेष में अत्रि मुनि के आश्रम पहुंचे और माता अनसूया के सम्मुख भोजन की इच्छा प्रकट की। तीनों देवताओं ने शर्त रखी कि वह उन्हें निर्वस्त्र होकर भोजन कराएं। इस पर माता संशय में पड़ गई। उन्होंने ध्यान लगाकर देखा तो सामने खड़े साधुओं के रूप में उन्हें ब्रह्मा, विष्णु और महेश खड़े दिखाई दिए। माता अनसूया ने अत्रिमुनि के कमंडल से निकाला जल जब तीनों साधुओं पर छिड़का तो वे छह माह के शिशु बन गए। तब माता ने देवताओं को उन्हें भोजन कराया।
तीनों देवताओं के शिशु बन जाने पर तीनों देवियां (पार्वती, सरस्वती और लक्ष्मी) पृथ्वी लोक में पहुंचीं और माता अनसूया से क्षमा याचना की। तीनों देवों ने भी अपनी गलती को स्वीकार कर माता की कोख से जन्म लेने का आग्रह किया। तीनों देवों ने दत्तात्रेय के रूप में जन्म लिया। तभी से माता अनसूया को पुत्रदायिनी के रूप में पूजा जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि को भगवान दत्तात्रेय का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस साल दत्तात्रेय जयंती 7 दिसंबर 2022 को मनाई जा रही है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान दत्तात्रेय देवता ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवता का अवतार है। इन तीनों देवों की शक्तियां दत्तात्रेय भगवान के अंदर समाहित है। आइए जानते है दत्तात्रेय देवता की जयंती का क्या है शुभ मुहूर्त और कैसे करें पूजा –
मान्यता है कि इस दिन भगवान दत्तात्रेय की विधि-विधान से पूजा करने से भगवान शिव, भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी की कृपा प्राप्त होती है। जिससे आर्थिक बढ़ोतरी सहित कई अन्य लाभ होने की मान्यता है।

पूजा विधि

दत्तात्रेय भगवान की पूजा करने के लिए सबसे पहले आप स्नान ग्रहण कर लें और स्वच्छ कपड़े पहन लें। इसके बाद एक चौकी में लाल कपड़ा बिछाकर उसमें दत्तत्रेय भगवान की मूर्ति रखकर उनको जल चढ़ाए फिर रोली, चंदन, चावल लगाए। इसके बाद दीपक में घी डालकर भगवान को दिया दिखाएं। अब भगवान को प्रसाद का भोग लगाए। इसके बाद दत्तात्रेय भगवान की कथा सुने और आरती गाए। अब ब्राह्मणों को भोजन कराए। ब्राह्मणों को भोजन कराने के बाद ही आप प्रसाद चढ़ाए।

-मुकेश ऋषि

आज ही करें बिना पैसे का यह उपाय

हर तरह की सुख-समृद्धि पाने के लिए

इसके लिए भी बहुत ही आसान उपाय है। प्रतिदिन शाम को आरती के समय पूरे परिवार को एक साथ एकत्रित कर भगवान की आरती करें। उस समय जितने भी लोग घर में हैं, उन सभी को आरती में बुलाएं तथा उनके साथ मिलकर भगवान का पांच मिनट के लिए कीर्तन करें। यह उपाय पूरी तरह से निःशुल्क है परन्तु उसका असर तुरंत होता है और घर में सुख-समृद्धि आने के सभी रास्ते खुल जाते हैं।

घर में खुशहाली लाने के लिए
यदि आपके घर में हमेशा पैसे की तंगी रहती है, आप एक-एक पैसे के लिए भी दूसरों के लेनदार हैं तो इस उपाय को करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको केवल इतना सा करना है कि आप एक गोबर के कंडे पर गुग्गल, कपूर, घी और लोबान मिलाकर जलाएं और उसके धुएं को घर में चारों तरफ घुमाएं। यह उपाय कई तरह की समस्याओं को दूर कर देता है। इससे घर में पैसा आने लगता है। घर की नेगेटिव एनर्जी खत्म होती है और घर में हो रहा क्लेश भी शांत हो जाता है।

डिप्रेशन और नेगेटिविटी से दूर रहने के लिए
ज्योतिष में डिप्रेशन और नेगेटिविटी के लिए आम तौर पर राहु और केतु को जिम्मेदार माना गया है। ऐसे में जब भी डिप्रेशन या नेगेटिविटी अनुभव होने लगे तो तुरंत ही अकेलेपन और अंधेरे से दूर हो जाएं। इसके अलावा गहरे रंग के कपड़े न पहनें, जेब में हमेशा हल्के गुलाबी या केसरिया रंग का रुमाल रखें। संभव हो तो उसी समय भागवत या रामचरितमानस के एक-दो पन्ने पढ़ लें। इस टोटके से डिप्रेशन तुरंत दूर होगा और मन में नया उल्लास भर उठेगा।

परिवार में होनी चाहिए एकता

घर-परिवार के सदस्यों में मतभेद होंगे तो सभी के बीच एकता नहीं रहेगी। एकता के बिना घर में सुख-शांति और प्रेम नहीं रह सकता है। इसलिए परिवार में मतभेद हों तो उन्हें तुरंत सुलझा लें। महाभारत में पांडव कौरवों से जुए में हार गए तो उन्हें 12 वर्ष के वनवास और एक वर्ष के अज्ञातवास पर जाना पड़ा था।
पांडवों ने वनवास और अज्ञातवास पूरा कर लिया और वे कौरवों से अपना राज्य वापस मांगने पहुंचे। उस जुए में तय हुए नियम के मुताबिक कौरवों को पांडवों के वनवास और अज्ञातवास के बाद उनका राज्य वापस लौटाना था।
दुर्योधन अधर्मी और अहंकारी था, उसने पांडवों को राज्य लौटाने से मना कर दिया। इसके बाद पांडवों के सामने युद्ध का रास्ता था। पांडवों ने विचार किया कि कौरवों के पास बहुत बड़ी सेना है, भीष्म, द्रोणाचार्य, कर्ण, अश्वथामा जैसे महारथी हैं। हम सिर्फ पांच ही हैं, हमारे पास सेना भी नहीं है। ऐसे में हम युद्ध कैसे कर पाएंगे।
उस समय पांडवों के पास श्रीकृष्ण पहुंचे। उन्होंने कहा कि आप सभी बात सही है कि कौरवों की सेना बड़ी है, लेकिन एक बात ध्यान रखें, उस सेना में एकता नहीं है। कर्ण भीष्म को पसंद नहीं करते, द्रोण दुर्योधन को पसंद नहीं करते, दुर्योधन भीष्म और द्रोण को अपमानित करता रहता है। तुम भले ही संख्या में पांच हों, लेकिन तुम्हारे बीच मतभेद नहीं है, एकता है, जो कौरवों में नहीं है। हमें एक बात हमेशा ध्यान रखनी चाहिए कि जहां एकता होती है, जीत वहीं होती है।

श्रीकृष्ण की सीख

जिस परिवार के लोग आपस में लड़ते हैं, जहां मतभेद है, वहां एकता नहीं होती है। एकता के घर-परिवार में सुख-शांति नहीं रह सकती है। इसलिए मतभेद न रखें और एकता बनाए रखें।

दिसंबर में बन रहे कई शुभ योग दुकान और मकान का वास्तु दोष

वास्तु शांति पूजा मुहूर्त
8 दिसंबर 2022
मुहूर्त – 8 दिसंबर 2022, सुबह 09 बजकर 37 मिनट से 9 दिसंबर 2022, सुबह 07 बजकर 04 मिनट तक
9 दिसंबर 2022
मुहूर्त – सुबह 07 बजकर 04 मिनट से दोपहर 02 बजकर 59

हर कोई चाहता है कि वो एक सुखी और संपन्न जीवन व्यतीत करे। इसके लिए लोग मेहनत भी करते हैं। हालांकि कभी-कभी कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता नहीं मिल पाती है। इसका एक कारण वास्तु दोष भी हो सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर, मकान या दुकान में यदि वास्तु दोष हो तो परिवार की तरक्की रुक जाती है। ऐसे में घर या दुकान का वास्तु दोष दूर करने के लिए लोग उपाय या वास्तु पूजा भी कराते हैं। यदि आप को लगता है कि आपके घर, दुकान या मकान में कोई वास्तु दोष है तो एक बार वास्तु पूजा जरूर कराएं। पंचांग के अनुसार दिसंबर माह में वास्तु दोष निवारण पूजा के लिए कई शुभ मुहूर्त हैं। आइए जानते हैं वास्तु पूजन के लिए इस माह के शुभ मुहूर्त के बारे में...

19 दिसंबर 2022
मुहूर्त – सुबह 07 बजकर 10 मिनट से सुबह 10 बजकर 31 मिनट तक

यदि आप इस माह में गृह प्रवेश भी करना चाहते हैं तो इन्हीं मुहूर्त पर दिसंबर में नए घर में प्रवेश कर सकते हैं।

वास्तु दोष के नुकसान
वास्तु शास्त्र के अनुसार घर, दुकान या मकान में वास्तु दोष हो तो परिवार में क्लेश, घर के सदस्यों को आर्थिक नुकसान, आए दिन कोई न कोई बीमार रहता है। साथ ही घर में नकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

वास्तु शांति पूजा के लाभ
वास्तु शांति पूजा एक शक्तिशाली अनुष्ठान है, जिसके कराने से घर के अंदर की सभी नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है। साथ ही घर में सुख-शांति और मां लक्ष्मी का वास होता है।

शादी के बंधन में बंधी एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी

तमिल, तेलुगू और बॉलीवुड फिल्मों की पॉपुलर एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी शादी के बंधन में बंध गई हैं. उन्होंने जयपुर में अपने बिजनेस पार्टनर और दोस्त सोहेल खतुरिया के साथ सात फेरे लिए. हंसिका और सोहेल की शादी की पहली तस्वीरें भी सामने आई हैं. लाल जोड़े में एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं. इससे पहले उनकी प्री-वेडिंग तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे. हंसिका के फैंश और दोस्त शुभकामना संदेश शेयर कर रहे हैं. प्री-वेडिंग डे पार्टी में हंसिका को सफेद रंग की चमकदार पोशाक पहने देखा गया.

हंसिका के हस्बैंड सोहेल ने शेरवानी पहन सात फेरे लिए. शादी के बंधन में बंधने के बाद कपल को अलग-अलग गानों पर एक साथ डांस करते हुए देखा गया. ‘हल्दी’ रस्म के लिए भी दोनों ने व्हाइट फ्लोरल आउटफिट

पहना था. यह जोड़ी काफी खूबसूरत लग रही थी और अपने परिवार और दोस्तों के साथ मस्ती करती नजर आ रही थी. हंसिका ने अपने ‘संगीत’ समारोह से तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिसमें वह गुलाबी लहंगे में बहुत खूबसूरत लग रही थीं, जबकि सोहेल ने काली शेरवानी से सबको चौंका दिया.

कुछ दिन पहले, हंसिका ने अपने ‘मेहंदी’ समारोह और अपने दोस्तों के साथ बैचलरेट पार्टी से मनमोहक तस्वीरें और वीडियो भी साझा किए. हंसिका ने हिंदी फिल्मों में एक बाल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू किया और ‘देसमुदुरु’, ‘कांत्री’ और ‘मस्का’ सहित कई तेलुगू फिल्मों में अभिनय किया. वह तमिल फिल्मों, जैसे ‘मपिल्लई’ और ‘एंजेयुम कधल’ में भी नजर आ चुकी हैं. वह आगे ‘पार्टनर’, ‘105 मिनट्स’, ‘माई नेम इज श्रुति’ और ‘राउडी बेबी’ में भी नजर आने वाली हैं., सोहेल खतुरिया के साथ लिए सात फेरे।

एक्ट्रेसेस का नाम लेते वक्त करीना को भूले सैफ : बीच इंटरव्यू में करीना ने रोकते हुए कहा- अपनी वाइफ को भूल गए

सैफ अली खान और करीना कपूर हाल ही में सऊदी अरब में हुए रेड सी इंटरनेशनल अवार्ड में शामिल हुए। इस दौरान सैफ से फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के योगदान के बारे में पूछा गया। इस दौरान उन्होंने कई सारी एक्ट्रेसेस का नाम लिया लेकिन करीना का नाम नहीं लिया। तभी बगल में खड़ी करीना ने उन्हें टोकते हुए अपनी याद दिलाई। इस दौरान सैफ ने हंसते हुए करीना का भी जिक्र किया।

महिलाओं के बिना सिनेमा कुछ नहीं- सैफ

इवेंट में शामिल होने के दौरान सैफ से सिनेमा में महिलाओं के योगदान के बारे में पूछा गया। सवाल का जवाब देते हुए सैफ ने कहा- महिलाओं के बिना सिनेमा खाली है। जब आप सिनेमा के बारे में सोचते हो दिमाग में कई सारी लेडी एक्टर का नाम आता है जैसे मेरी पसंदीदा एक्ट्रेस मार्लेन डायट्रिच और ऑड्रे हेपबर्न से लेकर चार्लीज थेरॉन तक। तभी करीना ने सैफ को बीच में टोकते हुए कहा - और आपकी वाइफ जिसके जवाब में सैफ हंसते हुए कहते हैं- हां मेरी खूबसूरत वाइफ भी।

महिलाएं आज सभी क्षेत्र में आगे - करीना

सैफ अली खान ने इस दौरान अपनी मां का भी जिक्र किया। सैफ ने कहा - मेरी मां जब 16 साल की थीं तो उन्होंने सत्यजीत रे के साथ पहली फिल्म 'अपुर संसार' की थी। इसलिए मेरे लिए सिनेमा में महिलाएं बहुत मायने रखती हैं। करीना ने भी इस पहलू पर बोलते हुए कहा- दुनिया भर से महिलाएं इस इवेंट का हिस्सा बनने के लिए आ रही हैं। आज महिलाएं भारत की हो या कहीं की हो वो हर क्षेत्र में आगे हैं।

नेशनल क्रश रश्मिका ने एक बार फिर अपनी हॉटनेस से सोशल मीडिया पर मचाई सनसनी!

अपनी स्टाइलिश अदाओं के कारण एक्ट्रेस नेशनल क्रश बन चुकी हैं। साउथ फिल्मों के बाद अब बॉलीवुड में छाई हुई हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो रश्मिका मंदाना फिल्म 'पुष्पा 2' की शूटिंग बिजी है। साउथ फिल्मों के बाद बॉलीवुड में अपनी अदाकारी का जादू चलाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। वह अपनी बेहतरीन एक्टिंग के दम पर इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल कर चुकी हैं। फैंस उनकी हर अदा पर फिदा रहते हैं, जहां एक ओर दुनियाभर के फैंस उनकी फिल्मों के लिए उत्साहित रहते हैं। वहीं, लोगों को उनके हर नए लुक का भी बेसब्री से इंतजार रहता है।

इस समय नेशनल क्रश रश्मिका फिल्म 'पुष्पा 2' की शूटिंग बिजी है। रश्मिका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अपना हर लुक फैंस के साथ शेयर करती रहती है। अब फिर से उन्होंने अपने लेटेस्ट लुक की झलक फैंस को दिखाई है। रश्मिका ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह काफी हॉट और ग्लैमरस लग रही हैं।

लेटेस्ट तस्वीरों में रश्मिका को पैरेट ग्रीन कलर का कोट पहने दिखाई दे रही हैं। इसके साथ उन्होंने मैचिंग ब्रालेट कैरी की है। इस आउटफिट में एक्ट्रेस ने बाल खुले रखे हैं और स्मोकी मेकअप किया है। जिससे उनका ग्लो साफ नजर आ रहा है। एक्ट्रेस कैमरे के सामने अदाएं दिखाती नजर आ रही हैं, इस लुक में एक्ट्रेस काफी स्टाइलिश दिख रही हैं। रश्मिका की फोटो पर लोग जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। उन्होंने तस्वीर को शेयर करने के साथ ही लिखा, 'क्या आपने 'गुडबाय' को नेटफ्लिक्स पर परिवार के साथ देखी?'

वर्क फ्रंट की बात करे तो इस समय कई प्रोजेक्ट्स में काफी बिजी हैं, जिनमें साउथ फिल्मों के अलावा कई हिन्दी फिल्में भी हैं। रश्मिका जल्द ही 'पुष्पा 2' में दिखाई देंगी। इसके अलावा उनके वह 'मिशन मजनूं', 'वारिसू' और 'एनिमल' जैसी फिल्मों की शूटिंग में लगी हैं।

रेस्टोरेंट के बाहर ब्लू डेनिम जंपसूट में दिखीं ग्लैमरस जान्हवी

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर कभी एक्टिंग तो कभी उनके ग्लैमरस लुक के चलते आए दिन सुर्खियों में रहती हैं। इसी बीच जान्हवी को एक रेस्टोरेंट के बाहर स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में जान्हवी ब्लू डेनिम जंपसूट में नजर आई, जिसमें वो काफी ग्लैमरस लग रही हैं। सोशल मीडिया पर फैंस ने उनके इस वीडियो को खूब पसंद किया है। बता दें, एक्ट्रेस ने मुंबई के बांद्रा के डुप्लेक्स अपार्टमेंट में अपना एक नया घर खरीदा है, जिसकी कीमत लगभग 65 करोड़ बताई जा रही है। जाह्नवी के नए घर लेने की खबर के बाद फैंस और सेलेब्स उन्हें बधाई दे रहे हैं। वहीं उनकी कामयाबी की दुआ भी कर रहे हैं।

'मिस्टर एंड मिसेस माही' में नजर आएंगी जान्हवी

जान्हवी ने शशांक खेतान की फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में एक्टिंग करने के लिए श्री देवी ने उन्हें ट्रेनिंग दी थी। शूटिंग के दौरान ही जान्हवी ने कत्थक सीखा था। ये फिल्म 20 जुलाई 2018 में रिलीज हुई थी। वहीं जान्हवी की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वो फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेस माही', बवाल, तख्त, 'दोस्ताना 2' और 'किट्टी' में लीड रोल निभाएंगी।

दिशा पाटनी ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा, तस्वरी देख आहें भर रहे फैंस!

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी फिल्मों में भले ही कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही हैं लेकिन सोशल मीडिया पर उनका जलवा बरकरार है। दिशा अक्सर ही अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से बोल्ड एंड ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में दिशा ने एक बार फिर बोल्डनेस का तड़का लगाया है। इंस्टाग्राम पर दिशा पाटनी ने एक के बाद एक अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह स्विमिंग पूल में नजर आ रही हैं। तस्वीरों में दिशा पाटनी पिंक ब्लू कलर की प्रिंटेड बिकिनी में दिखाई दे रही हैं। तस्वीरों में दिशा का परफेक्ट फिगर देख फैंस उनकी तारीफ कर रहे हैं।

दिशा पाटनी की इन तस्वीरों में भले ही उनका चेहना नहीं दिख रहा है लेकिन उनकी अदाओं को देखकर लोग फिदा हो चुके हैं। दिशा को समंदर किनारे और स्विमिंग पूल में तस्वीरें क्लिक करवाने का शौक है। इन तस्वीरों में दिशा अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। कुछ ही देर में दिशा की तस्वीरों पर लाखों लाइक्स आ जाते हैं।

दिशा फिटनेस वीडियो की वजह से भी चर्चा में रहती हैं, परफेक्ट फिगर के लिए दिशा जिम में खूब पसीना बहाती हैं। दिशा अक्सर जिम में कसरत करते हुए या स्टंट करते हुए वीडियो शेयर करती हैं जिन्हें देखकर फैंस को भी फिट रहने की इंस्पिरेशन मिलती है। फिल्मी दुनिया में अपने दम पर पहचान बना चुकीं दिशा पाटनी बरेली की रहने वाली हैं। दिशा पाटनी एक्ट्रेस बनने से पहले पायलट बनना चाहती थीं, उनके पिता पुलिस ऑफिसर हैं और बहन आर्मी में हैं। दिशा ने एक्ट्रेस बनने से पहले लखनऊ की एमिटी यूनिवर्सिटी में बायोटेक की पढ़ाई की है। दिशा ने दिवंगत बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिल्म एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया था। दिशा पाटनी आखिरी बार फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' में नजर आई थीं। आने वाले समय में दिशा फिल्म 'योद्धा' में नजर आएंगी।

इंटीमेट होने के दौरान फिसलीं भोजपुरी हिरोइन पूनम दुबे, फैंस बोले- कभी...कभी

भोजपुरी ऐक्ट्रेस पूनम दुबे अपने बोल्ड लुक को लेकर इंटरनेट पर चर्चा में रहती हैं. पूनम को बोल्डनेस से कोई परहेज़ नहीं है. वे अक्सर बिकिनी में हदें पार करती नज़र आती हैं. फिल्मों के साथ-साथ एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी अपनी सेक्सी अदाओं के लिए जानी जाती हैं. पूनम के फैंस उनके बोल्ड वीडियो देखने के लिए बैचेन रहते हैं. पूनम दुबे का ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखा जा रहा है. हालांकि इसे देखकर आप भी मुस्कुरा देंगे. दरअसल, ये एक फिल्म का शूट है जिसमें पूनम को अपने को-स्टार के साथ इंटिमेट होना था.बता दें, भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में पूनम ने अपना अलग मुकाम हासिल कर लिया है। उन्हें आज क्षेत्रीय सिनेमा की टॉप की अभिनेत्रियों में गिना जाता है।

उर्फी ने खुद उड़ाया अपने कपड़ों का मजाक, बोलीं, “चीथड़े लपेट लिए”

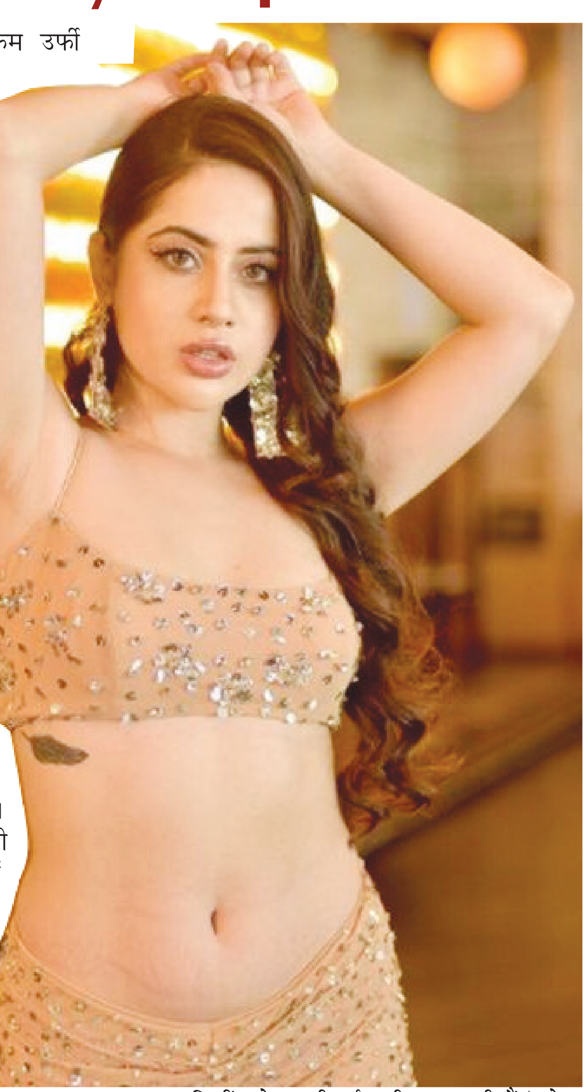

बिग बॉस ओटीटी फेम उर्फी जावेद अपने फैशन सेन्स को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। इतना ही नहीं अपने इस अनोखे फैशन की वजह से वो कई बार ट्रोलिंग का भी शिकार हो जाती हैं। उर्फी आए दिन कुछ न कुछ अनोखा पोस्ट करने के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस के इन बोल्ड लुक्स को देखकर नेटीजेंस खुदको कमेंट करने से रोक नहीं पाते। सिर्फ अपने फैशन को लेकर ही नहीं बल्कि अपने बेबाक अंदाज यानी अपने बयानों को लेकर भी उर्फी अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। कभी फूल-पत्ती या कभी अतरंगी ड्रेस पहन कर उर्फी अपने शरीर को ढकती हुई नजर आती हैं। लेकिन इस बार एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा किया है जिसकी वजह से वो सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड कर रहीं हैं और उनका यह वीडियो काफी सुर्खियां बटोर रहा है।

उर्फी ने अपने ही ड्रेस का उड़ाया मजाक

उर्फी जावेद हाल ही में एक रेस्टोरेंट के बहार स्पॉट हुईं जहां एक बार फिर वो बोल्ड अंदाज में दिखीं। उन्होंने ब्लैक कलर की कटआउट ड्रेस में देखी गईं, जिसे देखकर फैंस अंदाजा नहीं लगा पा रहे कि यह ड्रेस कहां से शुरू हुई है और कहां खत्म हो रही है। ये ड्रेस एक साइड से कवर तो एक साइड से ओपन है। इस ड्रेस के साथ वो अपने टैटू को भी फ्लॉन्ट करती नजर आईं। इसी दौरान जब पैपराजी ने पूछा कि उन्होंने यह क्या पहना है तो उर्फी अपना खुद का मजाक उड़ाती दिखीं। वो कहती हुई सुनी जा सकती हैं ‘हमेशा की तरह, बस कुछ न कुछ चीथड़े लपेटने थे, लपेट लिए”।

नेटीजेंस ने किया ट्रोल

उनके फैशन को देखकर यूजर्स खुदको कमेंट करने से रोक नहीं पाए हैं और एक बार फिर उर्फी को ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, ‘जब इसको खुद अनकंफर्टेबल फील हो रहा है। तो ऐसे कपड़े पहनी क्यों है’। दूसरे ने लिखा, ‘कम से कम पता तो कर लेती की पहना क्या है’। एक अन्य यूजर ने कहा, ‘क्या-क्या करती रहती है’।

बाजरे का आटा खाने से स्वस्थ लोगों में भी टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम

बाजरा टाइप-2 डायबिटीज का खतरा घटाता है और शरीर में ब्लड शुगर का स्तर पर भी कंट्रोल करने में मदद करता है। ऐसे लोग जो स्वस्थ हैं और बाजरे को खानपान में शामिल करते हैं उनमें इस बीमारी की आशंका कम हो जाती है।

यह दावा इंटरनेशनल क्रॉप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी एसिड ट्रॉपिक ने अपनी हालिया रिसर्च में किया है। 'फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन' जर्नल में पब्लिश रिसर्च के मुताबिक, बाजारा ब्लड शुगर के लेवल में 12 से 15 फीसदी तक कमी लाता है।

ऐसा क्यों है इसकी भी वजह जानिए

वैज्ञानिकों का कहना है, बाजरे का औसत ग्लाइसीमिक इंडेक्स 52.7 होता है। यह चावल और रिफाइंड गेहूं के मुकाबले 30 फीसदी तक कम होता है। वहीं, मुक्के के मुकाबले भी बाजरे का ग्लाइसीमिक इंडेक्स कम होता है। किसी चीज का ग्लाइसीमिक इंडेक्स जानकर पता लगाया जा सकता है वो चीज ब्लड शुगर लेवल कितना बढ़ाएगी और कितने समय में बढ़ाएगी। इसीलिए चावल, गेहूं और मक्के का ग्लाइसीमिक इंडेक्स बाजरे से ज्यादा होने के कारण इनसे ब्लड शुगर बढ़ने का खतरा ज्यादा है।

डाइबिटीज कंट्रोल करने में खानपान का अहम रोल

इंडियन नेशनल बोर्ड ऑफ न्यूट्रीशन के प्रतिनिधि और शोधकर्ता डॉ. राज भंडारी का कहना है, रिसर्च के दौरान अनाज को उबालकर, बेक करके और भाप में पकाकर देखा गया है। इसके बाद सामने आए नतीजों को पेश किया गया है। इंसान का खानपान डायबिटीज को कंट्रोल करने में अहम रोल अदा करता है।

एक सीनियर न्यूट्रिशन साइंटिस्ट का कहना है, रिसर्च में साबित हुआ है कि बाजारा ब्लड शुगर के लेवल को और डाइबिटीज के खतरे को कम करता है।

भारत, चीन और अमेरिका में डायबिटीज के रोगी ज्यादा

लैंसेट जर्नल में पब्लिश ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज की रिपोर्ट मुताबिक, 1990 से 2006 के बीच डायबिटीज के मामले तेजी से बढ़े थे। इंटरनेशनल डायबिटीज एसोसिएशन का कहना है, डायबिटीज के मामले दुनिया के हर हिस्से में बढ़ रहे हैं।

गुणों का भंडार पिस्ता

मिठाईयों की शोभा बढ़ाने वाला सूखा मेवा पिस्ता, कई लोगों की खास पसंद में शामिल होता है। स्वाद में तो यह बेमिसाल है ही, इसके फायदों को जानने के बाद आप इसे और भी पसंद करने लगेंगे। जानिए पिस्ता खाने के यह फायदे ...

चटख हरे रंग का आकर्षण पिस्ता, फाइबर, प्रोटीन, विटामिन सी, जिंक, कॉपर, पोटैशियम, आयरन, कैल्शियम और कई तरह पोषक तत्वों से भरपूर है। न केवल आपको सेहतमंद बनाए रखता है बल्कि कई बीमारियों को आपसे दूर रखता है। इसमें मौजूद जरूरी फैटी एसिड्स आपकी त्वचा में स्निग्धता बनाए रखने में मददगार साबित होते हैं, जिससे नैचुरल दमक बरकरार रहती है। इसके अलावा शरीर के अंगों में भी स्निग्धता के लिए यह फायदेमंद है।

पिस्ता में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो आपको जवां बनाए रखने के साथ ही आंखों की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह त्वचा में पड़ने वाली झुर्रियों की गति को धीमा करते हैं।

बालों को झड़ने से बचाने के लिए पिस्ता लाभकारी है। आप चाहें तो इसे अपनी डाइट में शामिल कर लें, या फिर इसका पेस्ट बनाकर मास्क की तरह बालों में लगाएं।

धूप के दुष्प्रभाव से बचने के लिए भी पिस्ता का प्रयोग काफी मददगार होता है। इसे चारोली के साथ दूध में पीसकर पेस्ट तैयार करें और पैक की तरह लगाएं।

नियमित ऐसा करने से त्वचा का रंग हल्का होने लगेगा। पिस्ता में अत्यधिक मात्रा में फाइबर होता है, जो कि किसी भी व्यक्ति को लंबे समय तक भरे पेट रखने के लिए काफी होता है इसलिए इसके सेवन से वजन को नियंत्रण में रखा जा सकता है।

पिस्ता खाने से हृदय संबधित बीमारियां नहीं होती हैं, क्योंकि पिस्ते में फेटी एसिड पाया जाता है, जो हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

रोजाना मखाना खाने से होते हैं फायदे, इन बीमारियों से मिलेगा छुटकारा

मखाना हमारे सेहत के लिए फायदेमंद होता है. ये हम सभी जानते हैं, लेकिन इसके क्या-क्या फायदे होते हैं. ये आज हम आपको बताने जा रहे हैं, हमारे शरीर को पोषण तत्वों की जरूरत होती है लेकिन सही मात्रा का भी होना जरूरी है.

पाचन शक्ति बेहतर होता है

रिसर्च के अनुसार, मखाने में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटी ट्यूमर प्रभाव पाए जाते हैं. इसके साथ ही इसका सेवन बुखार में किया जाता है. हमारे पाचन शक्ति को सही रखता है.

वजन घटाने में करता है मदद

मखाने का सेवन वजन घटाने में किया जाता है. मोटापे की समस्या से छुटकारा दिलाने में मददगार साबित हो सकता है. फैट सेल्स के वजन को भी कम कर सकता है.

बीपी को नॉर्मल रखने में करता है मदद

ब्लड प्रेशर के लिए भी मखाने के भी कई फायदे हैं. नियमित सेवन से इस गंभीर समस्या से काफी हद तक राहत पाई जा सकती है.

अच्छी मात्रा में होती है प्रोटिन

मखाने में प्रोटीन की काफी मात्रा पाई जाती है. मखाना खाने से प्रोटीन की कमी नहीं होती. इसलिए सही मात्रा में मखाने का सेवन करना चाहिए.

कई बीमारियों का इलाज है हींग का पानी, रोजाना पीने पर सभी रोग होंगे छूमंतर

हींग में एंटीवायरल, एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गण पाए जाते हैं. हींग पाचन शक्ति को मजबूत भी करता है और हींग के पानी को पीने के कई फायदे होते हैं जिसके बारे में हम आपको आज बताने वाले हैं. हींग को अक्सर खाने में इस्तेमाल किया जाता है जो कि कई औषधिय गुणों से भरपूर होता है. हींग जहां खाने के स्वाद को बढ़ाने का काम करता है वहीं यह सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है. हींग में एंटीवायरल, एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गण पाए जाते हैं. हींग पाचन शक्ति को मजबूत भी करता है और हींग के पानी को पीने के कई फायदे होते हैं जिसके बारे में हम आपको आज बताने वाले हैं.

* वजन घटाने में हींग का पानी पीने के बाद शरीर की पाचन शक्ति बढ़ती है जो कि शरीर में फैट को जमा होने नहीं देता है. वहीं यह शुरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कंट्रोल करता है.

* हींग कब्ज की समस्या से भी राहत दिलाता है. रात में सोने से पहले हींग के चूर्ण को पानी में मिलाकर पीने से आपको इसके फायदे नजर आने लगेंगे.

* अगर आपके कन में दर्द रहता है तो हींग को तेल में गर्म करके उसकी एकदो बूंद को अपनी कान में डालें जिससे आपको राहत मिलेगा.

* अगर आपको भूख नहीं लगती या भूख लगना कम हो गया है, तो भोजन करने से पहले हींग को घी में भूनकर अदरक और मक्खन के साथ लेने से फायदा होगा और भूख खुलकर लगेगी.

* हींग खून में शुगर लेवल को बनाए रखता है और डायबिटीज से बचाने का काम करता है.

* हींग को पानी में पकाकर इसके सेवन से शरीर में ब्लैडर और किडनी को बीमारियों से बचाती है और यूरीन इंफेक्शन से भी बचाती है।

डिलीवरी से नवजात की सेहत का कनेक्शन

ब्रिटेन की बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने रिसर्च में किया दावा।

आंतों के बैक्टीरिया नवजात में न होने पर एलर्जी और डायबिटीज का खतरा बढ़ाता है।

सीजेरियन ऑपरेशन से होने वाले बच्चों की रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। इन्हें ऐसे बैक्टीरिया नहीं मिल पाते हैं जो उनके लिए फायदेमंद हैं। इसलिए डॉक्टर सोच रहे हैं कि उनके शरीर में कैसे इस जरूरी बैक्टीरिया की कमी को पूरा किया जाए। यह रिसर्च फिनलैंड की हेलसिंकी यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने की है।

इसलिए ये बैक्टीरिया जरूरी

सीजेरियन ऑपरेशन से जन्म लेने वाले बच्चों की एक कमी को दूर करने की कोशिश हो रही है। नवजात शिशु को कई तरह के द्रव और मल का अंश भी अपनी मां से मिलता है। इस बात के सबूत मिल रहे हैं कि शिशुओं को बैक्टीरिया से भरपूर मल से फायदा है। वे बच्चे के इम्यून सिस्टम के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ऐसे बैक्टीरिया के बिना एलर्जी और टाइप-1 डायबिटीज जैसी गड़बड़ियां पैदा हो सकती हैं। आंत के तत्व पेचीदा कार्बोहाइड्रेट्स जैसी खाने-पीने की कुछ चीजों को पचाने में मदद करते हैं। इनमें असंतुलन से मोटापे जैसे विकार पैदा हो सकते हैं।

पहले शोधकर्ता मां से बैक्टीरिया निकालकर को नवजात शिशुओं के चेहरों पर लगाते थे। इससे कोई नतीजा नहीं निकला। हेलसिंकी यूनिवर्सिटी के डॉ. विलेम डी वोस और डॉ. स्ट्यूर एंडरसन ने शिशुओं को मां की आंत के बैक्टीरिया को दूध के साथ देने का परीक्षण किया है। इस उद्देश्य के लिए सीजेरियन से बच्चों को जन्म देने वाली सात माताओं का चयन किया गया। हर शिशु को सीरिंज से मां के दूध के साथ मां से तीन सप्ताह पहले एकत्र मल के अंश की डोज दी गई।

पत्ता गोभी के फायदे जानकर आज से ही खाना शुरू कर देंगे

अगर आप भी पत्ता गोभी खाने में आनाकानी करते हैं तो जान लीजिए इसमें हैं कई ऐसे गुण जो आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं, इसके फायदे जानकर आज से ही खाना शुरू कर देंगे-

* पत्ता गोभी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण शरीर को कई समस्याओं से बचाने में मदद कर सकते हैं. इसमें विटामिन, मिनरल, फाइबर और फाइटोन्यूट्रिएंट्स भरपूर होते हैं. ये वजन को कम करने में भी मददगार है.

* पाचन की समस्या से परेशान हैं तो डाइट में पत्ता गोभी को शामिल करें. ये स्वाद के साथ पाचन के लिए भी अच्छी मानी जाती है. पत्ता गोभी में फाइबर, एंथोसायनिन, पॉलीफेनोल होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर रखने में मदद कर सकते हैं.

* पत्ता गोभी में विटामिन सी पाया जाता है. विटामिन सी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मददगार माना जाता है. असल में मजबूत इम्यूनिटी शरीर को कई मौसमी संक्रमण से बचाने में मदद कर सकती है.

* पत्ता गोभी में एंथोसायनिन पॉलीफेनोल में एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि होती है, जो कार्डियक ऑक्सीडेंटिव स्ट्रेस को कम करके हार्ट को हेल्दी रखने में मदद कर सकती है.

* पत्ता गोभी में विटामिन, मिनरल और फाइबर के गुण पाए जाते हैं जो बारबार लगने वाली भूख से बचाने का काम कर सकते हैं. पत्ता गोभी को डाइट में शामिल कर वजन को कंट्रोल कर सकते हैं.

* डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद है पत्ता गोभी. आपको बता दें कि पत्ता गोभी के अर्क में मौजूद एंटीहाइपरग्लिसेमिक इफेक्ट, जो ग्लूकोज टॉलरेंस में सुधार करने और इंसुलिन के स्तर को बढ़ाने का काम कर सकता है.

* पत्ता गोभी को सब्जी बनाने से लेकर कई व्यंजनों में गार्निशिंग तक के लिए इस्तेमाल किया जाता है. पत्ता गोभी कई रंगों में मिलती है.

* सर्दियों में बाजार में पत्तागोभी प्रचुर मात्रा में आती है. यूं तो पत्तागोभी को आपने हरे रंग का ही देखा होगा, पर बाजार में अब लाल पत्तागोभी भी आने लगी है. ये पत्तागोभी न केवल रंग में बल्कि पोषक तत्वों में भी हरी पत्तागोभी से भिन्न होती है.

आपको भूख कम लगती है या थकान होती है तो हो सकती है खून की कमी

एनीमिया भारतीय महिलाओं की आम दिक़्क़त है, जिसके चलते संपूर्ण स्वास्थ्य प्रभावित होता है। हालांकि खानपान में थोड़ी जागरूकता लाकर और लोहे के बर्तनों में भोजन पकाकर इससे निजात पाई जा सकती है।पचास प्रतिशत भारतीय महिलाओं में किसी ना किसी स्तर पर ख़ून की कमी देखी गई है। इसे एनीमिया कहा जाता है। जब ख़ून की जांच की जाती है, तो हीमोग्लोबिन नापा जाता है। हीमोग्लोबिन दो शब्दों से बना है हीम और ग्लोबिन। हीम यानी लौह लवण या आयरन और ग्लोबिन अर्थात प्रोटीन। परंतु इसके अलावा भी फॉलिक एसिड, विटामिन बी 12 ज़रूरी होते हैं।

एनीमिया के लक्षण जानें

एनीमिया के लक्षण आसानी से पहचान में नहीं आते। शुरू-शुरू में थोड़ा चिड़चिड़ापन और थकावट लगती है फिर धीरे-धीरे करके भूख भी कम होने लगती है। चेहरे, हथेलियों, नाखूनों और आंखों का गुलाबीपन, जो ख़ून के कारण होता है, वो ग़ायब हो जाता है। ये सारे लक्षण एनीमिया के हैं। जब स्थिति बिगड़ जाती है तो दिल की धड़कन तेज़ हो जाती है, सांस फूलने लगती है, नाखूनों का आकार बदलने लगता है और पैरों में सूजन भी आने लगती है। इस कमी को हल्के में ना लें। एनीमिया से ग्रसित स्त्री जब गर्भधारण करती है, तो उसे और शिशु को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। हर माह पांच दिन के मासिक के दौरान भी जो ख़ून जाता है उससे भी आयरन निकल जाता है और इसकी पूर्ति बाक़ी के 25 दिनों में करना ज़रूरी है।

ऐसे पूरी करें ख़ून की कमी

ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जो आयरन, फॉलिक एसिड आदि देते हैं। परंतु शाकाहारी आयरन को अवशोषित करने के लिए शरीर को साथ में विटामिन सी से भरपूर भोज्य पदार्थों की भी आवश्यकता होती है। चावल का मुरमुरा, पोहा, दालों में भुने चने, मोठ, लोबिया आयरन के बहुत अच्छे स्रोत होते हैं। अंकुरित दालों का आयरन शरीर के त्वरित उपयोग के लिए उत्तम है। इसके साथ-साथ तिल, मुनक्का, छुआरा, किशमिश अच्छे स्रोत होते हैं आयरन के। इसी के साथ खाने में विटामिन सी युक्त हरी मिर्च, आंवला, नींबू, कच्चा टमाटर या अमरूद की चटनी आदि लें। इससे आप भोजन में पाए जाने वाले आयरन को अवशोषित कर सकेंगी। इसीलिए भुने चने और मुरमुरे की भेल या पोहे पर हमेशा से नींबू निचोड़ा जाता है। अगर आपको ख़ून की कमी से ख़ुद को बचाना है तो ऊपर बताई गई वस्तुओं में से कम से कम दो वस्तुओं का सेवन रोज़ करें। एक और आसान तरीक़ा है कि अपने भोजन को लोहे के बर्तन में पकाएं या दस से पंद्रह मिनट तक ऐसे बर्तन में भोजन को गर्म करें और विटामिन सी युक्त वस्तु के साथ खाएं।

स्किन क्लींजर भी है सरसों का तेल, मेकअप रिमूवर की तरह कर सकते हैं इसका इस्तेमाल, इससे दांतों की शाइनिंग बढ़ती है

सरसों का तेल दांतों को साफ करने वाला नैचुरल एजेंट भी है

इस तेल की मालिश करने से बाल झड़ना और फ्रिज़ी हेयर की समस्या काफी हद तक थम जाती है

सरसों के तेल में खाना बनाना हार्ट के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन ठंड के मौसम में इसे ब्यूटी एजेंट की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

1. ठंड में स्किन को डीप क्लीन करने के लिए इससे बेहतर क्लेंजर नहीं है। मेकअप रिमूवर की तरह भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

2. यह दांतों को साफ करने वाला नैचुरल एजेंट भी है। नींबू के रस और नमक के साथ मस्टर्ड ऑइल मिक्स करके दांतों पर मालिश करने से दातों में शाइनिंग और मजबूती आती है।

3. बालों में इन दिनों केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स बहुत लगाए जाते हैं। केमिकल के असर को कुछ हद तक कम कर संतुलन बनाए रखने के लिए ठंड के मौसम में हर हफ्ते बालों में मस्टर्ड ऑइल की वॉर्म मसाज करने से बाल झड़ना और फ्रिज़ी हेयर की समस्या काफी हद तक थम जाती है।

4. चेहरे पर एक्ने और रैशेज हैं तो मस्टर्ड ऑइल की कुछ बूंदें लेकर 10 से 15 मिनट तक मसाज करने से स्किन हेल्दी बनी रहेगी और ग्लो भी करेगी। इस तेल में एंटी-बैक्टीरियल प्रॉपर्टीज़ भी होती हैं, जिससे स्किन साफ रहती है। ठंड के दिनों में मस्टर्ड ऑइल की मसाज से स्किन पर मौजूद डार्क स्पॉट्स और पिगमेंटेशन कम होता है।

आवाज बैठने पर कोई आयुर्वेद उपाय बताएं

प्रश्न : मेरी उम्र 70 वर्ष है। शरीर वैसे स्वस्थ है, पर पिछले एक माह से रक्तचाप बढ़ा हुआ है। भोजन में कौन सी चीजें खाने और कौन सी चीजें कम करनी चाहिए ? साथ ही सरल उपचार बताएं।

- श्रीमती रमादेवी, महबूबनगर

उत्तर : आहार का रक्तचाप से गहरा संबंध है । वैसे आपकी आयु में सामान्यतः बीपी 140/90 एम एम हेचजी रहना चाहिए। इस स्तर से बढ़ने पर भोजन में परिवर्तन और हल्की दवा-दोनों का ही प्रयोग करना चाहिए।

मौसमी ताजी सब्जियां और फलों का प्रयोग करें। नमक की मात्रा को कम से कम कर दे । अचार, चटनियां, पापड़ व नमकीन पर रोक लगाएं। तले पदार्थ बंद करें। दूध फुल क्रीम लेने के बजाय डबल टोंड लेवें। स्नैक्स के बजाय सलाद लेवें। नित्य हल्के-फुल्के व्यायाम और प्राणायाम का अभ्यास करें। दिनभर की सक्रियता में से कुछ समय समुचित विश्राम किया करें। किसी भी प्रकार के तनाव से बचें। ईश्वर में पूरा विश्वास रखें। अपनी सोच सकारात्मक रखें। औषधियों में सर्पगंधा घनवटी टिकियां और औरा टेंसट्रीम टिकियां रात सोते समय गाय के दूध से लेकर आराम करें। भोजन के बाद ऊंझा अर्जुनारिष्ट एवं पुनर्नवासव 10-10 मिलीलीटर की मात्रा में लेकर दो गुना पानी मिलाकर सेवन करें। शवासन का प्रयोग भी शरीर की थकान मिटा कर शरीर को ताजा एवं सक्रिय रखता है।

प्रश्न : मैं 40 वर्षीय अध्यापक हूं। दो पीरियड्स लेने के बाद मेरी आवाज बैठने लगती है। अंग्रेजी डॉक्टर से दवा ले - ले कर थक गया हूं । कोई आयुर्वेद में कारगर उपाय बताएं।

- प्रभाकर राव, सिकंदराबाद

उत्तर : हमारा स्वर यंत्र एक फूटने वाले यंत्र की तरह कार्य करता है। इसलिए स्वस्थ ध्वनि की उपज के लिए जरूरी है कि हम बोलने से पहले फेफड़ों में काफी मात्रा में हवा भरें। जिन लोगों को लंबे समय तक लगातार बोलने की जरूरत पड़ती है, उनमें कुछ समय के बाद स्वर यंत्र में छोटे-छोटे उभार पनपने की संभावना रहती है। इन्हीं नन्हे उभारों के कारण आवाज बैठने लगती है। इससे बचने के लिए सांसों का व्यायाम ₹प्राणायाम₹ नित्य करें। गहरी सांस खींचे, उसे रोके और फिर छोड़ें। ऐसा हर रोज 30 मिनट किया करें । ऊंझा खदिरादि वटी चूसे। कंठ सुधार वटी को चूसने से भी लाभ मिलता है । यष्टिमधु घनवटी भी चूसी जा सकती है। स्वर यंत्र के उभार में कांचनार गुग्गुलु वह ऊंझा महामंजिष्ठादिघन टिकियां भोजन के बाद 40 दिन तक लेवें। भोजन करने के बाद गुनगुने पानी में हल्दी डालकर कुल्ला किया करें। इससे स्वर बैठना या गला खराब होना ठीक हो जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 47 वर्ष है मेरे पारिवारिक डॉक्टर की सलाह पर मैंने लिपिड प्रोफाइल कराई थी उसमें ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर काफी बढ़ा हुआ(535mg/dl) था। कृपा करें ऐसे उपाय बताएं कि मैं इसे कंट्रोल कर सकूं।

- विद्यासागर नायडू, हैदराबाद

उत्तर : सामान्य रूप से स्वस्थ व्यक्ति के खून में ट्राइग्लिसराइड्स 150 मिलीग्राम/ डेसी लीटर से कम रहना चाहिए । आपका ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर निश्चित रूप से सामान्य से अधिक हैं । खानपान में सावधानियां बरतने से आप इसे नियंत्रित कर सकते हैं।

पहले आप भोजन की मात्रा कम करें। जिन खाद्य पदार्थों में अधिक कैलोरी मिलती है उसको पूरा बंद करें। तले पदार्थ, मिठाईयां, फास्ट फूड ,जंक फूड ,आलू टिक्की, पिज़्ज़ा, बर्गर, पकोड़े, समोसे, छोले भटूरे, कचौड़ी, पूरी, मठरी, दूध के पदार्थ, घी , मलाई आदि को बंद करें । फल, हरी सब्जियां, सलाद, लहसुन, अलसी के बीजों की बनी हुई सूखी चटनी, छिलकेदार दालें , चोकर युक्त आटे की रोटी या फुल्के, इसबगोल आदि का प्रयोग करें। नित्य कसरत करें। प्रातः काल पहले तेज पैदल चलें। एरोबिक्स करें। नृत्य करें । तैरे, जो भी व्यायाम आप कर सकते हैं, अवश्य करें । भोजन के पहले और बाद में गुनगुना पानी पिया करें । ऊंझा मेदोहर गुग्गुलु, शुद्ध गुग्गुलु के संग ऊंझा आरोग्यवर्धिनी रस टेबलेट का प्रयोग करें। भोजन के बाद ऊंझा अर्जुनारिष्ट और त्रिफलारिष्ट के10-10 मिलीलीटर दवा को गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से शरीर में हल्का बनाता है और चर्बी का क्षय होता है।

सर्दियों में सरसों के तेल की मालिश की जाती है जो चर्बी को नियंत्रण में रखती है। उपरोक्त दवाओं के संग कसरत करने से पूरा पूरा लाभ मिलता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :

purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

भारत के सेवा क्षेत्र के उत्पादन में रिकॉर्ड वृद्धि, नवंबर में तीन महीने के अपने उच्चतम स्तर पहुंचा

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। सोमवार को एक मासिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत के सेवा क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि नवंबर में तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि अनुकूल मांग की स्थिति के बीच व्यापार प्रवाह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस वृद्धि का संकेत तब मिला जब एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अक्तूबर में 55.1 से बढ़कर नवंबर में 56.4 हो गया। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले लोग नवीनतम विस्तार को मांग शक्ति,

सफल विपणन और बिक्री में निरंतर वृद्धि से जोड़ते हैं। लगातार 16वें महीने, हेडलाइन का आंकड़ा तटस्थ 50 की सीमा से ऊपर था। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में, 50 से ऊपर के इंडेक्स का मतलब विस्तार होता है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दर्शाता है।एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में इकोनॉमिक्स एसोसिएट डायरेक्टर पोलियाना डी लीमा ने कहा कि भारतीय सेवा प्रदाताओं ने 2022 के पीएमआई डेटा के साथ नए कारोबार और आउटपुट में तेजी से वृद्धि दिखाते हुए मजबूत घरेलू मांग का लाभ उठाना जारी रखा।

'पहले बड़ी मछलियों पर करें कार्रवाई'

नशीले पदार्थों की तस्करी पर बोलीं वित्तमंत्री

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को प्रवर्तन एजेंसियों से नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल 'बड़ी मछलियों' पर कार्रवाई करने को कहा और कहा कि उन्हें यह पता लगाने की जरूरत है कि देश में अवैध ड्रग्स का 'पहाड़' कौन भेज रहा है। मंत्री ने कहा कि राजस्व खुफिया अधिकारियों को प्रत्येक मामले को जल्द से जल्द तार्किक निष्कर्ष पर लाने का प्रयास करना चाहिए, यह कहते हुए कि तस्कर निश्चित रूप से कुछ संकेत या कार्यप्रणाली छोड़ देंगे और इसका उपयोग मुख्य संचालकों तक पहुंचने के लिए किया जाना चाहिए जो वास्तव में ऑपरेशन के पीछे हैं। सीतारमण ने कहा कि आप छोटे-छोटे फेरीवालों, तस्करों, खच्चरों को पकड़ रहे हैं। क्या यह पर्याप्त है? जनता का विश्वास हासिल करने के लिए यह बिल्कुल भी पर्याप्त नहीं है। क्या आप ऐसे मामलों के बड़े संचालकों को आमने-सामने लाने में सक्षम हैं जो पर्दे के पीछे हैं। मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि डीआरआई अधिकारी अपराध के मुख्य अपराधियों तक पहुंचने के लिए खुफिया जानकारी साझा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग और अधिक वैश्विक समन्वय के लिए अधिक पहुंच का निर्माण करें। आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि तस्कर आपसे अधिक चालक न हों: वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, 'आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि तस्कर आपसे अधिक चालक न हों। हमें कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। नशीले पदार्थों के पाउच या एक किलोग्राम कोकीन के साथ किसी को पकड़ लेना पर्याप्त नहीं है। देश में नशीले पदार्थों के पहाड़ को कौन भेज रहा है, जो इसके लिए पैसे लगा रहा है... और इसे संभव बना रहा है, उसे पकड़ना होगा।' हाल के महीनों में गुजरात के बंदरगाहों पर भारी मात्रा में ड्रग्स पकड़े जाने की पृष्ठभूमि में उनका यह बयान आया है। पिछले हफ्ते गुजरात में लगभग 478 करोड़ रुपये की 143 किलोग्राम ड्रग्स जब्त की गई थी। उन्होंने कहा कि डीआरआई द्वारा नशीले पदार्थों की जब्ती की खबरें भी लोगों के मन में सवाल उठाती हैं कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से कितने जेल गए, और वास्तव में इसके पीछे कौन है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृश्चिक	में	वृश्चिक.	05-08	बजे
चंद्र-	मेष	में	धनु---	07-22	बजे
मंगल	वृष	में	मकर-	09-26	बजे
बुध-	वृश्चिक	में	कुंभ -	11-27	बजे
गुरु-	मीन	में	मीन...	12-55	बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	मेष--	14-30	बजे
शनि-	मकर	में	वृष--	16-16	बजे
राहु-	मेष	में	मिथुन..	18-17	बजे
केतु-	तुला	में	कर्क...	20-28	बजे
			सिंह...	22-41	बजे
			कन्या..	23-51	बजे
			तुला	02-57	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी **- 06 -47** अहोरात्र तक
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष, मंगलवार **Dec 06**
नक्षत्र - भरणी **-08 - 28** - तक उपरान्त कृत्तिका
योग - शिव - **02 - 51** - तक उप- सिद्ध
करण- गर - **19 - 21** - तक उप- वणिज
विशेष:- व्रत -त्योहार - पिशाच मोचन श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:54 से 16:17 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग.	06:36 - 07:57	अशुभ	काल	17:40 - 19:17	अशुभ
उत्पात	07:57 - 09:21	अशुभ	लाभ	19:17 - 20:54	शुभ
चंचल	09:21 - 10:44	शुभ	उत्पात	20:54 - 22:31	अशुभ
लाभ	10:44 - 12:07	शुभ	शुभ	22:31 - 00:07	शुभ
अमृत	12:07 - 13:30	शुभ	अमृत	00:07 - 01:44	शुभ
काल	13:30 - 14:54	अशुभ	चंचल	01:44 - 03:21	शुभ
शुभ	14:54 - 16:17	शुभ	रोग	03:21 - 04:58	अशुभ
रोग	16:17 - 17:37	अशुभ	काल	04:58 - 06:36	अशुभ

रिजर्व बैंक जल्द तय करेगा आपके कर्ज पर ब्याज

गवर्नर की अगुवाई में बैठक शुरू

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटिरी पॉलिसी कमेटी की बैठक आज से शुरू हो चुकी है। 5 से 7 दिसंबर तक चलने वाली इस तीन दिवसीय बैठक में केंद्रीय बैंक एक बार फिर से रेपो रेट में वृद्धि कर सकता है। लेकिन, एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस बार रेपो रेट में पिछली बार से कम बढ़ोतरी आरबीआई करेगा। एमपीसी की पिछली तीन बैठकों में ब्याज दरों में 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी हर बार की गई थी।

इस बार केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में 0.25 से 0.35 फीसदी की बढ़ोतरी कर सकता है। केंद्रीय बैंक के इस बार रेपो रेट में बढ़ोतरी को लेकर नरम रुख अपनाने के कई कारण है। देश में महंगाई घटी है और इंटरनेशनल मार्केट में भी कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई है। हालांकि, देश में महंगाई दर अभी भी रिजर्व बैंक की तय सीमा से ऊपर बनी हुई है। इसके अलावा कई रेटिंग एजेंसियों ने भारत की जीडीपी की विकास दर अनुमान को घटाया है। जानकारों का मानना है कि ब्याज दरें बढ़ने से अर्थव्यवस्था में ओर सुस्ती आ सकती है।

35 आधार अंकों की बढ़ोतरी

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, डॉयचे बैंक के अर्थशास्त्री कौशिक दास का कहना है कि दिसंबर मीटिंग में रिजर्व बैंक रेपो रेट में 35 आधार अंकों की बढ़ोतरी कर सकता है। इस कैलेंडर वर्ष के अंत तक रेपो रेट बढ़कर 6.25 फीसदी हो सकता है।

इसी तरह अर्थशास्त्री राहुल बजोरिया का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था उधार पर काफी निर्भर है। ब्याज दरों में बढोतरी का इस पर बहुत असर होता है। कमोडिटी की कीमतों में कमी और वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती को देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि इस बार रेपो रेट में कम वद्धि होगी। बैंक ऑफ बड़ौदा के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनवीस का कहना है कि इस मीटिंग में भी दरों में बढ़ोतरी होगी। हालांकि, यह वृद्धि 0.25 से 0।35 फीसदी तक ही होगी। रेपो रेट इस वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी पर पहुंच सकता है।

मई से अब तक 1.90 फीसदी की बढ़ोतरी

घरेलू फेक्टर्स के अलावा एमपीसी अमेरिका के फेडरल रिजर्व का अनुसरण कर सकती है जिसने इस महीने के अंत में रेट्स में कुछ कम वृद्धि करने के संकेत दिए हैं। रिजर्व बैंक ने इस

साल मई से रेपो रेट में 1.90 फीसदी की बढ़ोतरी की है। हालांकि, इसके बावजूद महंगाई जनवरी से ही 6 फीसदी के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं।अब सारी चीजों को व्यंवस्थित करने का समय है। आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए। नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी।इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है।आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें।इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आप आज सकारात्मक उर्जा से भरे हुए हैं।हालाँकि आपका उद्देश्य अच्छा है परन्तु आपकी बातों का हर स्थान पर स्वागत नही होगा। आपको अपनी प्रवृति का उपयोग अपने आप को ख़ुशी देने के लिए भी करना चाहिए और आज आप अपने ऊपर अच्छी खासी रकम खर्च कर सकते हैं

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं।अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें। पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें। आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी। इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा।आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं। आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे। आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं। आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं। जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे। आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज आपकी किस्मत आपके साथ है। आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे। सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें। आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा। खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें। आज कोई दोस्त मिल सकता है।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे। जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें। पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें। अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा। आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें। आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं। आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा। अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आपकी निजी और कामकाजी जिन्दगी में कुछ बदलाव आने वाले हैं जिनसे आप असुरक्षित और चिंतित महसूस करेंगे। लेकिन इसे अपने ऊपर हावी ना होने दें और संतुलन बनाये रखें।कोई आपसे बदला लेने की कोशिश में है,इससे स्थिति और भी खराब हो सकती है।आज आपको अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी कई जांचें करानी पड़ सकती हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है।लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें। हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है। अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

प्रवासी कामगारों ने भारत भेजा सबसे ज्यादा पैसा

पहली बार किसी देश का रेमिटेंस 100 अरब डॉलर

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत रेमिटेंस (प्रवासी द्वारा अपने मूल देश भेजा जाने वाला पैसा) अर्जित करने में अन्य देशों के मुकाबले सबसे आगे है। वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में भारत का रेमिटेंस 100 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद है।

पिछले साल की तुलना में यह 7.5 प्रतिशत से बढ़कर 12 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2021 में 89.4 अरब डॉलर रेमिटेंस भारत आया था, जो 2022 में 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। वहीं, भारत के बाद रेमिटेंस अर्जित करने वाले देशों में मैक्सिको, चीन, फिलीपींस, मिस्र व पाकिस्तान के टॉप टेन में रहने की उम्मीद है। इसमें मैक्सिको का 60 अरब डॉलर, चीन का 51 अरब डॉलर, फिलीपींस का 38 अरब डॉलर, मिस्र का 32 अरब डॉलर और पाकिस्तान का 29 अरब डॉलर रेमिटेंस आने की उम्मीद जताई गई है।

दक्षिण एशिया में 3.5 प्रतिशत बढ़ा रेमिटेंस

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि क्षेत्रीय स्तर पर दक्षिण एशिया में रेमिटेंस इस साल करीब 3.5 प्रतिशत बढ़कर 163 अरब डॉलर पहुंच गया है। हालांकि, सभी देशों के बीची बड़ी असमानता है। प्रवासी कामगारों द्वारा भारत को भेजी जाने वाली रकम में 12 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है, वहीं नेपाल के रेमिटेंस में केवल चार प्रतिशत की बढ़ोतरी हो रही है। इसके अलावा श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट की आशंका है।

सोना जबरदस्त बढ़त के बाद 54,000 रुपये के पार

चांदी भी 850 रुपये उछली, आज के ताजा भाव

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने के भाव में आज जोरदार तेजी देखी जा रही है और चांदी के रेट में भी जबरदस्त उछाल दर्ज किया जा रहा है। सोना 54,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया है और अब इसके ऑलटाइम हाई के पास पहुंचने के संकेत बन रहे हैं।अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी सोना जोरदर तेजी के साथ कारोबार कर रहा है और चांदी एक फीसदी से ज्यादा उछाल के साथ ट्रेड कर रही है।

कैसे हैं आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के दाम देखें तो इसमें शानदार तेजी के साथ कारोबार हो रहा है।इसके दाम में 350 रुपये से ज्यादा का उछाल दर्ज किया गया है।आज एमसीएक्स पर सोना फरवरी वायदा 362 रुपये या 0.67 फीसदी की उछाल के साथ 54212 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के दाम देखें तो ये 850-900 रुपये प्रति किलो से भी ज्यादा की बढ़त दिखा रही है।इस समय चांदी फरवरी वायदा के रेट 851 रुपये या 1.28 फीसदी की उछाल के साथ 67300 रुपये प्रति किलो के लेवल पर आ चुके हैं।चांदी में ये जोरदार उछाल ग्लोबल इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ने के कारण देखी जा रही है।

ग्लोबल बाजार में सोना और चांदी के दाम उछले

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी आज बढ़त पर ही हैं और कॉमैक्स पर सोना 11.15 डॉलर या 0.62 फीसदी की उछाल के साथ 1,820.75 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है।वहीं कॉमैक्स पर चांदी 0.235 डॉलर या 1.01 फीसदी की मजबूती के साथ 23.485 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है।शेयर इंडिया के वीपी, हेड ऑफ रिसर्च डॉ रवि सिंह का कहना है कि सोने के लिए आज तेजी का नजरिया ही बन रहा है।गोल्ड के रेट आज 53850-53900 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब खुलने के बाद 53600-54200 रुपये प्रति 10 ग्राम की रेंज में कारोबार कर सकते हैं।

सेंसेक्स 33 अंक गिरकर 62,834 पर बंद हुआ

रिलायंस और टाटा मोटर्स टॉप लूजर्स

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन, यानी सोमवार (5 दिसंबर) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 33 अंकों की गिरावट के साथ 62,834 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार में लगातार दूसरे दिन यह गिरावट आई है। वहीं निफ्टी 5 अंक बढ़कर 18,701 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 15 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं 15 शेयरों में ही तेजी रही।

रिलायंस-टाटा मोटर्स टॉप लूजर्स

टाटा कंज्यूमर, अडाणी पोर्ट्स,एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, एशियन पेंट्स, अडाणी एंटरप्राइजेज समेत निफ्टी के 27 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं अपोलो हॉस्पिटस, रिलायंस, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, ब्रिटानिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लाइफ, बीपीसीएल, डॉ रेड्डी समेत निफ्टी के 23 शेयरों में गिरावट रही।

मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.87% की तेजी

एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 7 में तेजी रही। मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.87% की तेजी देखने को मिली। पीएसयू बैंक सेक्टर में 1.20% की तेजी रही। इन दोनों के अलावा बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, मीडिया, प्राइवेट बैंक और रियल्टी सेक्टर में भी तेजी रही। वहीं ऑटो, एफएमसीजी, आईटी और फार्मा सेक्टर में गिरावट देखने को मिली।

पिछले हफ्ते बाजार में रही थी तेजी

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स पिछले पांच कारोबारी दिन में 482.24 अंक यानी 0.77% चढ़ा। निफ्टी में 176.50 अंक यानी 0.95% की तेजी रही थी। वहीं बाजार में पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन, यानी शुक्रवार (2 दिसंबर) को गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 415 अंकों की गिरावट के साथ 62,868 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी 116 अंक गिरकर 18,696 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में लगातार 8 दिनों की तेजी के बाद यह गिरावट आई थी।

बाजार ने 1 दिसंबर को ऑल टाइम हाई बनाया था

बाजार ने 1 दिसंबर को नया रिकॉर्ड बनाया था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,583.07 के नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचा था। इसके बाद यह 184 अंक की तेजी के साथ 63,284 के स्तर पर बंद हुआ था। इसके साथ ही सेंसेक्स ने अपना नया क्लोजिंग हाई भी बनाया था। वहीं निफ्टी ने भी नया ऑल टाइम हाई और क्लोजिंग हाई बनाया था। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,887.60 के स्तर पर पहुंचा था। फिर यह 54 अंक की तेजी के साथ 18,812 के स्तर पर बंद हुआ था।

देश में शुरू हो रही है छठी वंदे भारत ट्रेन!

11 दिसंबर को पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेल अबतक देशभर के अलग-अलग हिस्सों में 5 वंदे भारत ट्रेन चला चुका है। वंदे भारत ट्रेन 100 फीसदी स्वदेशी तकनीक से बना हुई सेमी हाई-स्पीड ट्रेन है। अब तक रेलवे कुल 5 वंदे भारत ट्रेन ऑपरेट कर रहा है और जल्द ही छठी वंदे भारत ट्रेन पटरी पर दौड़ने लगेगी। यह ट्रेन छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से महाराष्ट्र के नागपुर के बीच चलेगी। इस ट्रेन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले बिलासपुर-नागपुर के बीच सफर को पूरा करने के लिए 7 घंटे का वक्त लगता था जो अब केवल साढ़े पांच घंटे में पूरा हो जाएगा। यह ट्रेन बिलासपुर से सुबह 6.45 बजे चलकर दिन में 12.15 बजे नागपुर पहुंच जाएगी। इसके बाद यह दिन में 2 बजे नागपुर से चलकर शाम 7.35 पर बिलासपुर पहुंच जाएगी। ऐसे में यात्रियों को इस ट्रेन के कारण अच्छी सुविधा मिल पाएंगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बिलासपुर-नागपुर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को पूर्व-मध्य रेलवे ऑपरेट करेगी। ऐसे में फिलहाल यह ट्रेन रायपुर, दुर्ग और गोंदिया जैसे स्टेशन पर रुकेगी। इस ट्रेन की खास बात ये है कि यह अधिकतम 160 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चल सकती हैं। इस ट्रेन को भारत में बनाया गया है और इसमें यात्रियों को कई तरह की सुविधाएं मिलती हैं। अबतक देश में कुल पांच वंदे भारत ट्रेन चल रही हैं। ये हैं दिल्ली-वाराणसी, दिल्ली-श्री वैष्णो देवी माता कटरा, गांधीनगर से मुंबई, नई दिल्ली से अंदौरा स्टेशन और चेन्नई-मैसुरु के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन हैं। वंदे भारत ट्रेन की सबसे खास बात ये है कि यह पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बनी सेमी हाई स्पीड ट्रेन है। इस ट्रेन के सभी कोच में ऑटोमेटिक दरवाजे, जीपीएस सिस्टम और वाईफाई लगा है। वहीं ट्रेन के एग्जीक्यूटिव क्लास में यात्री के लिए 360 डिग्री तक घूमने वाली कुर्सियां लगी हुई है।

पाक सेना को खदेड़ने वाली रेजिमेंट को टैंक का इनाम

बढ़ा रहा सेना की शान

अमेरिका के दो हजार मीटर की दूरी तक की क्षमता वाले सैकड़ों टैंक के सामने भारत के 1200 मीटर की क्षमता वाले कम टैंक होने के बावजूद सेना ने गुरिल्ला नीति अपना गन्ने के खेतों में जाकर खुद को छिपा लिया और दुश्मन टैंकों के पास आने का इंतजार किया। इस प्रकार भारत ने पाकिस्तान के 97 टैंक ध्वस्त कर दिए।

चंडीगढ़, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान टैंकों की सबसे बड़ी आसल उताड़ (तरनतारन) की लड़ाई में दुश्मनों के सैकड़ों टैंकों को ध्वस्त कर पाकिस्तानियों को टैंक छोड़कर भागने पर मजबूर करने वाली 3 कैवेलरी रेजिमेंट को भारत सरकार ने इनाम में पाकिस्तानी टैंक दिया था। पूरी तरह से सलामत और पूरी तरह से दुरुस्त यह टैंक आज भी इस रेजिमेंट व भारतीय सेना की शान बढ़ा रहा है। आजादी के बाद भारत की स्वतंत्रता को बनाए रखने में भारतीय सेना ने जो भूमिका निभाई उसे जानने के लिए मेजर जनरल (रिटायर्ड) कुलप्रीत सिंह से अमर उजाला ने विशेष बातचीत की। मिलिट्री लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान कुलप्रीत सिंह ने 1965 के युद्ध में टैंकों की सबसे बड़ी आसल उताड़ की लड़ाई के बारे में बताया। अमेरिका से मिले सैकड़ों टैंक और हजारों की सेना के साथ पाकिस्तान ने तरनतारन में प्रवेश करत पांच किलोमीटर अंदर आकर खेमकरण पर कब्जा कर लिया। योजना यहां से तरनतारन होते हुए अमृतसर पर कब्जे की थी और इसके बाद दिल्ली को लक्ष्य रखा गया था। इस दौरान 3 कैवेलरी रेजिमेंट के जवानों के पास कुछ ही टैंक थे। अमेरिका के दो हजार मीटर की दूरी तक की क्षमता वाले सैकड़ों टैंक के सामने भारत के 1200 मीटर की क्षमता वाले कम टैंक होने के बावजूद सेना ने गुरिल्ला नीति अपना गन्ने के खेतों में जाकर खुद को छिपा लिया और दुश्मन टैंकों के पास आने का इंतजार किया। इस प्रकार भारत ने पाकिस्तान के 97 टैंक ध्वस्त कर दिए। पाकिस्तान का हौसला टूटा और ज्यादातर सैनिक टैंक छोड़कर भाग खड़े हुए। रेजिमेंट की इस बहादुरी को सलाम करते हुए भारत सरकार ने पाकिस्तान का एक टैंक इस रेजिमेंट को इनाम में दे दिया। देश में इस रेजिमेंट को छोड़कर किसी अन्य के पास खुद का टैंक नहीं है। पूरी तरह से दुरुस्त यह टैंक रेजिमेंट के साथ-साथ भारत की शौर्य गाथा गा रहा है।

अफगान के काबुल में पाक दूतावास पर हमला
आईएसआईएस ने ली जिम्मेदारी

काबुल, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अफगानिस्तान के काबुल स्थित दूतावास पर बीते हफ्ते हमला हुआ था। जिसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट यानी आईएसआईएस ने ली है। इस हमले में पाकिस्तान के दूतावास के प्रभारी राजदूत तो बच गए थे, लेकिन उनका एक सुरक्षाकर्मी जख्मी हो गया था। आईएस खुरासन शाखा ने शनिवार देर रात अरबी भाषा में जारी किए संक्षिप्त बयान में दावा किया कि उसके दो लड़ाकों ने पाकिस्तानी दूतावास के प्रभारी राजदूत और उनके सुरक्षा कर्मियों पर तब हमला किया, जब वे पाकिस्तानी दूतावास के परिसर में थे। इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी जख्मी हुआ और इमारत को नुकसान पहुंचा। उसने इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में शुक्रवार को हुए हमले में पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी इसरार मोहम्मद जख्मी हो गए थे। वह सेना की कमांडो इकाई से संबंधित हैं। मगर दूतावास के प्रभारी राजदूत उबैद-उर-रहमान निजामी सुरक्षित बच गए थे। यह हमला ऐसे वक्त में हुआ था, जब इस्लामाबाद का दावा है कि अफगानिस्तान में छुपी पाकिस्तान विरोधी ताकतें हमलों को अंजाम दे रही हैं। इस दावे को लेकर दोनों देशों में तनाव पैदा हो गया है। इस्लामाबाद में विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस्लामिक स्टेट के दावे की पुष्टि करने की कोशिश कर रहा है। विदेश कार्यालय ने कहा, 'स्वतंत्र रूप से और अफगान अधिकारियों के परामर्श से, हम इन रिपोर्ट की सत्यता की पुष्टि कर रहे हैं।' उसने कहा, 'इसके बावजूद, आतंकवादी हमला उस खतरे की याद दिलाता है कि अफगानिस्तान और क्षेत्र में आतंकवाद शांति और स्थिरता के लिए खतरा पैदा करता है।" विदेश कार्यालय ने कहा, "हमें इस खतरे को हराने के लिए सामूहिक तौर पर दृढ़ता से कार्रवाई करनी चाहिए।"

यूएस: '2020 का चुनाव सबसे बड़ा धोखा था'

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की अमेरिकी संविधान भंग करने की मांग

वाशिंगटन, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिन्होंने हाल ही में 2024 के चुनाव में उतरने की घोषणा की थी अब एक बार फिर से 2020 के चुनाव का मामला उठा दिया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में 2020 के चुनाव को बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी करार देते हुए अमेरिकी संविधान को समाप्त करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि बड़ी टेक कंपनियां डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर उनके खिलाफ हो गई हैं।

क्या हैं ट्रंप के आरोप?

ट्रंप ने अपने सोशल नेटवर्क एप ट्रुथ पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 2020 के चुनाव में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी हुई थी जो कि संविधान में पाए गए सभी नियमों, विनियमों और लेखों को समाप्त करने की अनुमति देती है। ट्रंप ने बड़ी टेक कंपनियों पर डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया है। हमारे महान 'संस्थापक' झूठे और कपटपूर्ण चुनावों को नहीं चाहते थे और न ही माफ करेंगे।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप के बयान की निंदा की

व्हाइट हाउस ने ट्रंप के बयान की निंदा करते हुए कहा कि संविधान और इसके सभी सिद्धांतों पर हमला करना हमारे राष्ट्र की आत्मा के लिए अभिशाप है और इसकी सार्वभौमिक रूप से निंदा की जानी चाहिए। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता एंड्रयू बेट्स ने कहा कि जब आप जीतते हैं तो आप केवल अमेरिका से प्यार नहीं कर सकते। उन्होंने संविधान को पवित्र दस्तावेज बताया।

ट्रंप संविधान का सबसे बड़ा दुश्मन: लिज चेनी

ट्रंप की विरोधी माने जाने वाली लिज चेनी ने भी डोनाल्ड ट्रंप पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि का मानना है कि हमें 2020 के चुनाव परिणाम को पलटने के लिए संविधान के सभी नियमों, विनियमों और लेखों तक को भी समाप्त कर देना चाहिए। पहले भी उनका यही विचार था और आज भी उनका विचार बना हुआ है।

नासा ने अंतरिक्ष स्टेशन पर
सफलतापूर्वक स्थापित किया सोलर एरे

वाशिंगटन, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) के अंतरिक्ष यात्रियों जोश कसाडा और फ्रैंक रुबियो ने नया रोल-आउट सोलर एरे को सफलतापूर्वक स्थापित किया। नासा ने ट्विटर पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, क्या हम इसे फिक्स कर सकते हैं? हां, हम कर सकते हैं। अंतरिक्ष यात्री जोश कसाडा और फ्रैंक रुबियो ने अंतरिक्ष केंद्र के तारे की आकृति वाले बोर्ड पर यह नया सोलर एरे लगाया है।

इस दौरान उन्होंने सोलर पैनल की 75 फीसदी की संचालन क्षमता बहाल करने के लिए एक केबल को काट कर अलग कर दिया। एक आईआरओएसए स्थापित करने के अलावा स्पेसवॉकर 1बी पावर चैनल को फिर से सक्रिय करने के लिए एक केबल को डिस्कनेक्ट करेगा, क्योंकि इसके इलेक्टिकल सिस्टम में पावर ट्रिप के कारण इसे बंद कर दिया गया था। नासा ने बताया कि केबल का डिस्कनेक्शन

एरे के प्रभावित हिस्से को अलग कर देगा। स्टेशन पर एक नया रोल-आउट सोलर एरे को सफलतापूर्वक स्थापित करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने सुबह 12:51 बजे स्पेसवॉक खत्म कर दिया। इस प्रक्रिया में अभियान 68 के क्रू मेंबर्स के सदस्यों को स्पेसवॉक के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के क्वेस्ट एयरलॉक से बाहर निकलने की तैयारी 7:25 (ईटी) पर शुरू हुई और लगभग सात घंटे तक चली।

केंद्र के तारे की आकृति वाले बोर्ड पर लगाया गया नया रोल-आउट

नासा ने कहा कि 4ए पावर चैनल पर एक आईआरओएसए स्थापित करने के लिए अगला यूएस स्पेसवॉक 19 दिसंबर, सोमवार को होगा। इंस्टॉलेशनॉ के लिए नियोजित कुल छह में से यह चौथा आईआरओएसए होगा। जो कि इसकी बिजली उत्पादन क्षमता में 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगा, इससे स्टेशन की कुल उपलब्ध बिजली 160 किलोवाट से 215 किलोवाट तक बढ़ जाएगी। कसाडा क्रू मेंबर के अतिरिक्त सदस्य 1 (ईवी 1) के रूप में काम करेगा और रेड स्ट्रिप्स वाला सूट पहनेगा। रुबियो क्रू मेंबर के अतिरिक्त सदस्य 2 (ईवी 2) के रूप में काम करेगा और अनमार्क्ड सूट पहनेगा। कसाडा और रुबियो दोनों के लिए स्पेसवॉक दूसरा होगा।

रूस में सच्चा प्यार पाने के लिए करोड़पति महिला ने लगवाए बैनर

मॉस्को, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस में एक महिला ने सच्चा प्यार पाने के लिए बैनर लगवाए हैं। उसका कहना है कि पुतिन की वजह से उसकी शादी नहीं हो पा रही है। इस महिला की उम्र 26 साल है और मारिया मोलोनोवा नाम है। मारिया डेटिंग एप्स का इस्तेमाल नहीं कर सकती है। वह उलान-उडे शहर की रहने वाली है। मारिया दो बच्चों की मां भी है। उसने इस उम्मीद से शहर के कई व्यस्त चौराहों पर बिलबोर्ड लगवाए हैं, कि उसके अपने लिए एक पति मिल सके। उसने बिलबोर्ड में एक क्यूआर कोड भी लगवाया है। इसमें जो भी उसका पति बनना चाहेगा, उसे सवालों के जवाब देने होंगे, ताकि वह उनका आकलन कर सके। विज्ञापन में लिखा है, 'करोड़पति को पति की तलाश है।' लेकिन आपके मन में एक सवाल आ रहा होगा कि वह किसी डेटिंग ऐप का इस्तेमाल क्यों नहीं कर सकती। वास्तव में, जब से पुतिन ने यूक्रेन पर आक्रमण किया है, रूसियों के लिए टिंडर सहित सभी डेटिंग ऐप का उपयोग करना मुश्किल हो गया है।

95 दिनों से कतर में कैद भारत के आठ पूर्व नौसैनिक

एक महीने और रहेंगे बंद, परिवार को आरोपों तक की जानकारी नहीं

दोहा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कतर में 90 दिनों से अधिक समय से कैद भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों की रिहाई अधर में लटक गई है। बार-बार प्रयास के बादजूद भारत सरकार उन्हें कतर के गिरफ्त से नहीं निकाल पा रही है। लेकिन इन सब के बीच पीड़ितों के परिवारों ने एक और परेशान करने वाली खबर दी है। परिवार के मुताबिक कोर्ट में सुनवाई के बाद सभी पूर्व नौसैनिकों की कस्टडी एक महीने और के लिए बढ़ा दी गई है। यानी इन सभी की रिहाई की उम्मीद एक बार फिर से टूट गई है। परिवार के सदस्यों का कहना है कि इन सभी को किस आरोप में हिरासत में लिया गया है, अभी तक इसकी जानकारी नहीं मिली है।

कंपनी ने परिवार के सदस्यों को दी हिरासत बढ़ाने की जानकारी

कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, रविवार को तीन-न्यायाधीशों की बेंच

ने सुनवाई की और पूर्व नौसैनिकों की हिरासत एक महीने और के लिए बढ़ा दी। उन्होंने परिवार को बताया कि वे सुनवाई के दौरान मौजूद थे, लेकिन पीड़ित पूर्व नौसैनिकों से बहुत कम बातचीत हुई। 30 दिन का विस्तार 1 दिसंबर से प्रभावी है। पारिवारिक सूत्रों ने कहा कि सुनवाई में पूर्व नौसैनिकों के खिलाफ आरोप सामने नहीं आए।

सभी आठ पूर्व कर्मियों को 30 अगस्त की रात को हिरासत में लिया गया था

भारतीय नौसेना के सभी आठ पूर्व कर्मियों को 30 अगस्त की रात को हिरासत में ले लिया गया था। तब से उन्हें एकांत कारावास में रखा गया है, और उनके खिलाफ आरोपों की कोई सार्वजनिक जानकारी नहीं है। उनके परिवार नई दिल्ली से उनकी शीघ्र रिहाई के लिए आग्रह कर रहे हैं। हिरासत में लिए गए लोगों में कमांडर (सेवानिवृत्त) पूर्णेंदु तिवारी हैं, जो एक भारतीय प्रवासी हैं, जिन्हें 2019 में प्रवासी भारती सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। कंपनी की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार पूर्णंदू तिवारी भारतीय नौसेना में कई बड़े जहाजों की कमान संभाल चुके हैं।

ये सभी कतर की एक निजी कंपनी में कर रहे थे काम

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सेवानिवृत होने के बाद ये सभी नौसैनिक कतर की एक निजी कंपनी में काम कर रहे थे। यह कंपनी कतरी एमिरी नौसेना को ट्रेनिंग और अन्य सेवाएं प्रदान करती है। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, कंपनी का नाम दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी एवं कंसल्टेंसीज सर्विसेज है। कंपनी खुद को कतर रक्षा, सुरक्षा एवं अन्य सरकारी एजेंसी की स्थानीय भागीदार बताती है।

किस आरोप में इन्हें हिरासत में लिया गया इसकी जानकारी नहीं: परिवार

इधर तिवारी की बहन डॉक्टर मीतू भार्गव ने कहा कि हमें बहुत अधिक चिंता हो रही है। हमें यह जवाब नहीं मिल पा रहा कि आखिर मेरे भाई को किस आरोप के तहत हिरासत में लिया गया है? उन्हें हिरासत में लिए हुए 90 दिन से अधिक हो गए हैं। भारत सरकार को जल्द से जल्द रिहाई का प्रयास करना चाहिए।

फरीदकोट में दर्दनाक हादसा, दो कारों की भिड़ंत में महिला की मौत

फरीदकोट, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। फरीदकोट के कोटकपूरा रोड पर हरिन्द्रा नगर के पास रात सड़क किनारे खड़ी कार को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि खड़ी कार बुरी तरह से धंस गई और कार में पिछली सीट पर बैठी महिला की जोरदार झटके के कारण गर्दन कटने से मौत हो गई। हादसे में तीन अन्य लोग भी घायल हुए है जिन्हें इलाज के लिए फरीदकोट के गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार कोटकपूरा निवासी रेडीमेड कपड़ों के कारोबारी शक्ति आहूजा अपनी पत्नी और दोनों बच्चों के साथ फरीदकोट आए हुए थे। रात करीब 10 बजे उन्होंने अपनी कार को हरिन्द्रा नगर के पास सड़क किनारे खड़ा किया हुआ था। इस दौरान एक तेजरफ्तार कार ने उनकी खड़ी कार को जोरदार टक्कर मार दी।

नाइजीरिया के मस्जिद में बंदूकधारियों ने की गोलीबारी

12 की मौत; कई लोगों को किया अगवा

अबुजा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने एक इमाम सहित एक दर्जन उपासकों की हत्या कर दी और शनिवार की रात एक मस्जिद से कई अन्य लोगों का अपहरण कर लिया। स्थानीय निवासियों ने रविवार को देश के उत्तर में सशस्त्र गिरोहों के नवीनतम हमले की जानकारी देते हुए बताया। डाकुओं ने उस समय मस्जिद पर धावा बोल दिया और लोगों को अगवा कर लिया जब वे मैगामजी समुदाय में अपनी मस्जिद के अंदर शाम की नमाज़ अदा कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने कहा कि आतंकवादियों ने प्रार्थना का नेतृत्व कर रहे मुख्य इमाम और एक अन्य उपासक को गोली मारकर घायल कर दिया और अन्य लोगों को ले गए।

बंदूकधारी लोगों की हत्या कर मांगते हैं फिरौती

बता दें कि ये बंदूकधारियों का गिरोह, जिन्हें डाकुओं के रूप में जाना जाता है, उन समुदायों पर हमला करते हैं जहां सुरक्षा कड़ी होती है, लोगों की हत्या करते हैं या फिरौती के लिए उनका अपहरण करते हैं। गिरोह यह भी मांग करता है कि ग्रामीणों को संरक्षण शुल्क का भुगतान करना होगा ताकि उन्हें खेती करने और अपनी फसल काटने की अनुमति मिल सके। राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के गृह राज्य कैटसीना के फुनटुआ निवासी लॉवल हारुना ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को फोन पर बताया कि बंदूकधारी मोटरबाइक पर मैगामजी मस्जिद पहुंचे और छिटपुट गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे नमाजियों को भागने पर मजबूर होना पड़ा। हारुना ने कहा कि रात की नमाज में शामिल हुए और मुख्य इमाम सहित करीब 12 लोग गोलीबारी में मारे गए।

कनाडा में इच्छा मृत्यु बनी मुसीबत

1 साल में 10 हजार लोगों ने आत्महत्या की, मार्च 2023 से मानसिक बीमारों को भी इसकी कानूनन इजाजत

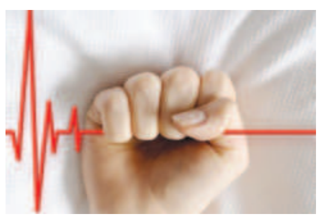

ओटावा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा में इच्छा मृत्यु की इजाजत मुसीबत बनती जा रही है। यहां पिछले साल यानी 2021 में ही 10 हजार से ज्यादा लोगों ने इच्छा मृत्यु के जरिए जान दे दी। ये कनाडा में साल भर में हुई कुल मौतों से 3% से ज्यादा है। अब 4 महीने बाद मार्च 2023 में मानसिक तौर पर बीमार लोगों को भी कानूनन इच्छा मृत्यु की इजाजत मिल जाएगी। इसके तहत नाबालिगों को भी इच्छा मृत्यु का अधिकार दे दिया जाएगा। इतनी बड़ी संख्या में इच्छा मृत्यु करने की वजह से 'द डीप प्लेसेस: ए मेमोएर ऑफ इलनेस एंड डिस्कवरी' के लेखक रॉस दौतहत कहते हैं- जब साल भर में 10 हजार लोग इच्छा मृत्यु कर रहे हों तो इच्छा मृत्यु की इजाजत किसी सिविल सोसायटी की निशानी नहीं रह जाती, बल्कि यह आतंक का राज्य हो जाता है।

इच्छा मृत्यु के समर्थन में लोग

रॉस ने कहा- हालांकि देश में ज्यादातर लोग इच्छा मृत्यु की इजाजत के समर्थन में हैं। उनका मानना है कि गरिमा के साथ जीने के साथ-साथ गरिमा के साथ मरना भी मनुष्य का अधिकार है। एसोसिएटेड प्रेस की मारिया चेंग अपनी रिपोर्ट में बताती हैं कि कनाडा में स्वास्थकर्मी ऐसे लोगों को भी यूथेनेशिया की सलाह दे रहे हैं, जो आर्थिक तंगी की वजह से परेशान हैं और आत्महत्या के बारे में सोचने लगे हैं। रॉस दौतहत ने कहा- यह स्वाभाविक तौर पर विनाशकारी विचार है। अगर इसे ऐसे ही छोड़ दिया गया तो आने वाले समय में यह ऐसा समाज तैयार कर देगा, जहां लोग मौत को बेहतर समझने लगेंगे और यह मानवता का अंतिम अध्याय होगा।

रूस के राष्ट्रपति सीढ़ियों से फिसले

मॉस्को में अपने घर में गिरे पुतिन, कैंसर से पीड़ित होने के दावे ने जोर पकड़ा

मॉस्को, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। एक अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन गंभीर रूप से बीमार हैं और पिछले हफ्ते मॉस्को में अपने ऑफिशियल रेसिडेंस की सीढ़ियों से गिर गए थे। हालांकि, इस घटना के अगले दिन वो रूस की एक स्पेशल टेस्टिंग लैब के दौरे पर भी गए थे। वर्ल्ड मीडिया में कुछ महीने से लगातार यह खबरें आ रही हैं कि पुतिन को कैंसर है और इसकी वजह से उन्हें चीजों को ग्रिप करने में भी परेशानी आती है। रूसी सरकार इन खबरों को अफवाह करार देती रही है।

रिपोर्ट में क्या दावा

पुतिन की बीमारी और उनके सीढ़ियों से गिरने की खबर दी है। इसके मुताबिक-घटना बुधवार की है। रूसी राष्ट्रपति मॉस्को में अपने ऑफिशियल रेसिडेंस की सीढ़ियों से उतर रहे थे। फ्लोर आने के पांच सीढ़ियों पहले उन्होंने कंट्रोल खोया और फिसलते हुए नीचे आ गए। सिक्योरिटी टीम ने उन्हें संभाला। उन्हें कमर के निचले हिस्से में चोट लगी है।

बीमारी की वजह से हादसा

इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कैंसर की वजह से पुतिन को पेट संबंधी गंभीर दिक्कतें हो चुकी हैं। इस तरह के मरीजों को अकसर पेट में गैस महसूस होती है और गैस के साथ मल निकल जाता है। बुधवार को हुई घटना शायद इसी वजह से हुई।

वेस्टर्न मीडिया पहले भी दावा करता रहा है कि पुतिन को कैंसर है और यह लास्ट स्टेज में पहुंच चुका है। इसके अलावा उन्हें पार्किन्सन डिसीज भी बताई जाती है। इसमें चीजों को ग्रिप करने में दिक्कत होती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन जैसे ही गिरे तो उन्हें तीन गाड्र्स ने संभाला और पास में रखे एक सोफे पर बिठाया। इसके बाद उन्हें कुछ दवाएं दी गईं। फिलहाल उनकी हालत ठीक बताई गई है और उन्हें चलने में दिक्कत नहीं है।

जांच भी शुरू

रिपोर्ट्स के मुताबिक- डॉक्टर्स की एक स्पेशल टीम प्रेसिडेंट पुतिन के इस तरह अचानक गिरने के मामले की जांच कर रही है। यह इसलिए भी जरूरी है कि पुतिन स्पेशल स्लिप प्रूफ शूज पहनते हैं। इसके अलावा उनके रेसिडेंस की सीढ़ियां भी ऐसी नहीं है, जिन पर से कोई शख्स स्लिप होकर गिर जाए। रूसी राष्ट्रपति की चोट गंभीर नहीं थी, इसकी वजह यह है कि गिरने के अगले दिन यानी गुरुवार को वो मॉस्को के एक लैब के दौरे पर पहुंचे और वहां साइंटिस्ट्स से मुलाकात की।

एक बार फिर भूस्खलन की चपेट में कोलंबिया
तीन की मौत, 20 से ज्यादा लापता

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलंबिया से एक बार फिर से भूस्खलन की खबर है। यहां की एक सड़क को भूस्खलन ने अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों का कहना है कि अभी भी 20 लोगों के फंसे होने की खबर है, जिन्हें निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, बचाव दल एक बस और एक मोटरसाइकिल सवार लोगों की तलाश में जुटा हुआ है, जिनकी भूस्खलन में फंसे होने की खबर है। इस बीच राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने जानकारी दी कि अभी तक नौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जिसमें तीन की मौत हो गई। करीब 20 लोग लापता हैं। सिविल डिफेंस के एक अधिकारी के मुताबिक, बस में करीब 25 यात्री सवार थे। बता दें, अगस्त में शुरू हुई बारिश के कारण कोलंबिया बीते 40 वर्षों में सबसे खराब मौसम के दौर से गुजर रहा है। अलग-अलग घटनाओं में अब तक 270 लोगों की मौत हो चुकी है।

तवायफें सिर्फ मुजरा करतीं हैं, देह नहीं बेचतीं

बनारस की 'डॉलमंडी' में चोरी-छिपे जाते रईस, यहीं से निकलीं रसूलन-छप्पनछुरी; गोविंदा का ननिहाल भी यहीं

एक्सक्लूसिव डेस्क, 5 दिसंबर। बनारस की दालमंडी की रौनक और रुआब है आज भी कायम है। इस गली में मस्ती है और दिलफेंक आशिकी भी। वैसे इसके नाम पर कतई मत जाइएगा। यहां दाल की मंडी जैसा अब कोई बाजार नहीं लगता। अंग्रेजों ने इसे डाल मंडी बनाया था जो अब दाल मंडी के नाम से मशहूर है। बाबा विश्चनाथ मंदिर के पास ही स्थित दालमंडी की संकरी गली में कदम रखते ही ऐसा लगेगा जैसे आप दिल्ली के पालिका बाजार या जयपुर के बापू बाजार या भोपाल के चौक बाजार में पहुंच गए हों

बनारस की दाल मंडी जो पूरे पूर्वांचल की सबसे बड़ी होलसेल मंडी है। कभी यह दाल मंडी तवायफों के कोठों के लिए जानी जाती थी। अब इसे हकीम मोहम्मद जाफर मार्ग के नाम से भी जाना जाने लगा है। लोगों की जुबान पर दालमंडी नाम भले ही हो, मगर, बनारस के सरकारी कागजों से दालमंडी नाम गायब है। आज यहां की करीब 200 साल पुरानी इमारतों में रंगरोगन होकर कॉस्मेटिक्स और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानें सजी हैं। इस दालमंडी की कहानी जितनी पुरानी है, उतने ही चमकते-दमकते किस्सों से भी भरी है।

बनारस शहर के बनने की कहानी 3500 साल से ज्यादा पुरानी है, इसकी गिनती स्कंद पुराण में बताई गई सप्त पुरियों में होती है। शहर बना तो गलियां भी विकसित हुईं। दालमंडी गली भी कहीं कम पुरानी नहीं है। उस जमाने में यहां बनने वाले घर या इमारतें लाल बलुआ पत्थर से बनती थीं। ये तत्कालीन बनारस का हिस्सा रहे मिर्जापुर के चुनार से आते थे। इन ईंटों और पत्थरों की जुड़ाई सुर्खी और चूने से होती थी। यही वजह थी कि ये इमारतें बरसों बाद आज भी उतनी ही मजबूती से खड़ी हैं।

बनारस घराने के मशहूर तबला वादक पंडित किशन महाराज ने 1986 में सन्मार्ग में एक लेख लिखा-'संगीत की जननी है काशी।' जिसमें उन्होंने कहा है कि मुगलों के जमाने से भी पहले से दालमंडी एक बाजार के रूप में विकसित हुई। 16वीं सदी में यह बाजार फेमस हो चला था। यह मंडी बनारस के संगीत घरानों का शुरुआती रूप रहा है। दालमंडी में कभी दालों का कारोबार हुआ करता था। बनारस के रईस यहां दाल का कारोबार करते और शाम होते-होते यहां मनोरंजन भी करते। उस वक्त यहां पर भांड़ मंडली हुआ करती थी, जो इन रईसों का मनोरंजन नाच-गाकर करती थी। मुगलों की आखिरी पीढ़ी के जमाने में यह दालमंडी पास ही में विशेसरगंज में शिफ्ट हो गई और दालमंडी में गाने वाले, नाचने वाले और कलाकार बसने लगे।

18वीं सदी के आसपास यहां संगीतकार, शास्त्रीय संगीत की साधना करते थे। दालमंडी में रईस लोग शाम के समय कान में इत्र में डूबी रुई रखकर, सफेद बनारसी ड्रेस पहनकर, मुंह में पान की गिलौरी और साथ में पीकदान भी लेकर चलते थे और दालमंडी में संगीत का आनंद लेते थे। तब बनारसी लोग पान खाकर इधर-उधर थूका नहीं करते थे। यहीं से सितारा देवी और बागेश्वरी देवी जैसी हस्तियां निकलीं। बाद में जब अंग्रेज आए तो उन्होंने यहां पर तवायफों को बसाना शुरू किया, जहां जमींदार, रईसजादे और अंग्रेज लोग मनोरंजन के लिए आया करते। अंग्रेजों के आने के बाद इस इलाके का रूप बिगड़ गया। एक समय में पूरे पूर्वांचल को दाल मुहैया कराने वाली दालमंडी का नाम इसी दौरान 'डॉलमंडी' भी हो गया। इसकी वजह है कि अंग्रेज तवायफों को 'डॉल' कहते थे। इस वक्त भी यहां दालें बिका करतीं। 18-19वीं सदी में दालमंडी में तवायफों का बसना शुरू हुआ। कुछ ही दशकों में बनारस की इस गली में अलग-अलग राग गाए जाने लगे।

इस गली में नीचे दुकानों में दाल का कारोबार होता और ऊपरी मंजिल के बंद दरवाजों के बाहर तक तवायफों के घुंघरुओं, तबले की थाप और कसक में डूबी आवाज गूंजतीं। दुकानों के ऊपर बने कोठे शाम गहराते-गहराते मुजरे की आवाज से गुलजार हो जाया करते। कहीं से वाह-वाह सुनाई पड़ता तो कोई नजर चुराकर गुजरता दिख जाता। मगर, आज इन गलियों में सुर, साज और आवाज सभी खामोश हैं। अब न कोठे रहे न तवायफें, दो मंजिला इमारतों में घर-गृहस्थी चल रही हैं और नीचे ब्राइडल वेयर और कॉस्मेटिक का इतना बड़ा कारोबार जहां दूसरे इंसान से टकराए बिना आप आगे नहीं बढ़ सकते। 70 के दशक में इस इलाके को खाली कराए जाने से तवायफें बनारस के एक और मोहल्ले शिवदासपुर में जाकर बस गईं, जहां आज भी उन्हें आसपास के कई इलाकों के लोगों का विरोध झेलना पड़ता है। कहते हैं कि आधुनिक हिंदी के अगुवा भारतेंदु हरिश्चंद्र भी दालमंडी की इसी गली की एक नर्तकी मल्लिका के दीवाने थे। वह जब-तब उससे मिलने आ ही जाया करते। तौकीबाई, हुस्नाबाई, बॉलीवुड अभिनेत्री नरगिस की मां जद्दनबाई, छप्पन छुरी के नाम से चर्चित जानकीबाई, गौहरजान, रसूलनबाई, सिद्धेश्वरी देवी, विद्याधरी, ये सभी नाम पूरे देश में मशहूर थे और आज भी हैं। इनका ऐसा जलवा था कि ये अपनी प्रस्तुति देने बग्घी या डोली पर बैठकर जातीं। राजे-रजवाड़ों के जमाने में राजा और राजपुरोहित के बाद केवल राजनर्तकी ही अपने साथ चंवर और राजदंड ले जा सकती थीं। बड़ी बात यह है कि दालमंडी में कभी देह का सौदा नहीं होता था। यहां केवल संगीत और नृत्य की ही साधना हुआ करती थी। पद्मा खन्ना, नरगिस, गोविंदा जैसी हस्तियों का यहां से नाता रहा है।

दालमंडी में कुछ दूर तक चलने के बाद दाईं ओर एक और गली खुलती है। इसे सराय हड़हा कहते हैं। यही गली भारतरत्न बिस्मिल्लाह खां साहब के घर तक ले जाती है। उनके पौत्र नासिर अब्बास बिस्मिल्लाह कहते हैं कि बाबा अक्सर शाम को हमें बुलाते और कहते- 'अरे भाई ऐसे ही क्यों बैठे हो, चलो सुर में कुछ बतिया लिया जाए।' और फिर घंटों रियाज चलता।

नासिर अब्बास ने बताया कि खां साहब तो यहां तक कहते थे, 'अगर कोठे नहीं होते, तो तवायफें नहीं होतीं और बिस्मिल्लाह खां भी नहीं होता।' वह मानते थे कि जिस तरह की पक्की गायकी कोठे पर होती है, वह कहीं और नहीं मिल सकती। बिस्मिल्लाह खां के सबसे छोटे बेटे नाजिम हुसैन मशहूर तबला वादक हैं। रॉकस्टार, लिंगा, बाहुबली, आरआरआर फिल्म में नाजिर हुसैन ने तबला बजाया है। 36 वर्षों तक पिता बिस्मिल्लाह खां के साथ कई देशों में तबले पर साज भी दिया। नाजिम हुसैन सराय हड़हा की इसी हवेली में रहते हैं। वह बताते हैं कि बिस्मिल्लाह खां साहब मुजफ्फरपुर की तवायफ बृजबाला की गायकी के मुरीद थे। दोनों की मुलाकात एक महफिल में हुई थी। फिल्म 'गूंज उठी शहनाई' में संगीतकार भरत व्यास ने 'दिल का खिलौना हाय टूट गया' गीत में बृजबाला की ही धुन का इस्तेमाल किया। खां साहब ने भी इसमें शहनाई बजाई थी। एक समय फिल्मों में जो कोठा दिखाया जाता था, वह कहीं न कहीं बनारस की इन्हीं गलियों से प्रेरित था। राजकपूर की फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' में कोठे का एक हिस्सा यहीं पर फिल्माया गया था।

गायन, वादन और नृत्य के जिन घरानों के लिए बनारस मशहूर रहा, उनमें से कई इसी दालमंडी से फले-फूले। रसूलन बाई का नाता भी दालमंडी से रहा। जब रसूलन बाई मुजरा गातीं तो बनारस के रईसों और जमींदारों का जमावड़ा देखने वाला होता। 'मटुकिया मोरी छिन ले गयो सांवरिया', 'फूलगेंदवा न मारो लागत जोबनवा में चोट' जैसे मुजरों की लोकप्रियता कितनी थी, इसे बताना मुश्किल है। रसूलन बाई का मुजरा- 'अजी फूल गेंदवा न मारो, लागत करेजवा में चोट' मन्ना डे ने भी गाया। रसूलन बाई का गाया दादरा, 'ठाढे रहियो रे ओ बांके यार', फिल्म 'पाकीजा' का हिस्सा बना। यह गीत लता मंगेशकर ने गाया, जिसे मीना कुमारी पर फिल्माया गया था। इसी तरह ठुमरी की महारानी गिरिजा देवी का भी संबंध दालमंडी से रहा। डॉ. प्रवीण बताते हैं कि बनारस में जो कद उस्ताद बिस्मिल्लाह खान का रहा, वही गिरिजा देवी का है। गिरिजा देवी ने ठुमरी ही नहीं, दादरा, चैती, कजरी, टप्पा, होरी और छोटा ख्याल शास्त्रीय संगीत के सभी रूप समय-समय पर गाए हैं। गिरिजा देवी को लोग प्यार से 'अप्पा जी' बुलाते थे। उनका तंबाकू खाना, खिलंदड़पन और मस्ती की ढेरों कहानियां हैं।

तबला वादक लच्छू महाराज दाल मंडी की इसी हवेली में रहा करते थे। अभी यह हवेली एक मार्केटिंग कॉम्प्लेक्स में बदल चुका है। हवेली के ऊपर वाले कमरे में लच्छू महाराज रियाज किया करते थे। फिल्म स्टार गोविंदा की मां निर्मला देवी का जन्म इसी हवेली में हुआ था। दालमंडी की एक गली में बनारस घराने के मशहूर तबलावादक लक्ष्मी नारायण सिंह भी हुए। इन्हें लच्छू महाराज नाम से जाना जाता है। उनकी उंगलियों से जब धिर-धिर-तिटकत और ताक-धिन-धिन्ना की ताल झड़ती तो सभी उसमें डूब जाते। 71 साल की उम्र में भी जब वह तबले पर थाप देते तो वह बेजोड़ होता था। देश में जब आपातकाल लगा तो वह जेल भी गए। दालमंडी के कटरा राजपूत में लच्छू महाराज की हवेली है। लच्छू महाराज के भाई जय नारायण सिंह के बेटे वैभव सिंह ने बताया कि उनके दादा कुबेर सिंह मूल रूप से सुल्तानपुर के रहने वाले थे। वह 10-12 साल की उम्र से ही रियाज करने लगे थे। रियाज के वक्त वह दालमंडी के कटरा राजपूत हवेली में ऊपर के कमरे को बंद कर लेते। पंखा नहीं चलता और सिर्फ एक मोमबत्ती जलती। दालमंडी में एक से बढ़कर एक फनकार हुए लेकिन वक्त के साथ सब भुला दिए गए। जो दालमंडी तबले की थाप और ठुमरी गायन से सराबोर रहती वो अब एक बड़े बाजार के रूप में तब्दील है।

एक हकीम के नाम पर पड़ा दालमंडी का नाम

अब चलते-चलते जरा ये जान लीजिए कि आज के बनारस में दालमंडी का नाम हकीम मोहम्मद जाफर मार्ग क्यों पड़ा? दरअसल, दालमंडी का नाम यहां के सरकारी कागजों में कहीं भी दर्ज नहीं है। यहां आने वाले अंग्रेज अफसरों और रईस लोगों ने अपनी इज्जत पर आंच न आए, इसलिए इस मोहल्ले का नाम सरकारी कागजों में दर्ज ही नहीं करवाया।

दालमंडी गली का नाम जाफर मार्ग रख दिया था। 2018 में जब नगर निगम ने यहां अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया तो लाल पत्थर पर एक शिलापटट मिला, जिस पर यह नाम लिखा था, जिसे 1962 में फिर से लगाया गया था। हकीम जाफर बनारस के पितरकुंडा मुहल्ले के रहने वाले थे। 1840 में जन्मे हकीम साहब यूनानी तरीके से टीबी और कोढ़ के इलाज करते थे। बनारस और ग्वालियर के राजघराने उनके इसी इलाज के कायल थे। चलते-चलते...बनारस की इसी दालमंडी की कई तवायफों ने फिल्मों में काम किया। गीत-संगीत से लेकर अभिनय तक। बॉलीवुड की कई फिल्मों में अभिनेत्रियों ने तवायफ का रोल कर दर्शकों का दिल जीता है। यह शायद इसलिए हुआ कि अतीत में तवायफों की भूमिका बड़ी रही होगी।

बनारस की गलियों में गूंजते थे हर प्रहर के राग

हिंदोल, ललित, बसंत, भटियार, जयंत, कलिंगड़ा
सुबह 3 से 6 बजे के बीच

भैरव, भैरवी, बिलावल, तोड़ी, आनंदलीला, अरज
सुबह 6 से 9 बजे तक

देसी, चारूकेशी, जौनपुरी, मालगुंजी, आसावरी
सुबह 9 से 12बजे के बीच

सारंग (गौड़, शुद्ध, वृंदावनी)
12 से 3 बजे के बीच

भीम पलासी, पुरिया कल्याण, श्री लतिका, पूर्वी
दोपहर बाद 3 से 6 बजे के बीच

यमन, जयजयवंती, तिलक कामोद, गौरी, चंपक, रेवा
शाम 6 से 9 बजे तक

दुर्गा, झिंझोटी, दीपक, केदार, बिहाग, हमीर, हेमंत, चंद्रकौस
रात 9 से 12 बजे तक

मालकौस, देस, अदाना, जोग, बहार, बसंत बहार, भवानी
देर रात 12 से 3 बजे तक

मेघ, मल्हार, किरवानी, सिंदूरा
मानसून राग, जो मौसम के मुताबिक गाए जाते

सोर्स: वाह उस्ताद! डॉ. प्रवीण झा

दालमंडी की हवेली से अभिनेता गोविंदा का भी जुड़ाव

जिस हवेली में अंतिम समय तक लच्छू महाराज रहे उसी हवेली में निर्मला देवी का भी जन्म हुआ। निर्मला देवी वासुदेव सिंह की बेटी थीं। यानी लच्छू महाराज की बहन। निर्मला देवी बनारस की बड़ी ठुमरी गायिकाओं में गिनी जाती हैं। निर्मला देवी के ही बेटे हैं फिल्म स्टार गोविंदा। इस लिहाज से गोविंदा का ननिहाल है दालमंडी। राज नारायण कहते हैं इसी हवेली में लच्छू महाराज ने अपने भांजे गोविंदा को भी तबला बजाना सिखाया। एक तवायफ थीं धनेसरीबाई। तब भारत के स्वतंत्रता संग्राम का दौर चल रहा था। वह चौक में थाने के पीछे रहा करती थीं। कहा जाता है कि चंद्रशेखर आजाद अंग्रेजों से बचने के लिए कई बार धनेसरीबाई के घर में ही पनाह लेते थे। धनेसरीबाई तो इतनी बहादुर महिला थीं कि वह अंग्रेजों को अपने दरवाजे से ही रफा-दफा कर देती थीं। 1969 में दंगाइयों ने रसूलन बाई के कोठे को जला दिया था। मजबूरन रसूलन बाई चौक थाना के पास चाय की स्टॉल लगाने को मजबूर हुईं। इसके तीन साल बाद उनका निधन हो गया।

आजादी की लड़ाई के दौरान ऐसा नहीं है कि बनारस की इन तवायफों ने केवल लोगों के मनोरंजन से ही वास्ता रखा। उनके कोठे पर संगीत की महफिलें सजती थीं। इन्हीं महफिलों में अंग्रेजों को देश से बाहर करने के बारे में बातें होतीं। जद्दनबाई के कोठे पर ऐसी महफिलें खूब सजतीं। उनके यहां तो आए दिन अंग्रेज छापा मारते, जिससे तंग आकर उन्होंने दालमंडी ही छोड़ दी थी।

यही हाल सिद्धेश्वरी देवी के महफिलों का भी रहता, जहां वह देशभक्ति गीत गाकर चाहने वालों में जोश भरतीं। रसूलनबाई के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने गहने तभी पहने जब देश आजाद हो गया। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान रसूलनबाई को इबादत की आवाज कहा करते थे। आजादी के बाद उनके शौहर सुलेमान पाकिस्तान चले गए, मगर रसूलनबाई को हिंदुस्तान छोड़ना गवारा न हुआ। वहीं तवायफ दुलारीबाई के कहने पर उनके सबसे खास नन्हकू ने कई अंग्रेजों को मार गिराया था।

मेडिकल में बढ़े भी, पिछड़े भी

> एमबीबीएस सीटें पिछले 8 साल में 77 फीसदी बढ़ीं
> फिर भी डॉक्टर 80 फीसदी तक कम

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में एक तरफ मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, वहीं स्वास्थ्य केंद्र डॉक्टरों की भारी कमी झेल रहे हैं। पिछले 8 साल (2014-2022) में देश में मेडिकल कॉलेज 387 से बढ़कर 648 हो गए। यानी 67% की बढ़ोतरी हुई है। इसी दौरान एमबीबीएस की सीटें भी 77% की बढ़ोतरी के साथ 54,348 से बढ़कर 96,072 तक पहुंच गईं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट 'गवर्नेंस रिफॉर्म्स इन मेडिकल एजुकेशन (2014-2022)' में ये आंकड़े सामने आए हैं।

मगर एक और सरकारी रिपोर्ट रूरल हेल्थ स्टेटिक्स 2020-21 के मुताबिक, देश के पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) और सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) में 4.3% से लेकर 80% तक डॉक्टरों की कमी है। 2005 में देशभर के पीएचसी में कुल 20,308 एलोपैथिक डॉक्टर थे, जो 2021 में 31,716 हो गए। फिर भी जरूरत के अनुसार यह आंकड़ा कम है।

सीएचसी में जरूरत के हिसाब से 83% सर्जन, 74% स्त्री रोग विशेषज्ञों, 80% बाल रोग विशेषज्ञों और 82% चिकित्सकों की कमी है। पीएचसी में 31% महिला एएनएम की भी किल्लत है। वहीं, स्वास्थ्य मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट दावा करती है कि देश में प्रति 834 लोगों पर एक डॉक्टर है, जो डब्ल्यूएचओ के 1000:1 के अनुपात के करीब है। लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि देश में 27% डॉक्टर सक्रिय ही नहीं हैं। डॉक्टरों की सबसे ज्यादा कमी झारखंड, राजस्थान, पंजाब, छत्तीसगढ़, यूपी, बिहार में है।

सुखद पहलू; सरकारी कॉलेज 96% व निजी 42% बढ़ गए

देश के कुल 648 मेडिकल कॉलेज में से 355 सरकारी और 293 निजी हैं। 2014 से 2022 के बीच सरकारी कॉलेज 96% और निजी 42% बढ़े हैं। 2014 में सरकारी सहायता से 157 मेडिकल कॉलेज खोलने की मंजूरी दी गई थी। इनमें से 93 शुरू हो चुके हैं, जबकि 60 कॉलेज दो साल में शुरू होने की उम्मीद है। पिछले 8 साल में मेडिकल की पोस्ट ग्रेजुएट सीटों में सबसे ज्यादा 105% बढ़ोतरी दर्ज हुई है और ये 30,191 से बढ़कर 63,842 हो गई है।

नेशनल हेल्थ पॉलिसी-2017 के तहत 2025 तक हेल्थ बजट जीडीपी का 2.5% होना चाहिए। मगर 2022-23 के बजट में यह 0.35% पर पहुंच गया, जबकि 2020-21 में 1.1% रहा था।

इकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक, झारखंड में प्रति 10,000 लोगों पर सिर्फ 4 डॉक्टर हैं। राजस्थान में यह आंकड़ा 5, पंजाब में 6, छत्तीसगढ़ में 7, यूपी-बिहार-हरियाणा-महाराष्ट्र में 8-8, गुजरात में 9 और मध्यप्रदेश में 11 है। यूपी के ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में सबसे ज्यादा 1871 एएनएम की कमी है। इस सूची में हिमाचल (1253) दूसरे व गुजरात (616) तीसरे पर है। देश के शहरी इलाकों में कुल 5,481 पीएचसी हैं।

तमिलनाडु में 8 दिसंबर तक चक्रवाती तूफान की संभावना, पुडुचेरी और आंध्र तट से भी टकराएगा

पुडुचेरी, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में 8 दिसंबर तक चक्रवाती तूफान की संभावना है। दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण ये आसार हैं। इसके चलते उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और इससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के पास बंगाल की दक्षिण-पश्चिम खाड़ी तक पहुंचने की भी संभावना है।

रतलाम में ट्रक ने सड़क किनारे बैठे लोगों को रौंदा, पांच की मौत

रतलाम, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। शहर से करीब 27 किलोमीटर दूर सातरुंडा चौराहे पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे बैठे लोगों को रौंद दिया। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 10 लोग घायल हो गए।

गुरु को परमात्मा घोषित कराने सुप्रीम कोर्ट पहुंचा शिष्य

अदालत बोली-दूसरों पर थोप क्यों रहे; एक लाख जुर्माना भी

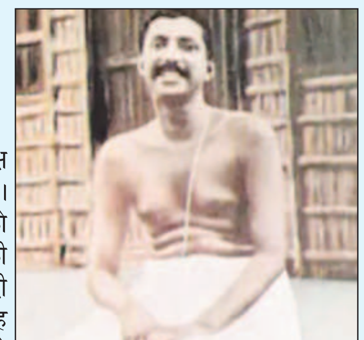

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक अजीबो-गरीब मामला आया। एक शिष्य ने अपने गुरु को परमात्मा घोषित करने के लिए जनहित याचिका लगाई। इसे जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस सीटी रविकुमार की बेंच ने खारिज कर दिया। साथ ही याचिकाकर्ता पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगा दिया। याचिका लगाने वाला उपेंद्र नाथ दलाई, श्रीश्री अनुकूल चंद्र ठाकुर का शिष्य है। उसकी मांग थी कि श्रीश्री ठाकुर के धर्म-समाज में योगदान को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट उन्हें परमात्मा मानने का निर्देश दे। उपेंद्र की याचिका में बीजेपी, आरएसएस, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, गुरुद्वारा बंगला साहिब, इस्कॉन समिति, बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया, नेशनल क्रिश्चिएन काउंसिल को भी पार्टी बनाया गया था। कौन हैं अनुकूलचंद्र चक्रवर्ती- श्रीश्री ठाकुर के नाम से मशहूर हैं। वे देवघर में सत्संग के संस्थापक थे। अनुकूल चंद्र का निधन 27 जनवरी 1969 को हुआ था।

भारत सरकार ने 1987 में उनके नाम पर एक मेमो डाक टिकट जारी किया था। कौन हैं अनुकूलचंद्र चक्रवर्ती- श्रीश्री ठाकुर के नाम से मशहूर हैं। वे देवघर में सत्संग के संस्थापक थे। अनुकूल चंद्र का निधन 27 जनवरी 1969 को हुआ था। भारत सरकार ने 1987 में उनके नाम पर एक मेमो डाक टिकट जारी किया था। कोर्ट ने खाचिका खारिज करते हुए कहा- भारत एक धर्म निरपेक्ष देश है। याचिकाकर्ता को इस बात की अनुमति नहीं दी जा सकती कि वह देश के लोगों से जबरदस्ती श्रीश्री अनुकूल चंद्र को परमात्मा मनवाए। जस्टिस शाह बोले- अगर आप उन्हें परमात्मा मानना चाहते हैं तो मानें, दूसरों पर क्यों थोप रहे हैं। हम यहां आपका लेक्चर सुनने नहीं, सुनाने आए हैं।

मकान मालिक के आगे खुद को लूडो में हारी महिला

पति का दावा-पत्नी ने फोन पर कहा अब यहां मत आना; पत्नी ने दावा झुठलाया

प्रतापगढ, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। एक पति ने दावा किया है कि उसकी पत्नी को लूडो खेलने की इतनी ज्यादा लत हो गई कि वह खुद को भी इस गेम में हार गई, वह भी मकान मालिक के आगे। यह मामला रविवार शाम को सामने आया, जब पति ने पुलिस में शिकायत दर्ज की। महिला का पति दूसरे शहर में काम करता है, जबकि महिला किराए के मकान में रहती थी। वहीं पर वह अपने मकान मालिक के साथ लूडो और ताश खेलती थी। जब लूडो में वह अपने सारे पैसे और जेवर हार गई तो उसने खुद को भी दांव पर लगा दिया और फिर खुद को भी हार गई।

पत्नी ने फोन करके पति को कहा-अब यहां मत आना

पति के मुताबिक उसकी पत्नी ने खुद इस बात की जानकारी उसे दी। साथ ही ये भी कहा कि अब यहां मत आना। अगर तुम यहां आए, तो ये लोग तुम्हें मार देंगे। पति अपनी पत्नी को वापस लाने के लिए पुलिस से गुहार लगा रहा है। वहीं पत्नी इन सारी बातों को गलत बता रही है। पत्नी का कहना है कि उसका पति उसे मारता-पीटता है। वह दूसरों के घरों में काम करके अपने बच्चों को पाल रही है। पति उसे पैसे तक नहीं भेजता है।

पति बाहर रहकर मजदूरी करता है

मामला प्रतापगढ़ के देवकली थाना क्षेत्र का है। पत्नी का नाम रन्नू है। उसका पति उमेश जयपुर और दिल्ली में मजदूरी करता है। दंपती के दो बच्चे भी हैं। उमेश करीब 1 साल पहले प्रतापगढ़ से मजदूरी करने बाहर गया था। पति ने बताया कि उसके बाहर जाने के बाद से ही उसकी पत्नी को लूडो और ताश खेलने की आदत हो गई। रविवार को उमेश ने पुलिस से मामले की शिकायत की। उसका कहना है कि किसी भी हाल में उसे अपना परिवार वापस चाहिए।

पति बोला-रन्नू ने ही दी खेल में हारने की जानकारी

उमेश ने पुलिस को बताया, 'पत्नी रन्नू लूडो और ताश खेलती है। मैं पैसे के लिए बाहर काम करता हूं। पत्नी जब पैसे मांगती है, मैं भेज देता हूं। मुझे ये नहीं पता था वह पैसे उड़ाने के लिए मांग रही है। मजदूरी में बॉन्ड होने के चलते मैं घर कम आ पाता था। इसलिए मुझे इन बातों की जानकारी भी नहीं थी। कुछ दिन पहले पत्नी ने फोन करके जुए में खुद को हार जाने की बात कही थी। तब उसने मुझसे ये भी कहा था, तुम यहां आओगे तो ये लोग तुम्हें मार देंगे।'

मेरा पूरा घर बर्बाद हो जाएगा, पत्नी वापस दिला दीजिए

उमेश ने आगे बताया, 'उसके बाद से मैं लगातार अपनी पत्नी से संपर्क करने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन मेरी उससे बात नहीं हो पा रही थी। मैंने अपने मकान मालिक को फोन किया, लेकिन उनसे भी मेरी बात नहीं हो पाई। किसी तरह मैंने अपने मकान मालिक की मां से बात की तब उन्होंने मुझे बताया कि उनका बेटा भी घर से गायब है। मुझे काम से छुट्टी भी नहीं मिल पा रही थी। किसी तरह मैं रविवार को प्रतापगढ़ पहुंचा। उसके बाद सीधे थाना आया हूं। मैं अपनी पत्नी को वापस लाना चाहता हूं। मेरे दो बच्चे हैं। मेरा पूरा घर बर्बाद हो जाएगा।'

पत्नी का दावा-पति मुझे मारता है, पैसे नहीं देता

इस पूरे मामले के बाद पत्नी रन्नू भी सामने आई है। उसने पुलिस को बताया, 'मैं कहीं नहीं गई थी, अपने घर पर ही थी। मेरा पति झूठ बोल रहा है। वह हम लोगों के साथ मारपीट करता है। घर चलाने के लिए भी पैसे नहीं देता है। वह काफी समय से घर तक नहीं आया। अब आया है तो ये सब बोल रहा है। मुझे लूडो और ताश खेलना आता ही नहीं है, फिर मैं हार कहां से जाऊंगी। मैं तो यहां लोगों के घरों में काम करके किसी तरह जिंदगी गुजर-बसर कर रही हूं।'

मकान मालिक को तलाश रही पुलिस

इस मामले में सीओ सिटी शुभेंदु गौतम ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा, 'हमने पति और पत्नी की बात सुनी है। पूछताछ की जा रही है, उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि पति का कहना है कि ये पूरा मामला पैसों के लेनदेन का है। यह बात भी सामने आ रही है कि पति ने पैसे उधार ले रखे थे। हम लोग मकान मालिक से भी बात करने की कोशिश कर रहे हैं।'

कई बार मकान मालिक के घर में हुआ विवाद

इस मामले में आसपास के लोगों का कहना है, उमेश मजदूरी के लिए बाहर रहता है। रन्नू को हम लोगों ने कई बार उसके मकान मालिक के साथ देखा है। वह अपने पति से भी ज्यादा मतलब नहीं रखती थी। कई बार इन लोगों को साथ बैठकर मोबाइल में कुछ करते तो देखा है लेकिन तब ये नहीं पता था ये लोग गेम खेल रहे हैं। रन्नू किसी से ज्यादा बात नहीं करती थी। उसके बच्चे भी ज्यादा घर से बाहर नहीं निकलते थे। कई बार मकान मालिक के घर में इसको लेकर विवाद भी हुआ है लेकिन उसके बाद भी उसने उनके घर जाना नहीं छोड़ा। ये लोग साथ में बाहर भी जाते थे।

राहुल गांधी ने टोकाटाकी कर रहे विधायक को फटकारा

जयराम बोले- हमें कांग्रेस शब्द पर पेटेंट करवाना था

झालावाड़, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा का राजस्थान में आज पहला दिन है। मॉर्निंग ब्रेक के बाद उनकी यात्रा का सेकेंड फेज शुरू हो गया है। सुबह यात्रा के दौरान राहुल गांधी विधायक रफीक खान(लाल जैकेट) पर नाराज हो गए थे।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का राजस्थान में पहला दिन है। मॉर्निंग ब्रेक के बाद राहुल गांधी की यात्रा का सेकेंड फेज शुरू हो गया है। इससे पहले, सुबह के समय वे काली तलाई से बाली बोरडा तक करीब 14 किलोमीटर चले थे।

दूसरे फेज में यात्रा शाम 6:30 बजे झालरापाटन के चंद्रभागा चौराहा पहुंचेगी। राहुल गांधी हर दिन यात्रा में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करेंगे। शाम 6:30 बजे झालरापाटन के चंद्रभागा चौराहे पर राहुल गांधी नुक्कड़ सभा को संबोधित करेंगे।

भारत जोड़ो यात्रा के सुबह के सेशन में जयपुर के आदर्श नगर से कांग्रेस विधायक रफीक खान को राहुल गांधी ने फटकार दिया। राहुल गांधी यात्रा में चलते हुए किसी से चर्चा कर रहे थे, इसी दौरान विधायक रफीक खान ने कई बार टोकाटाकी की तो वे नाराज हो गए। राहुल गांधी की फटकार के बाद विधायक रफीक खान झेंप गए और राहुल गांधी से कुछ दूरी पर चलने लगे। रफीक खान को फटकारने का यह पूरा मामला कैमरे में कैद हो गया।

जयराम बोले- मोदी की नीति से भारत टूटने का खतरा

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि मोदी की नीयत और नीति के कारण भारत टूटने का खतरा बढ़ रहा है। विभाजनकारी विचारधारा देश के लिए बड़ा खतरा है। राजनीतिक तानाशाही तीसरा बड़ा खतरा है। इन तीन खतरों का मुकाबला करने के लिए राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी की यात्रा चुनाव जिताऊ यात्रा नहीं है, इसका चुनावों में फायदा जरूर हो सकता है। रमेश ने कहा कि कांग्रेस वर्ड पर हमें पेटेंट करवाना चाहिए था, यह गलती हमारी है। आज देखिए कितनी कांग्रेस खड़ी हो गई है देश में कांग्रेस नाम से। वाईएसआर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, नेशनलिस्ट कांग्रेस। कांग्रेस को इससे नुकसान हुआ है।

गहलोत बोले- राहुल गांधी के लिए एसेट साबित होंगे भारत जोड़ो यात्री

सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में चल रहे यात्री राहुल गांधी के लिए एसेट साबित होंगे। बेरोजगारी से युवा परेशान है। समय रहते केंद्र सरकार बेरोजगारी, महंगाई को कंट्रोल करें। यात्रा इसी वक्त पर हो रही है, जब पूरा देश चिंतित है। यात्रा सम्पन्न होने के साथ फिर शुरू होगी। देश का आम आदमी यात्रा का साथ दे रहा है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, राज्यमंत्री होम गाड्र्स राजेंद्र गुढ़ा, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र, ओसियां से विधायक दिव्या मदेरणा ने भी सुबह-सुबह यात्रा से जुड़कर साथ चले। इससे पहले रविवार रात पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के क्षेत्र झालावाड़ से राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा की एंट्री हुई थी।

तकरीबन 11 बजे के आसपास जयराम रमेश, सीएम अशोक गहलोत, गोविंद सिंह डोटासरा और यात्रा के राजस्थान प्रभारी दिवाकर शास्त्री प्रेस कांफ्रेंस करेंगे। भारत जोड़ो यात्रा में चल रहे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रघुवीर मीणा गिरकर घायल। रघुवीर मीणा को एंबुलेंस से झालावाड़ अस्पताल ले जाया गया है। रघुवीर मीणा चलते हुए लड़खड़ाकर गिर गए थे। मीणा उदयपुर से सांसद रहे हैं।

भारत जोड़ो से सुबह-सुबह राजस्थान की बहादुर बेटी देविका भी जुड़ीं। राहुल ने उनसे बात की। देविका ने कहा- राहुल देश के लिए यात्रा कर रहे हैं।

देविका पाली की रहने वाली हैं और मुंबई आंतकी हमले की चश्मदीद रही हैं। राहुल गांधी का काफिला तकरीबन 7 बजकर 47 मिनट पर झालरापाटन में रायपुर फाटक के पास एक ढाबे पर रुका। यहां लगभग 25 मिनट का टी ब्रेक लिया गया।

राहुल गांधी यात्रा के दौरान आज चुनिंदा किसानों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे। यात्रा के दौरान ही हमेशा की तरह इनसे बातचीत होगी। वहीं, यात्रा के दौरान किसानों और आम लोगों से भी बात करेंगे। उनकी समस्या सुनेंगे। राहुल गांधी किसानों और आम लोगों की समस्याओं को यात्रा के दौरान उठाते रहे हैं।

राहुल गांधी राजस्थान में यात्रा के पहले दिन 34 किलोमीटर का सफर तय करेंगे। अब तक भारत जोड़ो यात्रा में औसतन रोज 24 किलोमीटर का सफर तय होता है, लेकिन राजस्थान में अब स्पीड बढ़ाई जा रही है।

यात्रा में कांग्रेस के सभी खेमे एक साथ दिखे। गहलोत-पायलट, दोनों के समर्थकों ने यात्रा में भाग ले रहे हैं।

भारत जोड़ो यात्रा में चोटिल हुए पूर्व सांसद

झालावाड़ में राहुल के साथ भीड़ में चल रहे रघुवीर मीणा गिरे, अंगुली में फ्रेक्चर से बांधना पड़ा प्लास्टर

उदयपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भीड़ के बीच जूता खुलने से जब मीणा उसे वापस पहन रहे थे, तभी धक्का लगने से वे नीचे गिर गए। हाथ के बल गिरने से मीणा के शरीर का वजन हथैली पर पड़ने से उन्हें अंगुली में चोट आई

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में दूसरे दिन सोमवार को पूर्व सांसद रघुवीर मीणा नीचे गिरने से घायल हो गए। भीड़ में गिरने से उनके बाए हाथ की अंगुली में फ्रेक्चर हुआ है। भीड़ के बीच जूता खुलने से जब मीणा उसे वापस पहन रहे थे, तभी धक्का लगने से वे नीचे गिर गए। हाथ के बल गिरने से मीणा के शरीर का वजन हथैली पर पड़ने से उन्हें अंगुली में चोट आई है।

जानकारी के अनुसार झालावाड़ के पास काली तलाई में दूसरे दिन यात्रा आगे बढ़ रही थी, तभी मीणा भीड़ में धक्का लगने से गिर गए। यात्रा में शामिल अन्य नेताओं ने मीणा को संभाला यदि वक्त रहते

उन्हें नहीं उठाया जाता तो उन्हें भीड़ में ज्यादा चोट लग सकती थी। गिरने के बाद रघु मीणा को तुरंत झालावाड़ के पास एक अस्पताल में ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने एक्स्ट्रा के बाद उनके बाएं हाथ की बीच वाली अंगुली में फ्रैक्चर की बात बताई है। डॉक्टर की सलाह पर मीणा को प्लास्टर बांधा गया है।

वही, घटना की जानकारी मिलते ही उदयपुर के कई कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ताओं ने अपने अपने स्तर पर प्रभु मीणा से फोन कर संपर्क की कोशिश की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

राज्यवर्धन राठौड़ ने राजस्थान डीजीपी पर साधा निशाना

सीकर हत्याकांड में यूपी पुलिस की तरह करके दिखाते

जयपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान बीजेपी मुख्यालय में प्रेस को संबोधित करते हुए प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सीकर हत्याकांड को लेकर गहलोत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, राजस्थान में पुलिस के हाथ बंधे हैं।

राजस्थान में बीजेपी मुख्यालय पर मीडिया से रूबरू होते हुए बीजेपी प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सीकर हत्याकांड और 24 घंटे में अपराधियों के पकड़े जाने को लेकर बड़ी बात कही है। राज्यवर्धन सिंह ने कहा, पुलिस पर किसी प्रकार का कोई शक नहीं है। पुलिस की काबिलियत पर कोई शक नहीं है। लेकिन पुलिस के मुखिया में अगर दम होता तो अपराधियों से उत्तर प्रदेश पुलिस की तरह निपटते।

राठौड़ ने आगे कहा, पुलिस की क्षमता पर जरा सा भी संदेह नहीं किया जा सकता। लेकिन राजस्थान में पुलिस के हाथ बंधे हैं। पुलिस को जब तक खुली छूट नहीं मिलेगी, राजस्थान में अपराधियों का इकबाल इसी प्रकार बुलंद रहेगा। अपराधियों के अंदर डर लाने के लिए पुलिस को खुली छूट देनी होगी। अगर पुलिस को खुली छूट हो तो अपराधियों की हिम्मत नहीं कि वो किसी प्रकार का अपराध करना तो दूर उसके विषय में सोच भी सकें।

राठौड़ ने जयराम रमेश के बयान पर भी कहा, देश में सिर्फ बीजेपी और संघ ही है जो देश को जोड़ने, देश की अखंडता को बनाए रखने और देश की संस्कृति की रक्षा करने का काम कर रहा है। कांग्रेस ने तो हमेशा देश को तोड़ने और बांटने का काम किया है। राठौड़ ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर तंज कसते हुए कहा, राहुल री-लॉन्च हो रहे हैं। इस पर करीब 500 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। देश के करोड़ो रुपये राहुल गांधी पर खराब किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, बीजेपी को देश के युवाओं और उनकी क्षमता पर पूरा भरोसा है।

पूनिया बोले-18 दिन राहुल गांधी से रोजाना पूछूंगा सवाल

पहला सवाल- क्या किसानों की कर्जमाफी का वादा पूरा करेंगे ?

जयपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान में आते ही BJP ने उनके सामने सवालों की झड़ी लगाने की प्लानिंग की है। गहलोत सरकार की चौथी वर्षगांठ के दौरान जनआक्रोश यात्रा के साथ-साथ राहुल गांधी को भी BJP घेरेगी। राजस्थान BJP प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने कहा- राजस्थान के जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी से 18 दिन में मैं 18 सवाल करूंगा। पहला सवाल यह है कि राहुल गांधी पावणे की तरह पधारे हैं। तो क्या राजस्थान के किसानों के लिए कोई सौगात लेकर आए हैं। क्या कर्जमाफी का वादा पूरा करेंगे ?

पूनिया ने कहा- राहुल गांधी की 10 तक गिनती कब पूरी होगी, किसानों का कर्जा तो माफ नहीं हुआ है, लेकिन राजस्थान के किसान का खेत साफ हो गया, जेब साफ हो गई, हजारों किसानों की जमीनें नीलाम हो गईं। राजस्थान अतिथि परंपरा का प्रदेश है और यहां राहुल गांधी कुल 18 दिन रहेंगे। मैं आम जनता से रोजाना रू-ब-रू होकर 18 दिन तक रोजाना 1 मिनट संवाद करूंगा। वीडियो संदेश के जरिए राहुल गांधी से सवाल भी करूंगा।

पूनिया बोले- पहला सवाल है कि राहुल गांधी ने साल 2018 में विधानसभा चुनाव से पहले राजस्थान में कई जनसभाओं में यह सब्जबाग दिखाया था कि कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है तो राजस्थान के किसानों का पूरा कर्जा माफ करेंगे। राहुल ने कहा था कि मैं 1 से 10 तक गिनती गिनूंगा, कर्जा माफ हो जाएगा। कर्जा नहीं किसान का खेत साफ हो गया, उसकी जेब साफ हो

गई। हजारों किसानों की जमीनें नीलाम हो गईं। कई किसानों को आत्महत्या पर मजबूर होना पड़ा। राहुल इसका जवाब दें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी 21 दिसम्बर तक राजस्थान में रहेंगे। 4 दिसंबर से 21 दिसंबर तक वह भारत जोड़ो यात्रा निकालेंगे। इस दौरान शुरुआती दो दिन झालावाड़ में भारत जोड़ा यात्रा निकाली जा रही है। जिसमें चित्तौड़गढ़, उदयपुर और बांसवाड़ा जिले से कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता शामिल हो रहे हैं। 6 दिसम्बर को झालावाड़ से यात्रा कोटा पहुंचेगी। इसमें बूंदी और राजसमंद के कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता शामिल होंगे। 7 दिसम्बर को कोटा में डूंगरपुर और भीलवाड़ा, 8 दिसम्बर को कोटा में बाड़मेर और पाली के नेता यात्रा में शामिल होंगे। 9 दिसम्बर को कोटा से बूंदी यात्रा पहुंचेगी।

10 दिसम्बर को बूंदी में यात्रा में भरतपुर, दौसा, 11 दिसम्बर को बूंदी में यात्रा के दौरान अजमेर, नागौर, 12 दिसम्बर को बूंदी से सवाईमाधोपुर यात्रा पहुंचेगी। इस दौरान सिरोही, प्रतापगढ़ और टोंक के कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता शामिल होंगे। 13 दिसम्बर को सवाईमाधोपुर में बारां, धौलपुर, करौली, 14 दिसम्बर को सवाईमाधोपुर से यात्रा दौसा पहुंचेगी। इस दौरान जैसलमेर और जालोर के कांग्रेस नेता कार्यकर्ता राहुल के साथ होंगे। 15 दिसम्बर को दौसा में झालावाड़ और श्रीगंगानगर, 16 दिसम्बर को दौसा में कोटा और सवाईमाधोपुर के कार्यकर्ता राहुल के साथ पैदल मार्च करेंगे। 17 दिसम्बर को दौसा में ही यात्रा रहेगी। प्रदेश की गहलोत सरकार की चौथी वर्षगांठ का प्रोग्राम भी 17 दिसम्बर को है। 18 दिसम्बर को दौसा में हनुमानगढ़ और जयपुर के कांग्रेस नेता कार्यकर्ता यात्रा में शामिल होंगे।

19 दिसम्बर को भारत जोड़ो यात्रा दौसा से अलवर जिले में एंट्री करेगी। इस दौरान बीकानेर, चूरू और झुंझुनूं के कांग्रेसनेता-कार्यकर्ता साथ होंगे। 20 दिसम्बर को अलवर में जोधपुर और सीकर के कार्यकर्ता जुटेंगे। 21 दिसम्बर को अलवर में भारत जोड़ो यात्रा रहेगी।

खाने के लिए जयपुर में लोगों के बीच पहुंचा तेंदुआ

भीड़ को देख झाड़ियों में छिपा, 2 घंटे की मशक्कत के बाद किया गया ट्रेंकुलाइज

जयपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर के रिहायशी इलाके में रविवार को लेपर्ड (तेंदुआ) की दस्तक से हड़कंप मच गया। सेज इलाके के परसा गांव के बाड़े में लेपर्ड घुसने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने लेपर्ड की निगरानी शुरू कर वन विभाग की टीम को बुलाया। 2 घंटे से ज्यादा की कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू किया।

वन विभाग के रेंजर जनेश्वर चौधरी ने बताया कि खाने की तलाश में लेपर्ड वन क्षेत्र से निकलकर आबादी क्षेत्र में घुस गया था। आम लोगों को देखकर लेपर्ड डर गया और बाड़े में घुस गया। लेपर्ड को सकुशल ट्रेंकुलाइज कर रेस्क्यू कर लिया गया है। फिलहाल लेपर्ड का मेडिकल टेस्ट किया जाएगा। इसके बाद उसे एक बार फिर जंगल में छोड़ देंगे।

परसा गांव के रहने वाले हरिकिशन ने बताया कि रविवार सुबह खेत की ओर जा रहा था। तब मुझे लेपर्ड नजर आया। इसके बाद मैंने पुलिस को इसकी जानकारी दी। लगभग 11:30 तक पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। दोपहर करीब 1 बजे झालाना लेपर्ड रिजर्व से रेंजर और डॉक्टर्स की टीम गांव पहुंची। लेपर्ड बाड़े की झाड़ियों में छिपा बैठा था। झाड़ियों के कारण लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज करने में काफी परेशानी आई। दोपहर करीब तीन बजे वन विभाग की टीम ने लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज कर उसका रेस्क्यू कर उसे अपने साथ नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लेकर गए हैं।

सेज थाना अधिकारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि लेपर्ड झाड़ियों में छुपा बैठा था। इससे पहले भी जयपुर के जयसिंहपुरा खोर, झालाना और जामडोली इलाके में कई बार लेपर्ड रिहायशी इलाके में पहुंच चुके हैं। कुछ समय पहले लेपर्ड दादाबाड़ी के तक्षशिला फार्म हाउस में घुस गया था। जगतपुरा स्थित पाम कोर्ट कॉलोनी में लेपर्ड की दस्तक ने आम आदमियों को घरों में कैद कर दिया था। इससे पहले मोती डूंगरी की पहाड़ियों में लेपर्ड की मौजूदगी ने आम जनता को परेशान कर दिया था। 10 नवंबर को जयपुर के जयसिंहपुरा खोर स्थित जैन दादाबाड़ी के तक्षशिला फार्म हाउस में घायल लेपर्ड घुस गया था। इस दौरान आम लोगों को देख डरा हुआ लेपर्ड बाथरूम में जा छिपा था। इसके बाद वहां मौजूद कर्मचारियों ने बाथरूम का दरवाजा बाहर से बंद कर वन विभाग को इसकी जानकारी दी थी। वन विभाग की टीम ने डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज किया था।जयपुर के जगतपुरा स्थित पामकोर्ट कॉलोनी में 15 अक्टूबर को की रात रिहायशी कॉलोनी में लेपर्ड घुस गया था। वह काफी देर तक कॉलोनी में इधर-उधर घूमता रहा था।

उस दौरान डिनर के बाद वॉक पर निकले एक युवक ने देखा तो दहशत के मारे लोग घरों में कैद हो गए थे। इसके बाद लेपर्ड का सारा मूवमेंट सीसीटीवी कैमरे में भी रिकॉर्ड हो गया था।

भारत जोड़ो यात्रा में काले झंडे दिखाने की चेतावनी

गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज में छात्रसंघ शपथ ग्रहण पर विवाद, छात्रों ने किया हंगामा

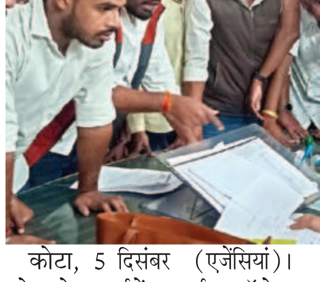

कोटा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटा के गवर्नमेंट आर्टस कॉलेज के स्टूडेंट्स ने राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा के दौरान काले झंडे दिखाने की चेतावनी दी है। मामला कॉलेज के छात्र संघ शपथ ग्रहण समारोह से जुड़ा हुआ है। जिसे लेकर स्टूडेंट्स ने छात्रसंघ अध्यक्ष मनीष सांवरिया के नेतृत्व में सोमवार को कॉलेज प्राचार्य के ऑफिस में जमकर हंगामा किया। मनीष सांवरिया का आरोप है कि कॉलेज प्रशासन छात्र संघ शपथ ग्रहण समारोह नहीं होने देना चाहता। छात्र संघ पदाधिकारियों के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह में एबीवीपी के पदाधिकारी और केंद्र से मंत्री को बुलाना चाहते हैं।

लेकिन कॉलेज प्रशासन राज्य सरकार से और स्थानीय मंत्री को बुलाने पर अड़ा हुआ है। इस बात को लेकर प्राचार्य शपथ ग्रहण समारोह का लेटर ही जारी नहीं कर रही। इसी बात का विरोध करते हुए सोमवार को स्टूडेंट्स ने प्राचार्य का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया। स्टूडेंट्स और प्राचार्य के बीच में जमकर नोकझोंक भी हुई। स्टूडेंट्स ने कहा कि अगर लेटर जारी नहीं किया जाता तो प्राचार्य को ऑफिस में नहीं बैठने दिया जाएगा।

साथ ही यह चेतावनी भी दी कि राहुल गांधी की यात्रा के दौरान यात्रा में काले झंडे दिखाएंगे। काला किया काले झंडे राहुल गांधी के विरोध में नहीं बल्कि प्राचार्य के विरोध में होंगे और उनका पोस्टर भी यात्रा के मार्ग पर लगाया जाएगा। स्टूडेंट्स का कहना है कि छात्रसंघ अपने शपथ ग्रहण समारोह में उनके ही प्रतिनिधि को बुलाएगा।

ट्रक ने पति-पत्नी को कुचला, महिला की बॉडी सड़क पर बिखरी, पॉलीथिन में ले जाना पड़ा शव

पाली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। स्कूटी पर जा रहे पति-पत्नी को ट्रक ने कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौत हो गई। हादसे का सीसीटीवी भी सामने आया है। जिसमें ट्रक पति-पत्नी को कुचलते हुए निकलते नजर आ रहा है। हादसा पाली के रोहट में हुआ। पुलिस ने बताया कि हादसे में 65 साल के दूदाराम मेघवाल और उनकी 62 साल की पत्नी सोना देवी की मौत हो गई। दंपती जोधपुर के मंडोर में कीर्ति नगर के रहने वाले थे।

दूदाराम के बेटे रविंद्र ने बताया कि उसके पिता रातानाडा स्कूल से हेड मास्टर के पद से रिटायर हुए थे। उन्हें खेती का शौक था। इस कारण पाली के मादड़ी के पास

जमीन खरीदी थी और तारामीरा की फसल कर रखी थी। माता-पिता रविवार सुबह मादड़ी के पास फार्म हाउस पर गए थे। शाम को लौटते समय हादसा हुआ।

रोहट के पीएचईडी ऑफिस के सामने पति-पत्नी स्कूटी पर जोधपुर की ओर जाते दिखाई दे रहे हैं। पीछे से तेज स्पीड में ट्रक आता है और स्कूटी के बिल्कुल पास से गुजरता है। इससे स्कूटी का बैलेंस बिगड़ गया। पति-पत्नी सड़क पर गिर जाते हैं। महिला के ऊपर से ट्रक का पिछला टायर निकल गया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं रिटायर हेड मास्टर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

हादसा इतना भीषण था कि महिला की बॉडी सड़क पर बिखर गई। पुलिस ने लोगों की मदद से बॉडी के पार्ट को इकट्ठा किया। पॉलीथिन में पोटली बनाकर शव को मॉर्च्युरी में रखवाया गया।

मृतक के चार बेटे और एक बेटी है। सबसे बड़े बेटे की करीब 3 साल पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। पाली के रोहट हॉस्पिटल में सोमवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

अलवर में कार से भारी मात्रा में मिली विस्फोटक सामग्री, जिलेटिन छड़ों की कार्टून छोड़ चालक फरार

अलवर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पुलिस की नाकाबंदी देखकर कार चालक फरार हो गया। जिसके बाद पुलिस ने पीछा करना शुरू किया तो चालक कार छोड़कर भाग गया। कार से जिलेटिन छड़ की कार्टून और दो डब्बे डेटोनेटर के भी बरामद हुए हैं।

अलवर जिले के बानसूर में पुलिस ने एक कार से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद किया है। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया

है। कार में करीब आठ कार्टून में जिलेटिन की 200 छड़ें मिलीं। हालांकि, मौके से कार चालक फरार हो गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सीकर में गैंगेस्टर राजू ठेहट की हत्या के बाद अलवर में पुलिस को अलर्ट किया गया था। ऐसे में बानसूर थाने के सामने कोटपूतली रोड पर पुलिस ने नाकाबंदी करके वाहनों की तलाशी ले रही थी। इसी दौरान पुलिस को कोटपुतली की ओर से हरियाणा नंबर की मारुति स्विफ्ट गाड़ी आती नजर आई। नाकाबंदी देख कार चालक ने गाड़ी वापस मोड़ ली। जिसके बाद पुलिस ने गाड़ी का पीछा किया। कार चालक गाड़ी 15 किमी दूर एक सुनसान जंगल में छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली तो भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। पुलिस को कार से आठ कार्टून मिली। प्रत्येक कार्टून में 200 जिलेटिन की छड़ें थी। यही नहीं दो डब्बे डेटोनेटर के भी बरामद किए गए हैं। प्लास्टिक की पॉलिथीन में लगभग 75 विस्फोटकों की बत्तियां मिली हैं। राहुल गांधी की यात्रा के राजस्थान में प्रवेश के बाद इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक मिलने से पुलिस की चिंता बढ़ गई है।

राज्य में पत्रकार बंधु योजना लागू की जाए : कृष्णा

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदिगा रिजर्वेशन पोराटा समिति (एमआरपीएस) के संस्थापक-अध्यक्ष मंदा कृष्णा मादिगा ने आज मांग की कि राज्य सरकार राज्य में पत्रकारों के कल्याण और विकास के लिए पत्रकार बंधु योजना को दलित बंधु और रैतू बंधु योजनाओं के समान लागू करे। बाघलिंगमपल्ली के सुंदरय्या विज्ञान केंद्र में महाजन वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन द्वारा आयोजित मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, मदिगा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य के सूचना और जनसंपर्क विभाग के लिए कोई मंत्री और आयोग कैडर का एक अधिकारी नहीं था। उन्होंने कहा कि सूचना और जनसंपर्क विभाग मुख्यमंत्री के पास है।

पत्रकार और पत्रकार संघ मुख्यमंत्री को कोई प्रतिनिधित्व प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य में इस विभाग के लिए एक विशेष मंत्री हुआ करते थे। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि पत्रकार बंधु योजना को लागू करने के उनके अनुरोध को मांग या चेतावनी मानने के बजाय सकारात्मक दृष्टिकोण से विचार किया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री से सभी पत्रकार संघों और पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए छह माह में एक बार बैठक बुलाने का भी आग्रह किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी के घोषणापत्र में उल्लिखित पत्रकारों की एक भी समस्या का राज्य सरकार द्वारा अब तक समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष के सभी श्रमजीवी पत्रकारों को मान्यता कार्ड और स्वास्थ्य कार्ड प्रदान करने के वादे को अभी तक पूरी तरह से लागू नहीं किया गया है, हालांकि वे वर्ष 2014 में किए गए थे। उन्होंने यह भी मांग की कि राज्य सरकार भूमि स्थल और घर प्रदेश के सभी पत्रकारों को प्रदान करे। राज्य सरकार के दावों का उल्लेख करते हुए कि वह सबसे अधिक कल्याणकारी कार्यक्रमों वाले राज्यों की सूची में सबसे ऊपर है, उन्होंने कहा कि राज्य के पत्रकार कल्याण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में राज्य बहुत पीछे है। उन्होंने कहा कि मंत्री टी. हरीश राव, टीआरएस विधायक रेगा कांता राव और मुता गोपाल ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में राज्य के दलित पत्रकारों के लिए दलित बंधु योजना के विस्तार के लिए कदम उठाए।

ग्रामीण सड़कों की मरम्मत करने के निर्देश

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने अधिकारियों को तेलंगाना राज्य में ग्रामीण सड़कों की मरम्मत के लिए एक कार्य योजना तैयार करने और 15 दिसंबर तक कार्य समझौतों को पूरा करने का निर्देश दिया है। मंत्री प्रशांत रेड्डी ने सोमवार को यहां आर एंड बी विभाग मुख्यालय से सभी जिलों के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और तेलंगाना में नई सड़कों की मरम्मत और बिछाने के बारे में चर्चा की। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने आवधिक नवीनीकरण (पीआर) और बाढ़ क्षति सड़कों (एफडीआर) के तहत 2,500 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं और विभाग को युद्ध स्तर पर सड़क मरम्मत कार्य करने का निर्देश दिया है। पिछले दो वर्षों के दौरान हुई भारी बारिश के कारण तेलंगाना में ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें और पुलिया बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। प्रशांत रेड्डी ने कहा कि अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में स्थानीय विधायकों के समन्वय से उपायों में तेजी लाएं और कार्य समझौतों की प्रक्रिया को निर्धारित अवधि में पूरा करें।

बंडी ने सरकार से बेंगलुरु ड्रग्स मामले को फिर से खोलने की मांग की

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष व सांसद बंडी संजय कुमार ने आज मांग की कि राज्य सरकार बेंगलुरु ड्रग्स मामले को फिर से खोले और जांच तेज करे। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर के परिवार के मामले से संबंध हैं। उन्होंने मांग की कि जांच एजेंसियां आरोपियों को सजा देने के अलावा जनता के सामने लाएं। सनसनीखेज दिल्ली शराब घोटाले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए टीआरएस एमएलसी के. कविता के सीबीआई अधिकारियों के सामने पेश नहीं होने के फैसले का जिक्र करते हुए, भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कविता ने सीबीआई अधिकारियों के सामने पेश नहीं होने का फैसला किया क्योंकि वह डर गई थी कि बयान दर्ज करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सीबीआई द्वारा गिरफ्तारी से बचने के लिए केसीआर और कविता नए नाटक कर रहे थे और कविता की गिरफ्तारी की स्थिति में सहानुभूति प्राप्त करने की योजना बना रहे है। मुख्यमंत्री के आरोपों का उल्लेख करते हुए कि केंद्र में भाजपा सरकार केसीआर सरकार को अस्थिर करने की योजना बना रही थी।

उन्होंने आश्चर्य जताया कि तेलंगाना में केवल तीन विधायकों वाली भाजपा कैसे राज्य सरकार का पतन सुनिश्चित करेगी। बंडी ने आरोप लगाया कि यह सीएम केसीआर थे, जिन्होंने राज्य में विपक्षी राजनीतिक दलों के 37 विधायकों को खरीदकर लोकतंत्र का मजाक उड़ाया। उन्होंने अपनी चल रही प्रजा संग्राम पदयात्रा के तहत निर्मल जिले के कनकपुर गांव के निवासियों को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। पदयात्रा सोमवार को आठवें दिन में प्रवेश कर गई।

कवि सम्मेलन व मुशायरा में बहुत ख़ूबसूरत समाँ बाँधा कवियों ने

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की मासिक साहित्य गोष्ठी में गत दिनों मुंबई से नगर पधारे सुप्रसिद्ध शायर व साहित्यकार रियाज़ रहीम (चाँदशाह सैय्यद रहीम) के नवीन ग़ज़ल संग्रह ख़्वाब ही बस देखते रह जाएँ क्या? का लोकार्पण समारोह व कवि सम्मेलन का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि शायर रियाज़ रहीम उर्दू और हिंदी के वरिष्ठ शायर है। देशभर के अनेक प्रांतों में मंचों से शायरी प्रस्तुत कर इन्होंने ख़ूब ख्याति अर्जित की है। इनको देशभर के साहित्यिक व सामाजिक क्षेत्र की संस्थाओं द्वारा अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। इन्हें महाराष्ट्र उर्दू अकादमी से भी सम्मानित होने का गौरव प्राप्त है। अध्यापन के क्षेत्र में भी इन्होंने अपनी महत्त्वपूर्ण सेवाएँ प्रस्तुत की हैं। रियाज़ रहीम की जब तक मंज़र बदल न जाए (उर्दू), पूछना है तुमसे इतना (हिंदी), हिंदी के शायर नीरज कुमार की पुस्तक मैं कहता आँखन की देखी का संपादन, रियाज़ रहीम की शायरी जिसमें देश और पाकिस्तान के साहित्यकारों ने लेख लिखे हैं जिसका संपादन नूरुद् दीन नूर ने किया जैसी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इस साहित्यिक गोष्ठी में समीक्षिका सुधा ठाकुर ने ग़ज़ल संग्रह ख़्वाब ही बस देखते रह जाएँ क्या? का परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि रियाज़ रहीम का यह ग़ज़ल संग्रह बहुत ही सुंदर और हृदयस्पर्शी है। वरिष्ठ शायर नूरुद्दीन नूर ने कहा कि सैयद रियाज़ रहीम का जन्म 21 जुलाई, 1959 को कर्नाटक के धारवाड़ में हुआ था। मुंबई विश्वविद्यालय से एम. ए. और फिर बी. एड्. करने के बाद वे अध्यापन के पेशे से जुड़ गये। यदि उनके काव्य के बारे में कहे तो उनकी काव्य यात्रा सामाजिक सभ्यता एवं संस्कृति की अनुभूति एवं चिंतन का दर्पण है। ख़ुशबू का सफ़र उर्दू मासिक पत्रिका के प्रधान संपादक व विख्यात शायर सलाहुद् दीन नैय्यर ने ख़्वाब ही बस देखते रह जाएँ क्या? हिंदी ग़ज़ल संग्रह का लोकार्पण करने के बाद कहा कि रियाज़ रहीम हिंदुस्तानी ज़बान के कवि हैं। अध्यक्षीय टिप्पणी में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने ख़्वाब ही बस देखते रह जाएँ क्या? के लोकार्पण पर रियाज़ रहीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि हिंदी और उर्दू बोलचाल की भाषा है। उर्दू बोलने और लिखने में कोई अंतर नहीं है। हिंदी बहुत ही सरल और सामान्य भाषा है जिसको आम आदमी समझता है। इस अवसर पर एक कवि गोष्ठी का आयोजन भी संपन्न हुआ, जिसमें नगरद्वय के कविगण अपनी समसामयिक कविताएँ, गीत, ग़ज़ल, हास्य व्यंग्य की कविताओं का पाठ किया। कविता पाठ करने वाले कवियों में शिवकुमार तिवारी कोहिरी, अनिल कुमार गुप्ता, डॉ. प्रभास चंद्र सिंह चंदर, रत्नकला मिश्र, गोविंद अक्षय, सुधा ठाकुर, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, नूरुद् दीन नूर, रियाज़ रहीम, पूनम जोधपुरी, डी. प्रेमराज, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, प्रदीप देवीशरण भट्ट, सलाहुद् दीन नैय्यर, दुर्गाराज पटून, विजयलक्ष्मी बस्वा, संतोष रज़ा, नुसरत रेहाना आसिफ, शोभा देशपांडे, दिनेश सिंह, एलिजाबेथ कुरियन मोना, तस्नीम जौहर, विनोदगिरि अनोखा, डॉ. राजींदर कौर महाजन, रेणु अग्रवाल, अंजनी कुमार गोयल आदि के नाम सम्मिलित हैं।

एक्विनो स्क्वाड्रन को कमांडेंट का बैनर मिला

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फ्लाइट कैडेट्स के ऑटम टर्म 2022 की इंटर स्क्वाड्रन ड्रिल प्रतियोगिता सोमवार को वायु सेना अकादमी डुंडीगल में आयोजित की गई। अकादमी में कैडेटों को कठोरता और मानकों के साथ गहन आउटडोर प्रशिक्षण दिया जाता है। अपने प्रशिक्षण शासन के दौरान, कैडेट एक्स-कंट्री, ड्रिल्स, फील्ड क्राफ्ट कैंप, रेंज फायरिंग, रूट मार्च, फिजिकल एप्टीट्यूड टेस्ट आदि जैसी विभिन्न कठिन गतिविधियों से गुजरते हैं। इस दौरान कैडेटों ने भारतीय वायुसेना बैंड द्वारा निभाई गई मार्शल धुनों पर एक शानदार मार्च पास्ट प्रस्तुत किया। एयर मार्शल बी चंद्रशेखर, कमांडेंट, वायु सेना अकादमी ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्राफियां प्रदान कीं।

एक्विनो स्क्वाड्रन ने इंटर स्क्वाड्रन ड्रिल प्रतियोगिता के लिए विजेता की ट्रॉफी जीती। कमांडेंट के बैनर को खेल, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, क्रॉस कंट्री, ड्रिल और अकादमिक सहित विभिन्न अंतर-स्क्वाड्रन प्रतियोगिताओं में समग्र प्रदर्शन के आधार पर स्क्वाड्रन को प्रदान किया जाता है। एक्विनो स्क्वाड्रन के स्क्वाड्रन कैडेट कैप्टन फ्लाइट कैडेट गोकुल के को ऑटम टर्म 2022 के लिए प्रतिष्ठित कमांडेंट का बैनर मिला। विजेता स्क्वाड्रन को 'चैंपियन स्क्वाड्रन' कहा जाता है और इस स्क्वाड्रन के कैडेटों को इस दौरान अपनी वर्दी के ऊपर कंधे पर डोरी पहनने का सौभाग्य अगले समेस्टर में प्राप्त होता है।

कपास जिनिंग मिलों को तय लक्ष्य को समय सीमा में पूरा करना है : राहुल राज

आसिफाबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिलाधिकारी राहुल राज ने कहा कि जिले में लॉरी एसोसिएशन के सदस्य एवं जिनिंग मिलों के मालिक आपस में समन्वय बनाकर निर्धारित लक्ष्य को समय सीमा में पूरा करें। सोमवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन में जिनिंग मिलों के मालिकों व लॉरी एसोसिएशन के सदस्यों के साथ जिला अपर समाहर्ता राजेशम व जिला परिवहन अधिकारी गंधम लक्ष्मी के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि सरकार किसानों के उत्थान की दिशा में काम करेगी और जिले में कपास खरीद कार्यक्रम जारी रहेगा और इस संबंध में सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समन्वित प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रबंधन और लॉरी एसोसिएशन के सदस्यों ने समन्वय के साथ काम किया और इसी तरह समरसिंघा को शांतिपूर्ण माहौल में बिना किसी कानून व्यवस्था की गड़बड़ी के प्रक्रिया को पूरा करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कपास किसानों को उचित मूल्य मिले और ऐसा न हो, कोई किसानों को नुकसान उठाना पड़े। मिल मालिक स्थानीय लॉरियों को तरजीह दें। उन्होंने कहा कि लॉरी किराए के मुद्दे को दोनों पक्षों द्वारा समन्वय से हल किया जाना चाहिए।स कार्यक्रम में जिनिंग मिलों के मालिक, लॉरी एसोसिएशन के प्रतिनिधि, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य लोगों ने भाग लिया।

सीएलपी नेता ने सरकार को विरोध प्रदर्शन की चेतावनी दी

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में भूमि संबंधी समस्याओं को हल करने में राज्य सरकार पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए, सीएलपी नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आज राज्य सरकार को चेतावनी दी कि यदि यह विफल रहा तो वे कांग्रेस पार्टी द्वारा विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि विवादास्पद धरणी पोर्टल में भूमि अभिलेखों की प्रविष्टि में हुई अनियमितताओं के कारण वास्तविक किसानों द्वारा भूमि के नुकसान के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। खम्मम जिला कलेक्ट्रेट के पास धरना चौक पर पार्टी द्वारा आयोजित एक विरोध कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने राज्य के किसानों को 24 लाख एकड़ कृषि भूमि वितरित की, उन्होंने कहा कि 12 लाख एकड़ में प्रवेश करने के कारण किसानों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के अधिकारी धरणी पोर्टल में भू-अभिलेखों की प्रविष्टि में गलती करने के बाद किसानों को तहसीलदार कार्यालयों के चक्कर लगाने के लिए मजबूर कर रहे है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टीआरएस सरकार ने आठ साल पहले सत्ता में आने के बाद से भूमि वितरण प्रक्रिया शुरू नहीं की और कहा कि राज्य सरकार ने सत्ता में आने के बाद पिछली सरकारों द्वारा गठित सौंपी गई भूमि समितियों को समाप्त कर दिया था। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने इंदिरम्मा आवास योजना के तहत राज्य में बेघर परिवारों के लिए घर बनाए थे और आरोप लगाया कि राज्य सरकार राज्य में बेघर परिवारों को घर बनाने के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी नहीं कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टीआरएस सरकार राज्य की विकासात्मक जरूरतों के नाम पर गरीब लोगों से आवंटित भूमि, इनाम भूमि और सरकारी जमीन भी ले रही है और गरीब लोगों को और गरीब बना रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगले विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने के बाद किसानों की सभी समस्याओं का समाधान करेगी। विरोध प्रदर्शन में पार्टी के कई नेता शामिल हुए।

किसानों की जमीन अवैध रूप से हड़प रही है सरकार : शब्बीर

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने टीआरएस सरकार पर धरनी पोर्टल के नाम पर किसानों की जमीन अवैध रूप से हड़पने का आरोप लगाया है। वह धरनी पोर्टल को रद्द करने, फसली ऋण माफ करने और पोडू भूमि मुद्दे के समाधान की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी के राज्यव्यापी आंदोलन के तहत सोमवार को कामारेड्डी कलेक्ट्रेट में एक विशाल धरने को संबोधित कर रहे थे। शब्बीर अली ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा गरीबों और किसानों को सशक्त बनाया। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गरीबों के बीच 48 लाख एकड़ से ज्यादा जमीन बांटी। अविभाजित आंध्र प्रदेश में, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ वाईएस राजशेखर रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने 2004-2009 से गरीबों के बीच 6.30 लाख एकड़ जमीन वितरित की। उन्होंने कहा कि राजस्व साधुओं को गरीबों में जमीन बांटने के लिए रखा गया था। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार धरणी के नाम पर गरीब किसानों से जमीन ले रही है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव अपने परिवार और दोस्तों के लिए किसानों की जमीन हड़पने के लिए धरणी का इस्तेमाल एक उपकरण के रूप में कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धरनी के आने के बाद करीब 30 लाख एकड़ जमीन से जुड़ी शिकायतें सामने आई हैं। "केसीआर सरकार भूमि के प्रमुख पार्सल को निषिद्ध क्षेत्र के तहत रखकर छीन रही है। जमीन के उन टुकड़ों को निजी कंपनियों को खुली नीलामी में बेचा जा रहा है। अन्यथा, केसीआर परिवार के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से उन जमीनों को निजी पार्टियों को बेच रहे हैं। कांग्रेस पार्टी करेगी।" किसानों के साथ हुए इस अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेंगे और तब तक संघर्ष करेंगे जब तक धरणी रद्द नहीं हो जाती।" शब्बीर अली ने टीआरएस सरकार को रुपये तक के फसली ऋण माफ करने के अपने वादे को पूरा नहीं करने के लिए भी फटकार लगाई। कामारेड्डी कलेक्ट्रेट पर सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। बाद में किसानों के मुद्दों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा। धरने में पूर्व सांसद सुरेश शेटकर, पूर्व विधायक गंगाराम, बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र प्रभारी कसुला बलराज, येल्लारेड्डी प्रभारी वड्डेपल्ली सुभाष रेड्डी सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

श्री भगवत गीता प्रवचन लहरी दृश्य, श्रवण कीर्तन सम्पन्न

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री भगवत गीता प्रवचन लहरी दृश्य, श्रवण कीर्तन ए. के. भवन जियागुडा में साहस कला एवं ए. के. संघ के सौजन्य से सम्पन्न हुआ। सभा का प्रारंभोत्सव श्रीश्रीश्री त्रिदंडि श्रीनिवास व्रतधर नारायण जीयर स्वाममीजी के कर कमलों द्वारा ज्योति का प्रकाशन हुआ। कार्यक्रम में तेलंगाना के सलहाकार डॉ. के. वी. रमणाचारी मुख्य अतिथि थे। डॉ. प्रो. बी. जयरामुलु विश्व साहित्य अध्यक्ष का अभिनंदन, डॉ.पंतंगि कमलाकर शुभवचनों, पूज्य महात्मा गोपाल परमानंद अद्वैत आश्रम के शुभ अशिषों और प्रवचनकर्ता डॉ. एस नरसिंग रामानुजदास के प्रवचन के साथ इसके जीवन संबंधी डाक्युमेंट का प्रदर्शित किया गया। इसमें बोयिनी दर्शन पार्षद जियागुडा, टी. कृष्णाजी, जे. बंदुलाल, ए. के. संघ के सभी पदाधिकारी और भागवत प्रेमी भक्तों ने भाग लिया। कार्य संचाल डॉ. सय्यद उमर, एम. सत्यनारायण, वी. श्रीशैलय, एस. प्रसाद की वाणी से सभा में उपस्थित भक्तों को मंत्र मुग्ध कर दिया। सभी ने इनकी बहुत प्रशंसा की। प्रचनकर्ता डॉ.एस. नरसिंग ने कहा कि गीता का उद्देश्य और जनमानस में प्रेरणा लाने का मेरा यह प्रयास सफल रहा। पिछडे वर्ग के लोगों इस क्षेत्र में मैंने इसकी पहल की है। इस दौरान शारदा नरसिंग को भक्तिरत्ना सम्मान दिया गया।

अखिल भारतीय गोरक्षा महासंघ (तेलंगाना) के प्रदेश अध्यक्ष गज्जू भाई कोलरिया का इंदौर में अभिनंदन करते हुए श्री पचपट्टी सिखवाल समाज के ट्रस्टी विजय पांडे, विष्णु जोशी ,कार्यकारिणी अध्यक्ष रितेश पांडे, मुकेश जोशी पहलवान, राजू तिवारी , पार्षद सुरेश जोशी, पुरुषोत्तम पांडेय, कैलाश जोशी, पुष्कर महासभा के मध्य प्रदेश अध्यक्ष श्री राम जी शर्मा, राजेश पांडे व अन्य।

विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी का 20 वां वार्षिक 'उपासना महोत्सव' 29 जनवरी को

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाबा गंगाराम सेवा समिति समिति, हैदराबाद की आज (4 दिसम्बर) कार्यकारिणी बैठक समिति के अध्यक्ष अशोक केजरीवाल जी के अमीरपेट स्तिथ निवास स्थान पर संपन्न हुई। बैठक में सहर्ष घोषणा की गई कि विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी का 20 वां वार्षिक महोत्सव आगामी 29 जनवरी 2023 को सिकंदराबाद स्तिथ हरियाणा भवन में "उपासना महोत्सव" के नाम से बड़ी ही धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस महोत्सव में सुबह 10:30 बजे 108 जोड़ो द्वारा त्रि शक्ति महाअभिषेक किया जाएगा जिसमें श्री बाबा गंगाराम जी को तुलसी दल, भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन जी को बेल पत्र तथा शक्ति स्वरुपा देवी गायत्री जी को पुष्प विधिवत् मंत्रोच्चारण के साथ अर्पित किये जायेंगे। जो भी भक्त महाअभिषेक मे सम्मलित होना चाहे वह समिति से संपर्क कर सकते हैं। शाम 4:30 बजे से अखण्ड ज्योत प्रज्वलन के साथ भजन संध्या का शुभारंभ किया जाएगा जिस में बाबा गंगाराम जी की जीवनी पर आधारित अद्भुत और अलौकिक भव्य नृत्य नाटिका का मंचन कोलकात्ता के सुप्रसिद्ध भजन गायक सौरभ मधुकर की जोड़ी कुशल नाट्य कलाकारों के साथ प्रस्तुत करेंगे। हैदराबाद के भजन गायक श्री घनश्याम शर्मा भी भजनों की अमृतवर्षा करेंगे। कोरोनाकाल के चलते बाबा गंगाराम जी का यह वार्षिक महोत्सव तीन साल के लंबे अंतराल के बाद हो रहा है जिस वज़ह से समिति के सभी सदस्यों तथा भक्तों में भारी उत्साह देखने को मिला। इस आयोजन मे देश भर से भी बड़ी संख्या मे भक्तों के पहुंचने की संभावना है। बैठक में महोत्सव से जुड़ी सभी बातों पर चर्चा हुई तथा समिति के सदस्यों को कार्यभार सौपा गया। बैठक की अध्यक्षता अशोक केजरीवाल जी ने की तथा विष्णु सराफ, संतोष केजरीवाल, प्रीति अग्रवाल, केशव शर्मा, श्याम गोयनका, संजय जलान, मधु अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, विशाल डिडवानिया, वरुण सराफ, गौरव अग्रवाल, कुसुम सराफ, विशाल सराफ, पूर्णिमा सराफ तथा अमित मोदी आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सीआरपीएफ को मिली ...

जानकारी के मुताबिक तेलंगाना में एक संयुक्त अभियान में सीआरपीएफ और पुलिस की टुकड़ियों ने तेलंगाना के चेरला पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले वन क्षेत्र से 5 मिलिशिया को गिरफ्तार किया है।

वहीं आंध्र प्रदेश में 2 नक्सलियों ने सीआरपीएफ और आंध्र प्रदेश पुलिस के अधिकारियों के सामने यतापाका में आत्मसमर्पण किया। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के सुकमा में 4 नक्सलियों और चिंतागुफा में 1 नक्सली ने सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया है।

सीआरपीएफ ने बताया कि नक्सली खतरे का मुकाबला करने के लिए बल ने अभियान चलाने, नक्सली आपूर्ति लाइनों को बंद करने, कोर क्षेत्रों में नए शिविरों की स्थापना करने और नक्सलियों से हथियार छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने का आग्रह करने की बहुआयामी रणनीति अपनाई है। यही वजह की उन्हें इसमें सफलता मिल रही है।

पहली बार हो रहा है विमेंस अंडर-19 टी20 वर्ल्ड कप

बीसीसीआई ने किया टीम इंडिया का ऐलान, शेफाली वर्मा को कप्तानी सौंपी

मुंबई, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। उसने सीनियर टीम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हरियाणा की शेफाली वर्मा को टीम का कप्तान चुना गया है।

दुनिया में क्रिकेट संचालित करने वाली संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पहली बार महिलाओं के अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन करने जा रही है।

यह टूर्नामेंट अगले साल 14 से 29 जनवरी के बीच साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा। वर्ल्ड कप खेलने से पहले टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलेगी। वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से यह सीरीज अहम मानी जा रही है।

ऐसे में बोर्ड ने सीरीज के लिए अलग से टीम घोषित की है। टी-20 सीरीज की शुरुआत 27 दिसंबर से होगा। जबकि आखिरी मुकाबला 4 जनवरी 2023 को खेला जाएगा।

पहले वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी 16 टीमें

इसमें 16 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम को मेजबान देश साउथ अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और स्कॉटलैंड के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। प्रत्येक ग्रुप से टॉप तीन टीमें सुपर सिक्स में जाएंगी। सुपर सिक्स में टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेगी। दोनों सेमीफाइनल 27 जनवरी को एक ही ग्राउंड पर खेला जाएगा। उसके बाद 29 जनवरी को फाइनल खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप के लिए अंडर-19 टीम

शेफाली वर्मा (कप्तान), श्वेता सहरावत (उप-कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी त्रिशा, सौम्या तिवारी, सोनिया मेहदिया, हर्ले गाला, हर्षिता बसु (विकेटकीपर), सोनम यादव, मन्नत कश्यप, अर्चना देवी, पार्शवी चोपड़ा, तीता साधु, फलक नाज, शबनम एमडी। स्टैंडबाय खिलाड़ीः शिखा, नजला सीएमसी, यशश्री।

साउथ अफ्रीका के लिए अंडर-19 विमेंस टीम

शेफाली वर्मा (कैप्टन), श्वेता सहरावत (वाइस कैप्टन), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी त्रिशा, सौम्या तिवारी, सोनिया मेहदिया, हर्ले गाला, हर्षिता बसु (विकेटकीपर), सोनम यादव, मन्नत कश्यप, अर्चना देवी, पार्शवी चोपड़ा, तीता साधु, फलक नाज, शबनम एमडी, शिखा, नजला सीएमसी, यशश्री।

एशियन जूनियर चैंपियनशिप

उन्नति शर्मा ने जीता अंडर-17 कैटेगरी में भारत का पहला सिल्वर मेडल

थाईलैंड, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय शटलर उन्नति हुड्डा ने एशियन जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में अंडर-17 कैटेगरी का सिल्वर मेडल जीत लिया। वह ऐसा करने वाली भारत की पहली ही शटलर बनीं। उनसे पहले इस कैटेगरी में कोई भी भारतीय शटलर फाइनल में भी नहीं पहुंच सकी थी।

उन्हें विमेन सिंगल्स कैटेगरी के फाइनल में थाईलैंड की सारुन्राक विटिद्सर्न ने हराया।

अंडर-15 और अंडर-17 कैटेगरी की एशियन जूनियर चैंपियनशिप थाईलैंड के नोंथाबुरी में आयोजित हुई। चैंपियनशिप के सभी फाइनल मुकाबले रविवार को खेले गए। बैडमिंटन असोसिएशन ऑफ इंडिया ने उन्नति के सिल्वर जीतने की इन्फॉर्मेशन सोशल मीडिया पर इन्फॉर्मेशन शेयर की।

मेंस कैटेगरी में भी सिल्वर मिला

मेंस डबल कैटेगरी इवेंट में अर्श और संस्कार की जोड़ी को भी सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। उन्हें चीनी ताइपे के लाई पो यू और यी-हाओ लिन की जोड़ी ने हराया। अंडर-15 कैटेगरी में अनिश थोप्पानी को भी सिल्वर मेडल मिला। उन्हें फाइनल में चीनी ताइपे के चुंग-सियांग यी ने 8-21, 24-22, 19-21 से हराया।

अनीश ने पहला सेट गंवाने के बाद दूसरा सेट जीतकर वापसी की। लेकिन, आखिरी सेट में करीबी हार के बाद वह गोल्ड मेडल नहीं जीत सकीं। उन्होंने सेमीफाइनल में ली यू-जुई को हराया था।

इन्होंने जीते थे गोल्ड

अर्जुन एमआर-चिराग शेट्टी ने 2013 और कृष्णा प्रसाद गरगा-सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी ने 2015 में अंडर-17 के डबल्स में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीते थे।

क्रिकेट इंडियन, फॉर्मूला अंग्रेजी: 9 नंबर तक बल्लेबाजी करने वाले, 6 बॉलिंग ऑप्शन...पंत की जगह राहुल फिट

खेल डेस्क, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ पहले वनडे मैच में जिस प्लेइंग-XI के साथ उतरी है उस पर इंग्लैंड की व्हाइट बॉल फिलोसॉफी की छाप देखी जा सकती है। भारत ने मल्टिपल स्किलसेट वाले खिलाड़ियों को ज्यादा मौका देने की कोशिश की है। इंग्लैंड ने इसी फॉर्मूले को अपनाते हुए पिछले कुछ सालों में वनडे और टी-20 क्रिकेट में जमकर सफलता हासिल की है और दोनों फॉर्मेट में वर्ल्ड चैंपियन बन गई है।

नए फॉर्मूला में अनफिट पंत...

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को वैसे तो मेडिकल रीजन बताते हुए वनडे सीरीज से अचानक बाहर कर दिया गया, लेकिन जब आप भारत की ताजा प्लेइंग-XI और इसके पीछे की संभावित सोच को जानेंगे तो पंत से जुड़े सवाल का जवाब भी मिलने लगेगा।

पहले देखते हैं भारत की प्लेइंग-XI की खासियत

भारत की ओर से इस मैच में उतरी टीम की बैटिंग लाइनअप काफी डीप है। रोहित शर्मा और शिखर धवन ने ओपनिंग की तो विराट कोहली नंबर-3 पर आए। इसके बाद श्रेयस अय्यर, केएल राहुल आए। नंबर-6 से नंबर-9 के लिए वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, शार्दूल ठाकुर और दीपक चाहर हैं। इन चारों की प्राथमिक भूमिका वैसे तो गेंदबाजी है, लेकिन ये बल्लेबाजी भी अच्छी कर लेते हैं।

अगर गेंदबाजी पर नजर डालें तो सुंदर, शाहबाज, शार्दूल और दीपक के साथ कुलदीप सेन और मोहम्मद सिराज मौजूद हैं। यानी भारत ने ऐसी प्लेइंग-XI चुनी है जिसमें बल्लेबाजी के लिए 9 और गेंदबाजी के लिए 6 ऑप्शन मौजूद हैं।

इंग्लैंड भी इसी फॉर्मूले के साथ खेलता है

वनडे और टी-20 में इंग्लैंड की टीम भी इसी फॉर्मूले के साथ उतरती है। इंग्लिश टीम की प्लेइंग-XI में अक्सर 9 से 10 खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो बल्लेबाजी कर सकते हों। साथ ही 6 से 7 खिलाड़ी गेंदबाजी करने में सक्षम होते हैं। इसको बेहतर तरीके से समझने के लिए हाल ही में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में उतरी इंग्लैंड की प्लेइंग-XI को देखिए...

उसमें जोस बटलर और एलेक्स हेल्स ने ओपनिंग की। फिल साल्ट, बेन स्टोक्स और हैरी ब्रूक नंबर-3 से नंबर-5 तक आए। इसके बाद मोइन अली और लियाम लिविंगस्टन आए। इंग्लिश प्लेइंग-XI के आखिरी चार खिलाड़ियों सैम करन, क्रिस वोक्स, क्रिस जॉर्डन और आदिल राशिद में करन और वोक्स अच्छी बल्लेबाजी कर लेते हैं।

इस प्लेइंग-11 में सात खिलाड़ी ऐसे थे जो गेंदबाजी कर सकते थे। इनमें स्टोक्स, मोइन, लिविंगस्टन, करन, वोक्स, जॉर्डन और राशिद शामिल थे। यानी इस टीम में बल्लेबाजी कर सकने वाले 9 खिलाड़ी और गेंदबाजी कर सकने वाले 7 खिलाड़ी शामिल थे।

फिर ये फॉर्मूला पंत के बाहर होने की वजह कैसे

ऋषभ पंत भी मल्टिपल स्किल सेट वाले खिलाड़ी हैं। वे बल्लेबाजी के साथ-साथ विकेटकीपिंग भी कर लेते हैं। फिर उन्हें क्यों बाहर किया गया? इसका जवाब यह है कि इन 2 इन 1 स्किल के साथ टीम में एक खिलाड़ी पहले से मौजूद था। उसका नाम है केएल राहुल। विकेटकीपिंग इनमें से एक को ही करनी थी तो उस स्लॉट के लिए दो खिलाड़ियों को क्यों शामिल करना। पंत खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं, इसलिए राहुल के बजाय उन्हें बाहर किया गया।

फिर भी टॉप ऑर्डर में सुधार के बिना सफलता की उम्मीद कम

भारतीय टीम ने इस मुकाबले में अच्छी पहल जरूर की है, लेकिन काम अभी भी अधूरा लगता है। टीम के टॉप-5 खिलाड़ियों में एक भी ऐसा नहीं है जो गेंदबाजी कर सके। रोहित, धवन, विराट और श्रेयस में से कोई भी गेंदबाजी नहीं करता है। अगर श्रेयस की जगह सूर्यकुमार यादव भी होते तो भी यही हाल रहता।

भारत ने आखिरी बार 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। उस टीम के टॉप ऑर्डर में शामिल कई बल्लेबाज ठीक-ठाक गेंदबाजी कर लेते थे।

सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह ऐसे ही नाम थे। सुरेश रैना को अगर कभी मौका मिलता तो वे भी अपने साथ दो स्किल सेट साथ लाते थे। रैना बल्लेबाजी के साथ-साथ ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते थे।

पेले खतरे से बाहर, ब्राजील के महान फुटबॉलर की सेहत पर परिवार ने दी बड़ी जानकारी

खेल डेस्क, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पेले की दो बेटियों में उनके अस्पताल में भर्ती होने की वजह कोरोना के चलते सांस लेने में होने वाली दिक्कत को बताया. साथ ही उनके फैंस को एक खुशखबरी ये दी कि ब्लैक पर्ल के नाम से मशहूर दिग्गज की सेहत अब ठीक है.

ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले अब खतरे से बाहर हैं. उन्हें जान का खतरा नहीं है. ऐसा कहना है उनके परिवार का. पेले की दो बेटियों में उनके अस्पताल में भर्ती होने की वजह कोरोना के चलते सांस लेने में होने वाली दिक्कत को बताया. साथ ही उनके फैंस को एक खुशखबरी ये दी कि ब्लैक पर्ल के नाम से मशहूर दिग्गज की सेहत अब ठीक है.

पेले की बेटियां समेत उनके पोते ने एक इंटरव्यू में बताया कि पेले को जल्दी ही अस्पताल से छुट्टी मिलने की उम्मीद है. बस इसके लिए उनके सांस के संक्रमण के ठीक होने का इंतजार किया जा रहा है. बता दें कि पेले की कैंसर को लेकर कीमोथेरेपी भी चल रही है. इससे पहले अस्पताल ने भी शनिवार को कहा था कि पेले संक्रमण के इलाज के लिए अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और पिछले 24 घंटे में उनकी सेहत खराब नहीं हुई है. अस्पताल ने पूर्व फुटबॉलर के स्वास्थ्य के बारे में रविवार को कोई बयान जारी नहीं किया.

पेले की सेहत पर परिवार ने दिया अपडेट

बेटी केली नैसिमेंटो ने टीवी ग्लोबो से कहा, वह बीमार हैं, वह उम्रदराज हैं लेकिन फिलहाल वह फेफड़े में संक्रमण की वजह से अस्पताल में हैं. जब वह बेहतर महसूस करेंगे तो उन्हें दोबारा घर ले जाया जाएगा.केली अमेरिका में रहती हैं और उन्होंने वीडियो पर बात की. उन्होंने कहा, "वह इस समय अस्पताल से अलविदा नहीं कहने वाले.

कैंसर से अभी भी मुक्त नहीं पेले

सितंबर 2021 में पेले का कोलन ट्यूमर हटाया गया था. लेकिन परिवार या अस्पताल ने यह नहीं बताया कि क्या यह अन्य अंगों में फैला है. परिवार की ओर से अब ये जरूर बताया गया कि उन्हें अभी तक कैंसर से मुक्ति नहीं मिली है और वह डॉक्टरों की सलाह से दवाई ले रहे हैं.

पेले खतरे से हैं बाहर- परिवार

बेटियों ने दावा किया कि, लोगों का ये कहना बहुत गलत है कि वह अपने जीवन के अंतिम लम्हों में हैं, वह गहन चिकित्सा में है. दोस्तों, यह सच नहीं है. हम पर विश्वास करो. उन्होंने कहा, वह गहन चिकित्सा में नहीं है, वह एक नियमित कमरे में हैं. उन्हें कोई खतरा नहीं है, उनका इलाज चल रहा है.

इंग्लैंड 10वीं बार फुटबॉल वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में

सेनेगल को 3-0 से हराया; अब मुकाबला फ्रांस से

दोहा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने कतर में चल रहे फुटबॉल वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप के टॉप-8 में पहुंची है। इंग्लैंड का मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस से होगा।

इंग्लैंड लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में

उसने ओवरऑल 10वीं बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले इंग्लैंड 1954, 1962, 1966, 1970, 1986, 1990, 2002, 2006, 2018, 2022 के सीजन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था। हालांकि, उसे 1966 में ही ट्रॉफी उठाने का मौका मिला। शेष मौकों पर टीम नॉकआउट राउंड में हार गई।

अल बैत स्टेडियम में हेरी केन की कप्तानी वाली इंग्लैंड की टीम ने रविवार-सोमवार की रात को सेनेगल को 3-0 से हरा दिया। सेनेगल ने 20 साल बाद वर्ल्ड कप के किसी मुकाबले में 3 गोल खाए हैं। इससे पहले 2002 में उरुग्वे के खिलाफ 2002 में ऐसा हुआ था। वह 3-3 की बराबरी पर छूटा था।

1966 की चैंपियन इंग्लैंड ने इस मुकाबले में अपनी पकड़ शुरू से ही बना ली। उसने गोल करने के 4 प्रयास किए। इनमें से 3 में उसे सफलता मिली। वहीं, सेनेगल ने सिर्फ एक मौका मिला। लेकिन, वह गोल नहीं कर सका।

इंग्लैंड के लिए पहला गोल 38वें मिनट में जॉर्डन ने जूड के असिस्ट पर किया। इसके बाद मैच के 48वें मिनट में हैरी केन ने फोडेन के पास को गोल कर टीम को 2-0 सकी बढ़त दिला दी। वहीं, 57वें मिनट में साका ने फोडेन की शानदार पास पर गोल करते हुए इंग्लिश टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया।

अब तक 4 टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

अभी तक 4 टीमों ने क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। नॉकराउंड के पहले दिन नीदरलैंड ने अमेरिका को 3-1 से हराया। दूसरे मुकाबले में अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराते हुए टॉप-8 में जगह बनाई। वहीं, रविवार को पहले फ्रांस ने पोलैंड को 3-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया और दूसरे मैच में इंग्लैंड ने सेनेगल को हराया। शेष चार टीमों का फैसला बचे हुए प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों से होगा।

इंग्लैंड-फ्रांस में हाईवोल्टेज मैच की उम्मीद

डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस और इंग्लैंड के बीच हाई वोल्टेज मैच की उम्मीद की जा रही है, क्योंकि इंग्लैंड की टीम अभी तक एक भी मैच नहीं हारी है। ग्रुप स्टेज में उसने ईरान और वेल्स को मात दी थी। वहीं, अमेरिका के खिलाफ हैरी केन की अगुआई वाली टीम ने ड्रॉ खेला था।

वहीं, फ्रांस को लीग राउंड में एक पराजय का सामना करना पड़ा है, लेकिन 2 जीतों की मदद से टीम ने नॉकआउट राउंड में प्रवेश किया।

फ्रांस क्वार्टर फाइनल में पहुंचा : पोलैंड को एकतरफा मुकाबले में हराया, कीलियन एम्बाप्पे ने दागे दो गोल

दोहा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। रविवार को फीफा वर्ल्ड कप 2022 के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में फ्रांस ने पोलैंड को 3-1 से हराया। इसी के साथ फ्रांस क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई हो गया। पोलैंड का वर्ल्ड कप में सफर यहीं पर खत्म हुआ। फ्रांस की ओर से ओलिवियर जिरूड ने 44वें मिनट में गोल किया। वहीं कीलियन एम्बाप्पे ने दो गोल दागे। उन्होंने 74वें और 90+1वें मिनट में गोल स्कोर किया। पोलैंड के रॉबर्ट लेवानडॉस्की ने 90+7 वें मिनट में पेनाल्टी के जरिए पोलैंड का एकमात्र गोल किया।

फर्स्ट हाफ के ठीक पहले जिरूड ने दागा गोल

फ्रांस के ओलिवियर जिरूड ने वर्ल्ड कप में फ्रांस के लिए चमत्कार किया। उन्होंने 44वें मिनट में गोल दागा। एम्बाप्पे ने आगे आते हुए जीरूड को पास दिया। इसके बाद जिरूड ने फिनिश देते हुए बॉल को नेट के अंदर पहुंचा दिया। इसी गोल के साथ जिरूड फ्रांस नेशनल टीम के टॉप स्कोरर बन गए। उन्होंने फ्रांस के थिएरी हेनरी को पीछे किया।

एम्बाप्पे ने दागा दूसरा गोल

दूसरे हाफ के 74वें मिनट में फ्रांस ने अपना दूसरा गोल दागा। यह गोल टीम के स्टार प्लेयर कीलियन एम्बाप्पे ने किया। एम्बाप्पे बॉल को लेकर आए और उसे गोलपोस्ट के लेफ्ट कॉर्नर में दाग दिया।

एम्बाप्पे ने फ्रांस की जीत सुनिश्चित की

90 मिनट के गेम के बाद इंजरी टाइम में एम्बाप्पे ने एक और गोल स्कोर किया। फ्रांस के थूराम के पास पर एम्बाप्पे बॉल को आगे लेकर गए और बॉल को टॉप राइट कॉर्नर में तक पहुंचाया। इसी के साथ वर्ल्ड कप में उनके कुल 9 गोल हो गए हैं।

रॉबर्ट लेवानडॉस्की का गोल व्यर्थ

पोलैंड के रोबर्ट लेवाडोवस्की का गोल टीम के काम नहीं आया। इंजरी टाइम के 7वें मिनट यानी 90+7 वें मिनट में उन्होंने गोल किया। यह गोल पेनाल्टी के जरिए हुआ। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उनके गोल के तुरंत बाद फुल टाइम हो गया और मैच खत्म हुआ।

पहले हाफ में दोनों के बीच बराबरी का मुकाबला

पहले हाफ में फ्रांस ने जरूर पोलैंड को डोमिनेट किया। लेकिन मुकाबला बराबरी का था। फ्रांस ने गोल की तरफ 9 शॉट मारे और पोलैंड ने 8 शॉट। लेकिन, फ्रांस ने एक शॉट को गोल में तब्दील किया जो पोलैंड नहीं कर पाया। दूसरी ओर फ्रांस ने 57 फीसदी समय बॉल अपने पास रखी और पोलैंड ने 43% समय बॉल रखी।

एम्बापे ने तोड़ा पेले का 60 साल पुराना रिकॉर्ड

दोहा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। एम्बापे ने पोलैंड के खिलाफ मैच में दो अहम गोल कर कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। अपनी टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाने के साथ ही उन्होंने पेले का 60 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। फ्रांस के स्टार खिलाड़ी काइलिन एम्बापे शानदार फॉर्म में हैं और हर मैच में नए कीर्तिमान हासिल कर रहे हैं। फीफा विश्व कप 2022 के प्री क्वार्टर फाइनल मैच में उन्होंने पोलैंड के खिलाफ दो गोल किए और अपनी टीम को 3-1 से जीत दिलाई। इस जीत के साथ फ्रांस की टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और एम्बापे ने एक साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने फीफा विश्व कप में गोल करने के मामले में रोनाल्डो को पीछे छोड़ मेसी की बराबरी कर ली। इसके अलावा एम्बापे ने पेले का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

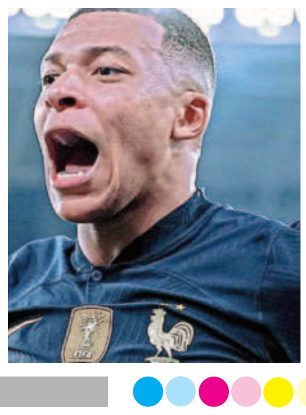

रोनाल्डो ने फीफा विश्व कप में कुल 20 मैच खेले हैं और आठ गोल दागे हैं। वहीं, एम्बापे सिर्फ 11 मैच खेलकर ही फीफा विश्व कप में नौ गोल कर चुके हैं। मेसी ने 23 मैच में नौ गोल किए हैं। 23 साल के एम्बापे अभी से ही कई दिग्गजों को पीछे छोड़ चुके हैं। वह इस विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं और दिग्गज पेले का 60 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ चुके हैं। वह 24 साल की उम्र तक फीफा में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने माराडोना और पेले जैसे दिग्गजों को भी पीछे छोड़ दिया है। फीफा विश्व कप में एम्बापे ने गोल करने के मामले में भले ही मेसी की बराबरी कर ली हो, लेकिन पांचवां विश्व कप खेल रहे मेसी की तुलना में यह एम्बापे का सिर्फ दूसरा विश्व कप है।

विश्व कप खेल रहे इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी के घर में लूट

टीम का साथ छोड़ परिवार के पास लौटा

दोहा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड और फ्रांस के बीच फीफा विश्व कप मैच से रहीम स्टर्लिन का बाहर रहना लगभग तय है। वह फीफा विश्व कप में अपनी टीम का साथ छोड़ घर लौट रहे हैं।

इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक रहीम स्टर्लिन टीम का साथ छोड़ घर लौट रहे हैं। रहीम के घर में कुछ हथियारबंद लोगों ने घुसपैठ की थी। इसके बाद उन्होंने टीम का साथ छोड़ कतर से घर लौटने का फैसला किया है। क्वार्टर फाइनल में उनकी टीम का मुकाबला मजबूत फ्रांस के साथ है और इस अहम मैच में स्टर्लिंग के उपलब्ध रहने पर संदेह है। वह इस अहम मैच से बाहर रह सकते हैं। यह मैच शनिवार को होना है। इस लिहाज से स्टर्लिन के पास घर जाकर लौटने का भी समय रहेगा।

इंग्लिश फुटबॉल एसोसिएशन ने बताय कि चेल्सी के फॉरवर्ड को पारिवारिक मामले से निपटने के लिए समय दिया गया है।

मंत्री केटीआर ने बंसीलालपेट बावड़ी का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री के टी रामाराव ने सोमवार को सिकंदराबाद के बंसीलालपेट में पुनर्निर्मित बावड़ी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए केटीआर ने कहा कि एक शहर की पहचान कंक्रीट की इमारतों, सड़कों और फ्लाईओवर ही केवल नहीं हो सकते है। शहर की पहचान स्मारकों, ऐतिहासिक संरचनाओं और संस्कृति से भी होनी चाहिए। इस अवसर पर, उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे नवीकृत बावड़ी की सुरक्षा की जिम्मेदारी लें और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाने के लिए बावड़ी को अपनी संपत्ति के रूप में अपनाएं।

बावड़ी का जीर्णोद्धार राज्य सरकार द्वारा एक सहिता संस्था के सहयोग से 10 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था। कायाकल्पित बावड़ी में एक पर्यटक प्लाजा, बावड़ी का एक प्रतिकृति मॉडल और कुएं में जमा हुई गाद, मलबे और कचरे को हटाने के दौरान मिले उपकरणों को प्रदर्शित करने वाला एक डिस्प्ले है। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, जीएचएमसी की महापौर गदवाल विजया लक्ष्मी, एमएएंडयूडी के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार उपस्थित थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने तिरुमाला मंदिर में पूजा की

तिरुमाला, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तिरुमाला की अपनी पहली यात्रा के दौरान सोमवार को अपने काफिले के साथ पहाड़ी मंदिर श्री वेंकटेश्वर स्वामी में पूजा-अर्चना की। मंदिर की परंपरा का पालन करते हुए, राष्ट्रपति ने सबसे पहले स्वामी पुष्करिणी में पूजा अर्चना की और बाद में श्री वराहस्वामी स्वामी मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद जब राष्ट्रपति श्रीवारी मंदिर के महाद्वारम पहुंचे। मंदिर के अर्चकों ने मेलम की संगत में वेद मंत्रों के जाप के बीच पारंपरिक इस्तिकाफल सम्मान के साथ भारत के पहले नागरिक का स्वागत किया। राष्ट्रपति और उनके साथी श्रीवारी दर्शन के लिए गए और गर्भगृह के अंदर भगवान वेंकटेश्वर के पीठासीन देवता से प्रार्थना की। मुख्य पुजारी ने मुला विराट के महत्व के बारे में बताया, जो मुख्य देवता और क्षेत्र महात्म्य को सुशोभित करते हैं। बाद में राष्ट्रपति को रंगनायकुला मंडपम में वेद आशीर्वादम की पेशकश की गई। टीटीडी के अध्यक्ष और ईओ ने मिलकर राष्ट्रपति को 2023 टीटीडी डायरी और कैलेंडर के साथ श्रीवारी तीर्थ प्रसादम और भगवान वेंकटेश्वर की ड्राई फ्लावर टेक्नोलॉजी फोटो भेंट की। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, एपी नारायण स्वामी के डिप्टी सीएम, सत्यनारायण, एपी मंत्री रोजा उपस्थित थे।

भाकपा कार्यकर्ताओं ने टीआरएस समर्थकों पर किया हमला

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के खम्मम जिले के पलेयर विधानसभा क्षेत्र के खम्मम ग्रामीण मंडल के कमांचिकल गांव में दो टीआरएस समर्थकों, कथित रूप से सीपीआई कैडर पर हमला किये जाने के बाद तनाव व्याप्त हो गया। बताया जाता है कि सीपीआई के कुछ कार्यकर्ताओं ने रविवार देर रात गांव में टीआरएस कार्यकर्ता प्रतापनेनी श्रीनिवास राव और मेदारमेटला श्रीनिवास राव पर हमला कर दिया। दोनों को गंभीर चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए खम्मम के एक निजी अस्पताल में भेज दिया गया। घटना की जानकारी होने पर, टीआरएस के जिलाध्यक्ष और एमएलसी टाटा मधुसूदन, पलेयर विधायक के उपेंद्र रेड्डी और पार्टी मंडल अध्यक्ष बेलम वेणु ने अस्पताल में उनसे मुलाकात की। मीडिया से बात करते हुए, विधायक ने हमले की निंदा की और कहा कि हमले में शामिल लोगों को कानून के अनुसार दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों से दोनों पार्टियों के बीच बातचीत कर मतभेदों को दूर करने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन भाकपा नेता बैठकर बात करने को तैयार नहीं थे। झड़पों से बचने के लिए उनकी ओर से उकसावे की। दोनों गुटों ने एक दूसरे के खिलाफ स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इसी तरह की घटना तीन दिन पहले गांव में हुई थी जब भाकपा सरपंच वेंकट रमना और उप सरपंच प्रभाकर के साथ पार्टी के कुछ कार्यकर्ता टीआरएस में शामिल हो गए थे। इस बीच, भाकपा के जिला सचिव पोटू प्रसाद ने शिकायत की कि टीआरएस नेता मिलकर काम करने की बात कहकर निर्वाचन क्षेत्र में मतभेद पैदा कर रहे हैं। पुलिस पर पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाकपा कार्यकर्ता प्रगति भवन में धरना देंगे और जरूरत पड़ी तो अदालत भी जाएंगे।

केटीआर आज विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर में 50 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन 6 दिसंबर मंगलवार को नगरपालिका प्रशासन और शहरी विकास मंत्री के टी रामाराव द्वारा किया जाएगा। इन कार्यों में एलबी नगर निर्वाचन क्षेत्र में फतुल्लागुडा में मुक्ति घाट, फतुल्लागुडा में एक पालतू पशु शवदाह गृह, फतुल्लागुडा में एक लिंक रोड और एलबी नगर में एक रणनीतिक नाला विकास कार्यक्रम (एसएनडीपी) कार्य शामिल हैं। शून्य उत्सर्जन के साथ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) के मानदंडों के अनुसार वैज्ञानिक तरीके से पालतू जानवरों को गरिमापूर्ण और सम्मानजनक अंतिम संस्कार प्रदान करने के लिए, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने जमीन आवंटित की है और लोगों के लिए जानवरों (पीएफए) को अनुमति दी है।

मिशन भागीरथ : जीवन बदलने वाला जल मिशन

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चार साल पहले कुमराम भीम आसिफाबाद का अंदरूनी भाग एक दृश्य से जगमगा उठता था, कि आदिवासी महिलाओं की अपने सर पर पेयजल के मटके लेकर लंबी कतारें किलोमीटर तक चलती हैं, अपने हाथों पर पीने के पानी के बर्तनों को संतुलित करती हैं। 22 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और ऊपरी पीएचसी के बाहर इसी तरह की लंबी-लंबी लाइनें, लेकिन मामूली अंतर के साथ, फिर से पीने के पानी से संबंधित बीमारियों से पीड़ित लोगों को इलाज कराने के लिए कतार में लगना पड़ता था।

आदिवासियों द्वारा अपनाए गए कच्चे पानी के भंडारण के तरीकों में टाइफाइड से लेकर तीव्र दस्त और गुर्दे के संक्रमण से लेकर मलेरिया और डेंगू तक मच्छरों के प्रजनन के कारण, उनका जीवन पानी के इर्द-गिर्द घूमता रहा। प्राणहिता नदी और गोदावरी की सहायक नदियाँ होने के बावजूद, कम साक्षरता दर और अंधविश्वास की उच्च दर के साथ-साथ बोरवेल या कृषि कुओं की कमी

ने गाँवों में लोगों को गहरे कुओं पर निर्भर करने के लिए मजबूर कर दिया था। और यह, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. टी प्रभाकर रेड्डी के एक अध्ययन के अनुसार, कठोर पानी के सेवन के कारण गुर्दे के संक्रमण के अलावा जल जनित बीमारियों के प्रकोप और टाइफाइड और तीव्र डायरिया रोग (एडीडी) की उच्च घटनाओं का कारण बना। कहानी 2020 तक हर साल दोहराई गई। हालांकि, पिछले दो वर्षों में नाटकीय बदलाव आया है। अगर हम 2015 से 2022 तक एक्यूट डायरिया रोग के मामलों की वर्ष-वार व्यापकता की तुलना करें, तो 2021 और 2022 में नए मामलों में भारी कमी आई है। यह प्रति वर्ष लगभग 8000 मामले थे लेकिन प्रति वर्ष घटकर 1000 हो गए। डॉ. प्रभाकर रेड्डी अध्ययन में कहते हैं कि 2015 से 2022 तक टाइफाइड के मामलों की व्यापकता भी 2021 और 2022 में नए मामलों में भारी कमी दर्शाती है। यह प्रति वर्ष लगभग 6000 मामले थे लेकिन घटकर 1800 प्रति वर्ष हो गए। किडनी से संबंधित आउट पेशेंट और इन-पेशेंट शिकायतों में भी नाटकीय कमी आई है।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने भूजल के उपयोग को कम करने और सतही जल का उपयोग करने और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मिशन भागीरथ के माध्यम से सुरक्षित पेयजल की शुरुआत की। कुमराम भीम आसिफाबाद में, मिशन पूरी तरह कार्यात्मक हो गया और 2021 से हर घर में पानी की सेवा शुरू कर दी, अध्ययन नोट करता है। इस बदलाव का एक और पहलू है, जिसमें वेक्टर जनित बीमारियों जैसे मलेरिया और डेंगू के मामलों में भी कमी देखी गई।

अध्ययन में कहा गया है कि पानी की कमी के कारण, ग्रामीणों को लंबे समय तक पानी जमा करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे मच्छरों के लिए व्यापक प्रजनन स्थल बन गए और बदले में मलेरिया और डेंगू के हजारों मामले सामने आए। मिशन भागीरथ के बाद, अब प्रत्येक परिवार को प्रति व्यक्ति गुणवत्तापूर्ण पीने का पानी 100 लीटर प्रति दिन मिल रहा है, जिससे घरों में टब, बाल्टियों और मिनी टैंकों में पानी के भंडारण का बोझ कम हो गया है, इस प्रकार मच्छरों के प्रजनन के स्थानों को काफी हद तक दूर कर दिया गया है। अध्ययन में कहा गया है कि इसके साथ ही, स्वास्थ्य, पंचायत राज और ग्रामीण जल आपूर्ति विभागों द्वारा सामूहिक रूप से जिले में मलेरिया और डेंगू के मामलों में कमी आई है। जिले में एकल परिवार जहां महिलाओं या लड़कियों को पीने के पानी के लिए किलोमीटर पैदल चलने के लिए मजबूर किया जाता है। इसमें कहा गया है, "पानी लाने में लगने वाला समय काफी कम हो गया है, जिससे महिलाएं अन्य उत्पादक और आर्थिक गतिविधियों को करने में सक्षम हो गई हैं।

जी-20 की तैयारी बैठक में चंद्रबाबू को न्योता

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू दिल्ली पहुंचे। चंद्रबाबू टीडीपी ने पार्टी सांसद और टीडीपी लोकसभा नेता गल्ला जयदेव के आवास पर संसदीय दल की बैठक की। संसद का शीतकालीन सत्र जल्द शुरू होने के मद्देनजर इस बैठक में दोनों सदनों में जिन मुद्दों का जिक्र होना है, उन पर चर्चा हुई। चंद्रबाबू ने सांसदों को एपी से जुड़े लंबित मुद्दों पर निर्देश दिए। उन्हें संसद में अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में बताया गया। इस बीच, चंद्रबाबू आज शाम 5 बजे राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में जी-20 की तैयारी बैठक में हिस्सा लेंगे. साथ ही मालूम हो कि इस बैठक में शामिल होने के लिए सीएम जगन दिल्ली भी गए थे।

अपर जिला कलेक्टर ने जनसुनवाई की

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के अपर कलेक्टर तिरुपति राव ने जिला राजस्व अधिकारी हरिप्रिया के साथ सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जनसुनवाई के तहत जनता से आवेदन प्राप्त किए। अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों ने अलग-अलग मुद्दों पर आवेदन दिया। इस मौके पर अपर समाहर्ता ने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी प्रजावाणी में प्राप्त आवेदनों की जांच कर नियमानुसार समस्याओं के समाधान की दिशा में कदम उठाएं। आज प्रजावाणी में विभिन्न मुद्दों पर 60 आवेदन प्राप्त हुए।

कांग्रेसियों को फंसाने के लिए पुलिस का दुरुपयोग : उत्तम

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को झूठे मामलों में फंसाने के लिए स्थानीय पुलिस का दुरुपयोग करने के लिए टीआरएस सरकार की कड़ी निंदा की। वह सोमवार को सूर्यापेट जेल का दौरा करने के बाद बीसी नेता और पूर्व सरपंच संपेटा रवि गौड़ से मिलने के बाद मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे, जिन्हें कोदाद पुलिस द्वारा झूठे मामले में फंसाया गया है। उन्होंने रवि गौड़ को कानूनी मदद का वादा किया और उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने जेल में बंद सभी विचाराधीन कैदियों से भी बात की और जेल की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह बेहद हास्यास्पद है कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव टीआरएस नेताओं के खिलाफ ईडी, सीबीआई और आयकर जैसी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग पर भाजपा सरकार पर रो रहे हैं, जबकि वह विपक्षी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के लिए स्थानीय पुलिस का दुरुपयोग कर रहे हैं। हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को पिछले आठ वर्षों में झूठे मामलों में फंसाया गया है और स्थानीय पुलिस कर्मियों को तेलंगाना राज्य में टीआरएस पदाधिकारियों के रूप में कार्य करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।" रेड्डी ने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने एक अलिखित कानून लागू किया है जो कांग्रेस कार्यकर्ताओं को टीआरएस खंडवा या हथकड़ी पहनने के बीच फैसला करने के लिए मजबूर करता है। उन्होंने कहा कि टीआरएस में शामिल होने से इनकार करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को स्थानीय पुलिस द्वारा कई तरह से परेशान किया जा रहा है। सीएम केसीआर न सिर्फ कांग्रेस कार्यकर्ताओं बल्कि उनके कारोबारियों और परिवार के सदस्यों को भी निशाना बना रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया, ''सीएम केसीआर पूरे तेलंगाना को अपनी जागीर मानकर तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं।'' कांग्रेस सांसद ने उन कांग्रेस कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की जिन्होंने सत्तारूढ़ टीआरएस द्वारा गंभीर उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद अपनी

विश्व मृदा दिवस मनाया

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सोमवार को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। इस वर्ष की थीम के रूप में 'मृदा: जहां भोजन शुरू होता है' था। यह हर साल 5 दिसंबर को मिट्टी के महत्व पर जोर देने और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। हैदराबाद में मिट्टी बचाओ स्वयंसेवकों ने शहर में कई जागरूकता अभियान चलाए है। स्वयंसेवकों को विश्व मृदा दिवस के अवसर पर हैदराबाद में आम जनता के लिए बैनर प्रदर्शित करते, जागरूकता वॉक करते और जागरूकता स्टिकर पेश करते देखा गया। समारोह में शहर के विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। न केवल स्वयंसेवकों और छात्रों, बल्कि विभिन्न वर्गों और सभी आयु समूहों के लोगों ने अपना समर्थन देने के लिए विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। अमीरपेट में कार और ऑटो-रिक्शा मालिक स्वेच्छा से अपनी कारों पर 'मिट्टी बचाओ' स्टिकर फ्लैश करने के लिए आगे आए हैं। हिमायत नगर में ईशा योग केंद्र ने मृदा स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'वॉक फॉर सॉयल' वॉकथॉन का आयोजन किया और लगभग 400 ईशा स्वयंसेवक और प्रतिभागी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। मिट्टी बचाओ, ईशा फाउंडेशन के संस्थापक और प्रमुख सद्गुरु द्वारा शुरू किया गया एक वैश्विक आंदोलन है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी ग्रह पर मिट्टी के संरक्षण की आवश्यकता के बारे में जागरूकता फैलाना है। इस समय के प्रमुख उद्देश्यों में से एक यह है कि दुनिया भर में सरकारें अपनी पहल के माध्यम से मिट्टी को पुनर्जीवित करने के लिए नीतियां लाएं और लागू करें।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बाबा के गिरेबान तक जल्द पहुंचेगी पुलिस

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर की चंद्रायनगुट्टा पुलिस ने महिलाओं की अश्लील तस्वीर खीचने वाले ट्रक चालक सैयद हुसैन को गिरफ्तार किया है। वह कथित तौर पर उसने महिलाओं को यह विश्वास दिलाया कि उनकी तस्वीरें धन एकत्र करने में मदद कर सकती है। उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 417, 420 और 354 (बी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसीपी फलकनुमा, शेख जहांगीर ने कहा कि वह व्यक्ति उन महिलाओं की नग्न तस्वीरें एकत्र कर रहा था। महिलाएं स्वास्थ्य, वित्तीय और घरेलू परेशानियों के साथ संपर्क करती थीं। हुसैन चार दिन पहले शहर आया था और चंद्रायनगुट्टा के पास सलाला में एक रिश्तेदार के घर में रह रहा था। गतिविधि के बारे में सूचना मिलने पर चंद्रायनगुट्टा पुलिस ने छापा मारा और उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को हुसैन के पास से जब्त मोबाइल फोन में कुछ सौ तस्वीरें मिलीं। वह गुलबर्गा के एक जादूगर गुलाम को तस्वीरें भेज रहा था। हमें उस आदमी को पकड़ना है और उसके पकड़े जाने के बाद और जानकारी सामने आएगी।' पुलिस जबरन वेश्यावृत्ति और पोर्नोग्राफी वेबसाइटों या चैनलों को सामग्री बेचने सहित सभी कोणों से जांच कर रही है। जादूगर गुलाम को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम गुलबर्गा भेजी जा रही है।

मुलुगु में वन्य जीव अभयारण्य में इको टूरिज्म शुरू

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु जिले के तड़वई और बोगाटा वन क्षेत्रों में ईको पर्यटन फिर से शुरू हो गया है। वन विभाग ने ऐलान किया है कि कोरोना की वजह से रुके इको टूरिज्म को फिर से शुरू कर दिया गया है। जिला वन अधिकारी किश्त गौड़ ने बताया कि प्रथम चरण में लखनावरम और ब्लैकबेरी द्वीप समूह के पास तडवई हट्स के साथ-साथ साइकिलिंग और ट्रेकिंग कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। ये सभी पर्यटन स्थल एतुरु नगरम अभ्यारण्यम (वन्य जीवन अभयारण्य) मुलुगु जिले के अंतर्गत आते हैं। तेलंगाना के अलावा, पड़ोसी राज्यों के पर्यटकों को आकर्षित करने वाले पर्यटन क्षेत्रों में बोगाटा आदि में जलप्रपात शामिल हैं। इनके अलावा आसपास के जंगल में

कई दर्शनीय क्षेत्र हैं। यह राजधानी से लगभग 250 किलोमीटर की दूरी पर है और साढ़े पांच घंटे की यात्रा करके यहां पहुंचा जा सकता है।

पर्यटन होटलों के साथ-साथ तदवई में वन झोपड़ी रात्रि विश्राम के लिए उपलब्ध हैं। वन विभाग लखनावरम्, तडवई और बोगाटा के आसपास के क्षेत्रों सहित एक जिम्मेदार इको-टूरिज्म सर्किट विकसित कर रहा है। जो पर्यटक इन्हें देखना चाहते हैं, उनके लिए तेलंगाना वन विभाग ने पहले लकनावरम महोत्सव के नाम से विशेष कार्यक्रम लागू किए हैं। लेकिन कोरोना की वजह से ये कार्यक्रम दो साल से ज्यादा समय तक रुके रहे। हाल ही में अब पुनः आरंभ किया गया। इन क्षेत्रों के आसपास के जंगल, बहती नदियां और जलकुंड पर्यटकों को एक नया अनुभव प्रदान करते हैं। वनों को समझने के साथ-साथ प्राथमिकता तय करने के लिए नए कार्यक्रम तैयार किए गए। वनों के महत्व को समझने के साथ ही पर्यटकों को वन विभाग के नेतृत्व में वन प्रबंधन के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। स्थानीय वन अधिकारियों द्वारा घास के मैदानों (घास के मैदानों), सौर बोरवेलों, जल प्रबंधन प्रणालियों (छिद्रण टैंकों) में सुधार के बारे में बताया जाएगा। वन संरक्षण मुख्य अधिकारी (पीसीसीएफ और एचओओएफ) आरएम डोब्रियल ने कहा कि तेलंगाना वन क्षेत्रों में कई पर्यटन क्षेत्र हैं और उनकी यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए उपयुक्त नई इको-टूरिज्म नीति तैयार की जा रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.